3 राजधानी
सावन पर मन्दिरों में आयी बहार

6 अभिमत
बैंकिंग क्षेत्र में सुधारों की उम्मीद

11 विदेश
ओली ने विश्वासमत हासिल किया

12 स्पोर्ट्स
बीसीसीआई ने खोला खजाना

RNI NO.UPHIN/2010/36547
वर्ष 14 अंक 269
लखनऊ, सोमवार, 22 जुलाई, 2024
पृष्ठ 12 मूल्य ₹ 3
लखनऊ
नगर संस्करण

लखनऊ, नई दिल्ली और रायपुर से प्रकाशित

पायनियर

www.dailypioneer.com

निर्मला सीतारमण इतिहास रचने को तैयार

राष्ट्रीय-10

हंगामेदार होगा संसद का मानसून सत्र

● सर्वदलीय बैठक में गूंजा नीट और नेम प्लेट का मुद्दा

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

संसद का मानसून सत्र शुरू सोमवार से शुरू हो रहा है। सरकार ने इस सत्र से एक दिन पहले रविवार को सर्वदलीय बैठक बुलाकर संसद की सुचारू कार्यवाही के लिए विपक्षी दलों से सहयोग मांगा। इस सत्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के तीसरे कार्यकाल का पहला वार्षिक बजट पेश किया जाएगा। इसके अलावा मानसून सत्र कांवड़ यात्रा मार्ग पर स्थित भोजनालय मालिकों के नाम, यूपीएससी में कथित अनियमिता, नीट पेपर लीक, ट्रेन दुर्घटनाओं सहित कई विवादास्पद मुद्दों की पृष्ठभूमि में शुरू होने वाला है। इस मुद्दे पर सत्तापक्ष और विपक्षी दलों के बीच तीखी नोंकझोंक होने के आसार हैं। पिछले लोकसभा की तुलना में इसबार विपक्ष मजबूत स्थिति में है।

सर्वदलीय बैठक में रविवार को कांग्रेस ने विपक्ष के लिए लोकसभा उपाध्यक्ष का पद मांगा और प्रतिष्ठित नीट सहित पेपर लीक से जुड़े अन्य मुद्दों को उठाकर स्पष्ट संकेत दिया कि वह इस सत्र को हंगामेदार बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ने वाली है। इतना ही नहीं सरकार के सहयोगी दलों ने भी विशेष दर्जे का मुद्दा उठाते हुए केंद्र को अपनी प्राथमिकताओं का स्पष्ट संकेत दिया। 44 दलों की बैठक में, जिसमें कुछ के पास केवल एक सांसद हैं, भाजपा की सहयोगी जेडीयू, बीजेडी और वाईएसआर कांग्रेस पार्टी के प्रतिनिधियों ने क्रमश: बिहार, ओडिशा और आंध्र प्रदेश के लिए दर्जा की मांग की। बैठक की अध्यक्षता रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने की, विपक्षी राजद और भाजपा की सहयोगी लोजपा (रामविलास) ने बिहार की मांग को दोहराया।

मानसून बजट सत्र में 12 अगस्त तक 19 बैठकें होंगी, जिसमें सरकार छह विधेयक पेश करेगी, जिसमें 90 साल पुराने विमान अधिनियम को बदलने वाला विधेयक भी शामिल है। इसके अलावा, जम्मू-कश्मीर के बजट के लिए संसद की मंजूरी भी मिल सकती है, जो केंद्र शासित प्रदेश है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण सोमवार को संसद में आर्थिक सर्वेक्षण पेश करेंगी और अगले दिन बजट पेश करेंगी। सरकार ने हाल ही में अपनी राजनीतिक पहुंच का संकेत देने के लिए बैठक में कई छोटे दलों को आमंत्रित किया था। उसने सभी मुद्दों पर चर्चा करने की इच्छा जताई, लेकिन संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने जोर देकर कहा कि यह नियमों के अनुसार होना चाहिए। उन्होंने संसद को सुचारू रूप से चलाने के लिए सभी दलों से सहयोग की अपील करते हुए कहा कि यह सरकार और विपक्ष की सामूहिक जिम्मेदारी है। कांग्रेस ने संघ लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं से संबंधित मुद्दे को उठाया, जिसके अध्यक्ष ने हाल ही में कथित व्यक्तिगत कारणों से इस्तीफा दे दिया और जम्मू-कश्मीर में आतंकवादी हमलों, मणिपुर की स्थिति, ट्रेन दुर्घटनाओं, बेरोजगारी और मूल्य वृद्धि सहित कई अन्य मुद्दों पर चर्चा की। (शेष पेज 9)

नई दिल्ली में रविवार को संसद के बजट सत्र से एक दिन पहले सर्वदलीय बैठक के दौरान रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू और केंद्रीय मंत्री जगत प्रकाश नड्डा मौजूद थे। फोटो : रंजन डिमरी/पायनियर

मानसून सत्र के लिए निजी सदस्य विधेयक सूचीबद्ध

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

संसद के ऊपरी सदन के आगामी मानसून सत्र के लिए राज्यसभा में सूचीबद्ध निजी सदस्यों के विधेयकों में से एक ऐसा विधेयक भी शामिल है, जिसमें न्यायाधीशों जैसे संवैधानिक पदों पर बैठे लोगों के सेवानिवृत्ति के बाद किसी राजनीतिक दल में शामिल होने पर रोक लगाने की मांग की गई है। इसके अलावा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और डीपफेक साथ ही साथ ही नागरिकता कानून में संशोधन करने पर एक विधेयक शामिल है। कुल मिलाकर, उच्च सदन में आगामी सत्र में पेश करने के लिए 23 निजी सदस्यों के विधेयक सूचीबद्ध किए गए हैं। राजद सांसद एडी सिंह द्वारा सूचीबद्ध संविधान (संशोधन) विधेयक, 2024 (अनुच्छेद 124, 148, 319 और 324 का संशोधन और नए अनुच्छेद 220ए और 309ए (शेष पेज 9)

जयंत चौधरी भी नेम प्लेट के विरोध में आए

पायनियर समाचार सेवा। मुजफ्फरनगर/नई दिल्ली

जेडीयू और एलजेपी जैसे प्रमुख सहयोगियों के बाद भाजपा नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन में शामिल राष्ट्रीय लोकदल रविवार को उत्तर प्रदेश सरकार से कांवड़ यात्रा मार्ग पर स्थित भोजनालयों पर उनके मालिकों के नाम प्रदर्शित करने के आदेश को वापस लेने की मांग की। उन्होंने कहा कि यह यात्रा किसी एक धर्म या जाति से संबंधित नहीं है। केंद्रीय राज्य मंत्री जयंत चौधरी ने रविवार को मीडिया से बातचीत में कहा कि कांवड़िये जब किसी से कोई सेवा मांगते हैं तो वे किसी से उसका धर्म नहीं पूछते, न ही इस मामले को किसी धर्म से जोड़ा जाना चाहिए। ऐसा लगता है कि यह आदेश बिना सोचे-समझे लिया गया है और सरकार इस पर इसलिए अड़ी हुई है क्योंकि निर्णय हो चुका है। कभी-कभी सरकार में ऐसी चीजें हो जाती हैं। यह पूछे जाने पर कि क्या निर्णय वापस लिया जाना चाहिए, उन्होंने कहा, अब भी समय है कि इसे (वापस) लिया जाए या सरकार को इसे (लागू करने) पर ज्यादा जोर नहीं देना चाहिए। उन्होंने कहा, कांवड़ की सेवा सभी करते हैं। कांवड़ की पहचान कोई नहीं करता और न ही कांवड़ सेवा करने वालों की पहचान धर्म या जाति से की जाती है। (शेष पेज 9)

कोलकाता में रविवार को टीएमसी की 'शहीद दिवस' रैली में पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री व ममता बनर्जी सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के साथ।

'कभी भी गिर सकती है केंद्र सरकार'

● रैली में भाजपा पर बरसे अखिलेश और ममता बनर्जी

पायनियर समाचार सेवा। कोलकाता

शहीद दिवस के अवसर पर रविवार को आयोजित एक विशाल रैली में पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री व टीएमसी प्रमुख ममता बनर्जी और समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने केंद्र की भाजपा नीत एनडीए सरकार पर हमला करते हुए कहा कि यह स्थिर सरकार नहीं है और कभी भी गिर सकती है। जनता को संबोधित करते हुए सपा प्रमुख ने कहा कि उत्तर प्रदेश की जनता ने भाजपा से लड़ाई लड़ी और उन्हें पछाड़ दिया। उन्होंने कहा, पश्चिम बंगाल की जनता ने में भी यही किया। उन्होंने कहा, सरकार में बैठे लोग कुछ दिनों के लिए ही सत्ता में हैं। ये सरकार चलने वाली नहीं है, वो सरकार गिरने वाली है। सपा और टीएमसी दोनों ही कांग्रेस के नेतृत्व वाले इंडिया गठबंधन के महत्वपूर्ण घटक हैं।

बनर्जी ने सीपीएम और कांग्रेस पर भी हमला किया। मैं अखिलेश को धन्यवाद देना चाहती हूं, उन्होंने मेरा निमंत्रण स्वीकार कर लिया है। मैं चाहती हूं कि बंगाल का रिश्ता पूरे देश के साथ बेहतर हो। मैं कहना चाहती हूं कि आपने यूपी में जो 'खेल' दिखाया, उन्हें (भाजपा) अपने पद से इस्तीफा दे देना चाहिए था, लेकिन वे बेशर्म हैं। उन्होंने हर एजेंसी और हर संभव तरीके से कोशिश की, लेकिन वे फिर भी हार गए। ममता ने रैली में कहा, उत्तर बंगाल में हमारे नतीजे अच्छे नहीं रहे, लेकिन मुझे उम्मीद है कि आने वाले दिनों में हम वहां जीतेंगे, उन्हें कांग्रेस के साथ-साथ वामपंथियों पर (शेष पेज 9)

रुद्रप्रयाग जिले में रविवार को केदारनाथ पैदल मार्ग पर भूस्खलन के बाद सड़क पर मलबा पड़ा है। अधिकारियों के अनुसार, कम से कम तीन तीर्थयात्रियों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए।

रुद्रप्रयाग में भूस्खलन से तीन तीर्थयात्री मरे

पायनियर समाचार सेवा। रुद्रप्रयाग

उत्तराखंड के रुद्रप्रयाग जिले में भूस्खलन केदारनाथ धाम के पैदल रास्ते पर रविवार सुबह पहाड़ी से हुए भूस्खलन की चपेट में आने से तीन श्रद्धालुओं की मौत हो गई और आठ अन्य घायल हो गए। मरने वालों में महाराष्ट्र के दो श्रद्धालु शामिल हैं। रुद्रप्रयाग के जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी नंदन सिंह रजवार ने बताया कि हादसा सुबह करीब साढ़े सात बजे गौरीकुंड-केदारनाथ पैदल मार्ग पर गौरीकुंड से तीन किलोमीटर आगे चीड़वासा के पास हुआ, जहां पहाड़ी से अचानक आए मलबे और भारी पत्थरों की चपेट में वहां से गुजर रहे श्रद्धालु आ गए। नंदन सिंह रजवार के अनुसार, घटना की सूचना मिलते ही पुलिस, राज्य आपदा प्रतिवादन बल (एसडीआरएफ) और आपदा प्रबंधन की टीमें मौके पर पहुंचीं तथा तलाश एवं बचाव अभियान शुरू किया। मलबे से अब तक तीन श्रद्धालुओं के शव बरामद किए जा चुके हैं, जबकि आठ लोगों को घायल अवस्था में निकालकर तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया है। तलाश अभियान अभी जारी है। ये श्रद्धालु केदारनाथ धाम के दर्शन के लिए जा रहे थे और सुबह गौरीकुंड से पैदल चले थे। मृतकों की पहचान नागपुर (महाराष्ट्र) निवासी किशोर अरुण पराटे (31 साल), जालना (महाराष्ट्र) निवासी सुनील महादेव काले (24 साल) और तिलवाड़ा (रुद्रप्रयाग) के रहने वाले अनुराग बिष्ट के रूप में की गई है। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने एक पोस्ट में मुख्यमंत्री ने घटना को दुखद बताते हुए ईश्वर से दिवंगतों की आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान देने एवं शोकसंतप्त परिजनों को यह दुख सहने की शक्ति देने की प्रार्थना की।

केरल में निपाह वायरस से एक किशोर की मौत

पायनियर समाचार सेवा। तिरुवनंतपुरम/नई दिल्ली

केरल में मलाप्पुरम जिले के 14 वर्षीय एक लड़के की निपाह वायरस से संक्रमित होने के बाद मौत हो गई है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के राष्ट्रीय एक स्वास्थ्य मिशन की ओर से राज्य की सहायता के लिए एक बहु-सदस्यीय संयुक्त प्रकोप प्रतिक्रिया दल को मामले की जांच करने, महामारी विज्ञान संबंधों की पहचान करने और तकनीकी सहायता प्रदान करने के लिए तैनात किया जाएगा। लड़के में एक्यूट एन्सेफलाइटिस सिंड्रोम (एईएस) के लक्षण दिखे थे, उसे शुरू में पेरिंथलमन्ना में एक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया था और बाद में उसे कोझिकोड के एक बेहतर स्वास्थ्य केंद्र में स्थानांतरित कर दिया गया था। हालांकि, बाद में मरीज ने इस बीमारी से दम तोड़ दिया। वह शुक्रवार से वेंटिलेटर पर है। इसके बाद पुणे में नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ वायरोलॉजी (एनआईवी) द्वारा किए गए परीक्षण में निपाह वायरस के संक्रमण की पुष्टि हुई।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की टीम महामारी विज्ञान संबंधों की पहचान करेगी और राज्य को तकनीकी सहायता प्रदान करेगी। केंद्र ने राज्य से लड़के के परिवार, पड़ोसी क्षेत्रों और समान स्थलाकृति वाले क्षेत्रों में निपाह वायरस के मामलों की सक्रिय खोज करने की सलाह दी है। रविवार को एक बयान में, मंत्रालय ने कहा कि जिले के लड़के में तीव्र इंसेफेलाइटिस सिंड्रोम दिखाई दिया और कोझीकोड के एक उच्च स्वास्थ्य केंद्र में स्थानांतरित होने से पहले उसे पेरिंथलमन्ना में एक स्वास्थ्य सुविधा में भर्ती कराया गया था। उसने कहा कि बीमारी के कारण उसकी मृत्यु हो गई और नमूने पुणे स्थित राष्ट्रीय विषाणु विज्ञान संस्थान भेजे गए, जहां निपाह वायरस के संक्रमण की पुष्टि हुई। राज्य की स्वास्थ्य मंत्री वीना जॉर्ज ने कहा कि पांडिक्कड़ के इस लड़के को रविवार सुबह 10.50 बजे दिल का दौरा पड़ा और उसे बचाने के प्रयास विफल रहे। जॉर्ज ने कहा, वह वेंटिलेटर सपोर्ट पर था। रविवार सुबह पेशाब कम हो गया था। दिल का दौरा पड़ने के बाद उसे बचाने के प्रयास विफल रहे और सुबह 11.30 बजे उसकी मौत हो गई। मंत्री ने कहा कि उसका अंतिम संस्कार अंतरराष्ट्रीय प्रोटोकॉल के अनुसार किया जाएगा। जॉर्ज ने कहा, अंतिम संस्कार के बारे में आगे की बातें तभी तय की जाएंगी, जब जिला कलेक्टर लड़के के माता-पिता और परिवार के साथ चर्चा करेंगे। केरल में वर्ष 2018 से निपाह के कई मामले सामने आए हैं, जब 18 संक्रमित व्यक्तियों में से 17 की मौत हो गई थी, जबकि वर्ष 2021 में एक और वर्ष 2023 में दो मौतें हुई थीं। रविवार को 14 वर्षीय बच्चे की मौत के साथ, 2018 से केरल में निपाह के कारण होने वाली कुल मौतों की संख्या 21 हो गई है। लड़के की मौत के बाद, केरल सरकार को पिछले 12 दिनों में लड़के के सभी संपर्कों का पता लगाने के लिए भी कहा गया है। संपर्कों को सख्त संगरोध और (शेष पेज 9)

राष्ट्रपति पद का चुनाव नहीं लड़ेंगे बाइडन

वाशिंगटन (भाषा)। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने रविवार को घोषणा की है कि वह राष्ट्रपति पद का आगामी चुनाव नहीं लड़ेंगे। बाइडन ने कहा कि यह मेरी पार्टी और देश के सर्वोत्तम हित में है। बाइडन (81) का यह निर्णय अमेरिका में पांच नवंबर को होने वाले मतदान से चार महीने पहले आया है। जून के अंत में अपने रिपब्लिकन प्रतिद्वंद्वी डोनाल्ड ट्रंप से बहस में खराब प्रदर्शन के बाद डेमोक्रेटिक पार्टी के नेता पिछले कई हफ्तों से बाइडन पर मुकाबले से हटने का दबाव बना रहे थे।

नई दिल्ली के भारत मंडपम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी विश्व धरोहर समिति के 46वें सत्र के उद्घाटन के दौरान प्रदर्शनी देखते हुए।

बढ़ती कीमतों से रसोई से दूर हुईं सब्जियां

सौम्या शुक्ला। नई दिल्ली

रसोई की रौनक और भोजन की जान कही जाने वाली सब्जियां अपनी बढ़ती कीमतों के साथ ही गृहणियों, रेस्तरां मालिकों और मध्यम वर्ग के लोगों का आंखें दिखाने के साथ उनकी पहुंच से दूर होती जा रही है। सब्जियों के दाम में लगी आग से प्रभावित दिल्ली में रहने वाले राजस्थान के 24 वर्षीय मीडिया पेशेवर उत्कर्ष गठानी कहते हैं कि सब्जियों के बढ़े दाम को देखकर फिल्म '3 इडियट्स' का मशहूर डायलॉग की याद आ रहा है। जिसमें नायक कहता है 'पनीर तो कुछ दिनों में थैलियों में सोनार की दुकान में मिलेगा', और मुझे लगता है कि इसका इस्तेमाल प्याज और टमाटर के लिए भी किया जा सकता है। उत्कर्ष को व्यस्तता के बावजूद खाना बनाना पसंद है। हालांकि, कीमतों में उछाल के साथ, उन्होंने टमाटर की जगह पैकेट का टोमैटो प्यूरी का इस्तेमाल करना शुरू कर दिया है और उन्हें खरीदने के बजाय अदरक-लहसुन के पेस्ट का इस्तेमाल करना शुरू कर दिया है। उनका कहना है कि हालांकि इससे बिल्कुल वैसा स्वाद नहीं मिलता, लेकिन लोगों को अपनी कमाई से काम चलाना पड़ता है। उन्होंने कहा, सच कहा जाए तो, ज़रूरी सब्जियों की बढ़ती कीमतों ने मेरे लिए घर का बजट संभालना मुश्किल कर दिया है। यहां तक कि जब मैं बिग बास्केट और स्विगी इंस्टामार्ट जैसे डिलीवरी ऐप से ऑर्डर करता हूं, तो भी कीमत पहले से कहीं ज़्यादा होती है। बुनियादी किराना सामान खरीदना रोज़ाना की जद्दोजहद है। इसलिए, मैंने सस्ते विकल्पों के साथ सामान खरीदना शुरू कर दिया है।

दिल्ली में सब्जियों की कीमतें

- आलू -40 से 60 रुपए किलो
- प्याज -50 से 80 रुपए किलो
- टमाटर-50 से 80 रुपए किलो
- भिंडी-100 रुपए किलो

हरी सब्जियां 60 से 100 रुपए किलो

इस्तेमाल प्याज और टमाटर के लिए भी किया जा सकता है। उत्कर्ष को व्यस्तता के बावजूद खाना बनाना पसंद है। हालांकि, कीमतों में उछाल के साथ, उन्होंने टमाटर की जगह पैकेट का टोमैटो प्यूरी का इस्तेमाल करना शुरू कर दिया है और उन्हें खरीदने के बजाय

यह सिर्फ़ उनकी कहानी नहीं है और न ही उनके सामाजिक-आर्थिक स्तर की। पिछले एक माह में कई सब्जियों की कीमत दोगुनी से ज़्यादा होने के कारण, सब्जियों के बैग हल्के और दिल भारी होकर घर लौट रहे हैं। बारिश में देरी के कारण राज्यों में फसल को नुकसान होना सब्जियों की आसमान छूती कीमतों का एक कारण है, जिसमें लौकी, (शेष पेज 9)

इतनी खूबसूरत भी नहीं है सोशल मीडिया की कहानी, छाने की चाहत बन रही जानलेवा

अभि सिंघल। नई दिल्ली

अचानक से प्रसिद्धि की चाहत और सोशल मीडिया पर छा जाने और वायरल कंटेंट देने की होड़ का अंजाम हर किसी के लिए सुखद नहीं है। कई बार यह अप्रत्याशित परिस्थितियों और हादसे का कारण भी बन जाता है। इसका ताजा शिकार मध्य प्रदेश के मुरैना जिले का 11 वर्षीय बालक है जिसकी रविवार को सोशल मीडिया के लिए प्रैंक रील शूट करते समय अपने गले में फंदा बांधने के बाद मौत हो गई। अपने घर के पास खाली प्लॉट पर कक्षा 7 का छात्र करण परमार उस समय अन्य बच्चों के साथ खेल रहा था। घटनास्थल पर एक लड़के द्वारा शूट किए गए कथित वीडियो में, करण के गले में पेड़ से फंदा बंधा हुआ है, और वह ऐसा अभिनय कर रहा है जैसे उसे दर्द हो रहा हो, जबकि उसके आसपास के अन्य लोग खेलना जारी रखते हैं। पुलिस के अनुसार, अन्य बच्चों को लगा कि लड़का अभिनय कर रहा है, लेकिन वह जल्द ही बेहोश हो गया।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म का निर्माण हल्के फुल्के क्षणों और रचनात्मक बदलाव के लिए बनाया गया था, लेकिन आज यह कई लोगों के लिए बुरा सपना बन गया है। टिकटॉक के बैन होने के बाद, 2020 में इंस्टाग्राम रील्स (शॉर्ट वीडियो फॉर्मेट) ने सोशल मीडिया की दुनिया में शानदार शुरुआत की, और किसी को भी नहीं पता था कि वे अलग

दिखने और पहचाने जाने की आकांक्षा में उपयोगकर्ताओं और सपने देखने वालों के रिकॉर्ड तोड़ देंगे। पिछले कुछ सालों में सोशल मीडिया बहुत ज़्यादा सोशल हो गया है और इसने कई उपयोगकर्ताओं को 'सोशल मीडिया इन्फ़्लुएंसर' की उपाधि प्राप्त करने में मदद की है। सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म मुख्य रूप से फेसबुक, इंस्टाग्राम और यूट्यूब के बदलते स्वरूप ने प्रसिद्धि के परिदृश्य को बदल दिया है, जिससे ऐसे इन्फ़्लुएंसर अलग-अलग तरह के कंटेंट बनाने के लिए मजबूर हो गए हैं, हर किसी में लोकप्रियता और चमकने के लिए जान जोखिम में डालने की हद तक भी, जहां हर कोई चमकना चाहता है।

सोशल मीडिया पर छा जाने की चाहत में कई इन्फ़्लुएंसर आलोचना और असफलता का सामना करते हैं, जबकि कुछ अलग कंटेंट बनाने के लिए अपनी जान जोखिम में डालकर भी बहुत आगे निकल जाते हैं। प्रसिद्धि पाने के लिए इन सीमाओं को पार करने से कंटेंट को फिल्माने के दौरान इन्फ़्लुएंसर के साथ होने वाली दुर्घटनाओं में बढ़ोतरी हुई है। सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म ने सुरक्षा की कीमत पर लाइक, व्यू और शेयर का वादा किया है। हाल ही में एक ऐसा मामला सामने आया है जिसमें 26 वर्षीय ट्रैवल इन्फ़्लुएंसर आनवी कामदार को इंस्टाग्राम पर 2,80,000 से अधिक फॉलोअर्स और यूट्यूब पर 833 सब्सक्राइबर मिले। वे इंस्टाग्राम रील बनाते समय महाराष्ट्र के कुंभे झरने में 300 फीट नीचे गिर गईं। यूट्यूब पर प्रसिद्ध एक अन्य इन्फ़्लुएंसर अगस्त्य चौहान को प्रो राइडर 1000 के नाम से जाना जाता है, जिसके 2 मिलियन से अधिक सब्सक्राइबर हैं। 3 मई, 2023 को उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ में यमुना एक्सप्रेसवे पर एक सड़क दुर्घटना में उनकी मृत्यु हो गई। वे मोटरसाइकिल के शौकीन थे और उसी पर वीडियो बनाते थे। वे कावासाकी निंजा जेडएक्स 10आर बाइक चला रहे थे और 300 किमी/घंटा की गति से आगे निकलने की कोशिश कर रहे थे। ये उन कई घटनाओं में से कुछ हैं, जहां इन्फ़्लुएंसर डिजिटल प्रसिद्धि की तलाश में घातक परिणामों का सामना करना पड़ता है। अनगिनत छोटे इन्फ़्लुएंसर इसी तरह के खतरों का सामना करते हैं, अक्सर सुर्खियों में आए बिना। यूट्यूब पर 60,000 से अधिक सब्सक्राइबर वाली सोशल मीडिया इन्फ़्लुएंसर मनमीत कौर ने कहा, कंटेंट क्रिएटर के तौर पर, अपने दर्शकों को उच्च-गुणवत्ता वाली सामग्री प्रदान करना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। लेकिन मुझे लगता है कि यह सुनिश्चित करना भी उतना ही महत्वपूर्ण है (शेष पेज 9)

लोक व राष्ट्र कल्याण से जुड़ी है भारत की ऋषि परंपराः योगी

● गोरखनाथ मंदिर में आयोजित श्रीरामकथा के विश्राम और गुरु पूर्णिमा महोत्सव में बोले मुख्यमंत्री एवं गोरक्षपीठाधीश्वर

लखनऊ/गोरखपुर। गोरक्षपीठाधीश्वर एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि भारत की सनातन ऋषि परंपरा व गुरु परंपरा लोक और राष्ट्र कल्याण की परंपरा है। यह परंपरा हमें इस बात के लिए प्रेरित करती है कि हमारे जीवन का एक-एक कर्म, एक-एक क्षण सनातन के लिए, समाज के लिए, राष्ट्र के लिए समर्पित होना चाहिए। ऐसा करके ही हम गुरु परंपरा के प्रति कृतज्ञता व्यक्त कर सकते हैं। गोरक्षपीठ भी उसी गुरु परंपरा की पीठ है जो अहर्निश लोक कल्याण और राष्ट्र कल्याण के लिए कार्य कर रही है। सीएम योगी रविवार को गुरु पूर्णिमा के पावन पर्व पर गोरखनाथ मंदिर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन में विगत 15 जुलाई से चल रही श्रीरामकथा के विश्राम सत्र और गुरु पूर्णिमा महोत्सव को संबोधित कर रहे थे। गोरक्षपीठ के ब्रह्मलीन महंतद्वय दिग्विजयनाथ जी महाराज एवं महंत अवेद्यनाथ जी महाराज के चित्र पर पुष्पार्चन करने तथा व्यासपीठ का पूजन करने के उपरांत मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सनातन संस्कृति में ऋषि के साथ गोत्र की परंपरा भी साथ में चलती है। जब गोत्र की बात होती है तो जाति भेद समाप्त हो जाता है। हर गोत्र किसी न किसी ऋषि से जुड़ी है और ऋषि परंपरा जाति, छुआछूत या अस्पृश्यता का भेदभाव नहीं रखती है। एक ऋषि के गोत्र को कई जातियों के लोग अनुसरित करते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि भारतीय संस्कृति दुनिया में सर्वाधिक और समृद्ध और प्राचीन है और सनातन पर्व-त्योहार इसके उदाहरण हैं। ये पर्व-त्योहार भारत को और सनातन धर्मावलंबियों को इतिहास की किसी न किसी कड़ी से जोड़ते हैं।

सीएम योगी ने कहा कि गुरु पूर्णिमा को व्यास पूर्णिमा भी कहा जाता है। यह महर्षि कृष्ण द्वैपायन व्यास की जयंती है जिनकी कृपा से वैदिक साहित्य प्राप्त हुए हैं। जिन्होंने वेदों, पुराणों और अनेक महत्वपूर्ण शास्त्रों को उपलब्ध कराया है। उन्होंने कहा कि 5000 वर्ष पहले महर्षि व्यास इस धराधाम पर थे। उस कालखंड में उन्होंने कई पीढ़ियों का प्रतिनिधित्व किया। अनेक ग्रंथों की रचना कर उसे वर्तमान पीढ़ी के मार्गदर्शन के लिए भी अनुकूल बना दिया। भारत के अलावा 5000 वर्ष का इतिहास दुनिया में किसी के पास नहीं है। वर्तमान समय द्वापर और कलयुग का संधिकाल है। महाभारत के युद्ध के बाद महर्षि वेदव्यास ने श्रीमद्भागवत पुराण रचा जो मुक्ति और मोक्ष के मार्ग पर चलने को प्रेरित करने वाला पवित्र ग्रंथ है।

गोरक्षपीठाधीश्वर सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि माता-पिता पहले गुरु हैं। इसके बाद स्कूली शिक्षक, पुरोहित-कुलगुरु, बड़ा भाई, और ऋषि-संतों की परंपरा, गोत्रों की परंपरा भी गुरु परंपरा में सम्मिलित होती है। गुरु परंपरा का उद्देश्य मनुष्य को अच्छे मार्ग पर अग्रसर करना है। माता-पिता, बड़ा भाई, पुरोहित-कुलगुरु, संत, ऋषि इसी उद्देश्यपरक कार्य के हितैषी होते हैं। उन्होंने कहा कि हम जैसा कार्य करेंगे, परिणाम भी उसी के अनुरूप मिलेगा। अच्छा कार्य करेंगे तो अच्छा फल मिलेगा और गलत काम करेंगे तो उसका फल भी हमें ही भुगतना होगा।

इस संबंध में उन्होंने महर्षि वाल्मीकि के संत बनने से पूर्व के जीवन की कथा भी सुनाई और संदेश दिया कि कोई भी गलत काम में हासिल होने वाले पाप में भागीदारी नहीं बनना चाहता है। सीएम योगी ने कहा कि भगवान श्रीराम ने जीवन में मर्यादा को महत्व दिया। हर कार्य की लक्ष्मण रेखा तय की, संबंधों को मर्यादित तरीके से जीना सिखाया। इसी तरह भगवान श्रीकृष्ण ने कर्म की प्रेरणा दी। आज अधिकतर लोग कम कर्म के बदले अधिक हाईलाइट होने के प्रयास में रहते हैं। जबकि भगवान श्रीकृष्ण ने निष्काम कर्म की प्रेरणा दी है। यानी कर्म करो, फल की चिंता मत करो। हमारे शास्त्र और गुरु परंपरा में भी कहा गया है- अवश्यमेव भोक्तव्यं कृतं कर्म शुभाशुभम्। अर्थात जैसा कर्म करेंगे, उसके अनुरूप फल से वंचित नहीं रहेंगे। जो करेंगे, उसके अनुरूप परिणाम अवश्य भोगना पड़ेगा।

सीएम योगी ने कहा कि सच्चा गुरु वही है, जो सही मार्ग पर चलने को प्रेरित करे। हमारे जीवन में महत्व धन-धान्य का नहीं है बल्कि सद पुरुषार्थ से हासिल उस समृद्धि से है जो लोक कल्याण के कार्य आ सके। यदि हम गलत तरीके से समृद्धि अर्जित करेंगे तो पाप कृत्य के भागी होंगे। जबकि यदि हम वंचितों पर उपकार करेंगे, जीवमात्र के प्रति दया का भाव रखेंगे तो उसका पुण्य लाभ अवश्य प्राप्त होगा। गुरु का कार्य सही और गलत में अंतर बताकर सही मार्ग दिखाने का होता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि मान्यता है कि मनुष्य इस सृष्टि की सर्वश्रेष्ठ कृति है। इस मान्यता को अपने कार्यों से साबित करने का दायित्व भी मनुष्य का ही है। हमारे शास्त्र और हमारी ऋषि परंपरा इसी दायित्व का बोध कराने वाली है। ऋषि परंपरा और अवतारी विभूतियों के मार्ग का अनुसरण करते हुए हमें ऐसा कार्य करना चाहिए जो समाज, राष्ट्र और धर्म के अनुकूल हो। ऐसा कार्य खुद व परिवार के अनुकूल आप ही हो जाता है।

गुरु पूर्णिमा के उपलक्ष्य में 15 जुलाई से चल रही श्रीरामकथा का विश्राम व्यासपीठ पर विराजमान श्रीरामचरितमानस ग्रंथ की आरती के साथ हुई। सबसे पहले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आरती उतारी। इस अवसर पर उन्होंने कथाव्यास बाबा बालकदास के प्रति आभार भी व्यक्त किया और कहा कि हर व्यक्ति को कुछ समय ऐसी कथाओं के श्रवण के लिए जरूर निकालना चाहिए। कार्यक्रम में गोरखनाथ मंदिर के प्रधान पुजारी योगी कमलनाथ, देवीपाटन शक्तिपीठ के महंत मिथिलेशनाथ, महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के अध्यक्ष प्रो. यूपी सिंह, कालीबाड़ी के महंत रविंद्रदास, श्रीरामजानकी हनुमान मंदिर के महंत रामदास समेत कई जनप्रतिनिधि, शिक्षाविद, प्रबुद्धजन व बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की सहभागिता रही। श्रीरामकथा के विश्राम और गुरु पूर्णिमा महोत्सव के अवसर पर गोरखनाथ मंदिर परिसर के चार स्थानों महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के सामने, साधना भवन, मंदिर के मुख्य भंडारा भवन और प्रथम तल पर भंडारा का आयोजन किया गया। इन सभी स्थानों पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया।

ड्रोन के जरिए रिहंद डैम की मैपिंग व आइडेंटिफिकेशन सर्वे कराएगी सरकार

● उप्र जल विद्युत निगम लि. ने शुरू की प्रक्रिया

● निर्धारित एजेंसी द्वारा 3 महीने में रिहंद डैम के अपस्ट्रीम सर्फेस को पूरी तरीके से किया जाएगा मैप

लखनऊ। उत्तर प्रदेश को उत्तम प्रदेश बनाने की दिशा में प्रयासरत योगी सरकार जल्द ही सोनभद्र के पिपरी स्थित रिहंद डैम की क्रैक्स मैपिंग व आइडेंटिफिकेशन सर्वे कराने जा रही है। बांध के अबव वॉटर व अंडर वॉटर क्रैक्स के आंकलन और चिन्हांकन की प्रक्रिया को रिमोटली ऑपरेटेड व्हीकल (आरएवी) व ड्रोन (अंडर वॉटर यूएवी) के जरिए पूरा किया जाएगा। उत्तर प्रदेश राज्य विद्युत उत्पादन लिमिटेड के अंतर्गत उत्तर प्रदेश जल विद्युत निगम लिमिटेड द्वारा एजेंसी निर्धारण की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। उल्लेखनीय है कि इस पूरी प्रक्रिया द्वारा रिवर बेड के 35 हजीर स्क्वेयर मीटर की वीडियोग्राफी कराई जाएगी और 2डी व 3डी डाटा कैप्चरिंग तकनीक के जरिए आंकड़ों का संकलन किया जाएगा। अपस्ट्रीम सर्फेस को मैप करने की प्रक्रिया पूरी की जाएगी और इसी के आधार पर डैम की स्थिति को लेकर एक डीटेल्ड प्रोजेक्ट रिपोर्ट तैयार की जाएगी। इस पूरी प्रक्रिया को एजेंसी निर्धारण व कार्यावंटन के उपरांत 3 महीने की समयावधि में पूरा किया जाएगा तथा इस मद में 76.50 लाख रुपए का व्यय किया जाएगा।

अपनी अनुपम प्राकृतिक सौंदर्य के लिए न केवल उप्र बल्कि बिहार व मध्य प्रदेश के पर्यटकों में प्रसिद्ध रिहंद डैम में क्रैक्स आइडेंटिफिकेशन की प्रक्रिया पूरी करने के लिए जिस आधुनिक तकनीक का इस्तेमाल होगा उसे स्टेट ऑफ द आर्ट फैसिलिटी की संज्ञा दी जाती है। रिहंद बांध की अपस्ट्रीम दीवार पर पानी के ऊपर और पानी के नीचे वीडियोग्राफी आयोजित कर इसके माप (लंबाई, चौड़ाई और गहराई), निर्माण सामग्री के नुकसान और गिरावट जैसे मानकों की पहचान की जा सके। निरीक्षण किया जाने वाला क्षेत्र जलाशय तल तक पानी के स्तर से नीचे (लगभग 35,000 वर्ग मीटर क्षेत्र) और पानी के ऊपर (लगभग 10,000 वर्ग मीटर क्षेत्र) है। यह निरीक्षण कार्य आरओवी (रिमोटली ऑपरेटेड व्हीकल) का उपयोग करके किया जाएगा, जिसमें डाटा कैप्चरिंग उपकरण, कम रोशनी वाले एचडी कैमरे, डेप्थ सेंसर, अल्टीमीटर, पानी के अंदर के लिए लेजर और यूएवी (मानव रहित हवाई वाहन) के 2डी, 3डी डाटा कैप्चरिंग की जाएगी।

सर्वे द्वारा जुटाए गए डाटा में से सॉफ्टवेयर का उपयोग करके दोषों को चिह्नित किया जाएगा और दोषों के विवरण को निर्धारित करने के लिए पानी के ऊपर के लिए माप की रिपोर्ट की जाएगी। बांध के मुख पर मार्किंग ग्रिड के संदर्भ में बांध के शीर्ष पर प्रत्येक फ्रेम और डिस्प्ले स्क्रीन की पोजिशनिंग/जियोटैगिंग की जाएगी। प्रभारी अभियंता (अधिशासी अभियंता रिहंद कॉलोनी सिविल अनुरक्षण प्रभाग पिपरी, सोनभद्र उ.प्र.) कार्य के निष्पादन के लिए नोडल प्राधिकारी होंगे और कॉन्ट्रैक्टर एजेंसी द्वारा की किए गए कार्यों के प्रत्येक चरण को प्रभारी अभियंता उत्तरदायित्व व निरीक्षण में पूरा किया जाएगा। निरीक्षण के बाद रॉ डाटा का विजुअल एनालिसिस प्रस्तुत किया जाएगा, जिसमें गहराई के अंकन के साथ प्रत्येक फ्रेम की जियो टैगिंग कर दरारों, गड्ढों, क्षति, निर्माण सामग्री की गिरावट आदि सहित किसी भी दृश्यमान चिंताजनक बिंदुओं की पहचान की जाएगी। इसके बाद डीडेल्ड प्रोजेक्ट रिपोर्ट बनाई जाएगी जिसे सॉफ्ट कॉपी के साथ ही पेन-ड्राइव में संसाधित एचडी वीडियो प्रस्तुत करने के साथ एजेंसी द्वारा उपलब्ध कराया जाएगा।

सीएम योगी ने किया गुरु गोरखनाथ का विशिष्ट पूजन

● मंदिर के शक्तिपीठ में किया रुद्राभिषेक

लखनऊ/गोरखपुर। गुरु पूर्णिमा के पावन पर्व पर रविवार को गोरक्षपीठाधीश्वर एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शिवावतार गुरु गोरक्षनाथ का नाथपंथ की परंपरा के अनुसार विशिष्ट पूजन किया। इस अवसर पर उन्होंने अपने गुरुदेव ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ, दादागुरु ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ समेत नाथपंथ के सभी गुरुजन का भी पूजन-अर्चन कर श्रद्धा निवेदित की और लोक कल्याण के पथ पर मार्गदर्शन के लिए उनके प्रति कृतज्ञता ज्ञापित की। साथ ही गुरु पूर्णिमा पर गुरुजन को समर्पित रुद्राभिषेक कर देवाधिदेव महादेव से लोकमंगल की प्रार्थना की और गोवंश की सेवा कर उन्हें गुड़ खिलाया। गोरखनाथ मंदिर में गुरु पूर्णिमा का विशेष अनुष्ठान तड़के ही प्रारंभ हो गया और सामूहिक आरती के साथ अनुष्ठान की पूर्णता हुई। गोरक्षपीठाधीश्वर एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सभी देशवासियों को गुरु पूर्णिमा की हार्दिक शुभकामनाएं भी दीं। यूं तो गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ जब भी गोरखनाथ मंदिर में होते हैं, गुरु गोरखनाथ जी तथा नाथपंथ के गुरुजन का दर्शन-पूजन उनकी दिनचर्या का हिस्सा होता है। पर, गुरु पूर्णिमा का अवसर गोरखनाथ मंदिर में विशिष्ट पूजा का होता है। रविवार को गोरक्षपीठाधीश्वर एवं सीएम योगी ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच महायोगी गोरखनाथ, मंदिर परिसर में मौजूद सभी देव विग्रहों और नाथपंथ के गुरुओं की प्रतिमाओं के समक्ष विधि विधान के साथ पूजन किया। आनुष्ठानिक कार्यक्रमों के क्रम में उन्होंने सबसे पहले नाथपंथ के आदिगुरु भगवान गोरखनाथ के दरबार में हाजिरी लगाई। वैदिक मंत्रोच्चार के बीच उनकी पूजा की। वह परिसर में मौजूद सभी देव-विग्रहों के पास पहुंचे और उनका पूजन किया। उसके बाद वह बारी-बारी से बाबा गंभीरनाथ, अपने दादागुरु ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ और गुरुदेव ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ समेत ब्रह्मलीन गुरुओं की समाधि पर गए। सभी का वैदिक मंत्रोच्चार के बीच पूजन कर आशीर्वाद लिया। गोरखनाथ मंदिर में नाथपंथ की विशिष्ट परंपरा के अनुसार मंदिर के प्रधान पुजारी योगी कमलनाथ ने गुरु गोरखनाथ को रोट का महाप्रसाद अर्पित किया। पूजा-अर्चना की आनुष्ठानिक प्रक्रिया सम्पन्न होने के बाद गुरु पूर्णिमा पर होने वाली परंपरागत सामूहिक महाआरती हुई तथा सभी गुरुओं के प्रति आस्था निवेदित की गई।

गोरखनाथ मंदिर में गुरु पूर्णिमा पर श्रद्धा और आस्था का उल्लास देखते ही बनता है। इस अवसर पर गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ द्वारा विशेष अनुष्ठान पूर्ण किए जाने के साथ गोरखनाथ मंदिर के प्रधान पुजारी योगी कमलनाथ, देवीपाटन शक्तिपीठ के महंत योगी मिथिलेशनाथ समेत सभी नाथ योगियों ने भी गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ को नाथपंथ की परंपरा के अनुसार उन्हें तिलक लगाया और उनका आशीर्वाद प्राप्त किया।

गुरु पूर्णिमा के पवित्र पर्व पर मुख्यमंत्री एवं गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ ने रविवार सुबह गोरखनाथ मंदिर की शक्तिपीठ में भगवान भोलेनाथ का विधि विधान से रुद्राभिषेक किया। रुद्राभिषेक पूर्ण होने पर उन्होंने देवाधिदेव महादेव शिव शंकर से चराचर जगत के कल्याण और सभी नागरिकों के सुखमय, समृद्धमय और शांतिमय जीवन की कामना की। गोरखनाथ मंदिर प्रवास के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ हमेशा की तरह मंदिर की गोशाला भी गए। यहां उन्होंने गोवंश को उनके नाम से पुकारा और उनके पास आने पर खूब दुलारा। अपने हाथों से उन्हें गुड़ खिलाया। योगी का दुलार पाकर गोवंश भाव विह्वल नजर आए। साथ ही सुबह मंदिर प्रांगण में टहलने के दौरान बच्चों को भी दुलार किया। सीएम ने बच्चों को चॉकलेट भी दिया और उनके माता-पिता का हाल चाल भी जाना।

छात्रावासों के कायाकल्प के लिए योगी सरकार ने जारी किया बजट

लखनऊ। छात्रावासों में छात्रों को बेहतर सुविधाएं मिलें और वो इसका लाभ उठाकर अपने करियर में मुकाम हासिल कर सकें, इसके लिए योगी सरकार ने महत्वपूर्ण कदम उठाया है। सीएम योगी के निर्देश पर समाज कल्याण विभाग की ओर से फतेहपुर में संचालित राजकीय कॉलेजों में अनुसूचित जाति छात्रावासों में सुविधाओं को और बेहतर करने के लिए विभाग ने 243.77 लाख रुपए जारी किया है। जारी धनराशि से छात्रावासों की सुविधाओं को और बेहतर किया जाएगा, ताकि वहां रहने वाले विद्यार्थियों को किसी तरह की दिक्कत का सामना न करना पड़े।

समाज कल्याण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) असीम अरुण ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में समाज कल्याण विभाग शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार के लिए लगातार प्रयासरत है ताकि समाज के अंतिम पायदान पर खड़े परिवार के बच्चों तक तकनीक आधारित आधुनिक शिक्षा का लाभ पहुंच सके। इसके लिए योग्य शिक्षकों की नियुक्ति के साथ छात्राओं को बेहतर सुविधाएं भी प्रदान की जा रही है। इसी क्रम में जनपद फतेहपुर में संचालित राजकीय अनुसूचित जाति बालिका छात्रावास, महिला डिग्री कालेज, फतेहपुर में छात्रावास मुख्य भवन के मरम्मत का कार्य, आन्तरिक जलमल कार्य, वाह्य जलमल कार्य, स्थल विकास, इलेक्ट्रिक कार्य, बोरिंग का कार्य, बाउंड्रीवाल गेट सहित, सीसी रोड़ एवं कैम्पस में लाइटिंग का कार्य कराने के लिए 124.41 लाख रुपए प्रदान किया गया है। इसी तरह राजकीय अनुसूचित जाति बालक छात्रावास खागा फतेहपुर में छात्रावास में मुख्य भवन के मरम्मत सहित विभिन्न कार्यों के लिए 119.36 लाख रुपए की वित्तीय स्वीकृति प्रदान कर दी गई है। इस प्रकार दोनों छात्रावासों के कायाकल्प के लिए कुल 243.77 लाख रुपए बजट उपलब्ध कराया गया है।

प्रदेश की जनता डायरिया व दूसरी संक्रामक बीमारियों की चपेट में:अखिलेश

लखनऊ। सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा है कि प्रदेश में कहीं भीषण गर्मी और कहीं जलभराव के चलते इन दिनों लोग डायरिया और दूसरी संक्रामक बीमारियों की चपेट में है। स्वास्थ्य विभाग की लचर व्यवस्था के चलते दवा-इलाज के अभाव में सैकड़ों लोगों की जिंदगी से खिलवाड़ हो रहा है। मासूम बच्चों तक को सरकार की संवेदनहीनता के कारण अपनी जान गंवानी पड़ रही है। मुख्यमंत्री सब कुछ ठीक है के दावे करने से नहीं चूकते है जबकि स्वास्थ्य मंत्री इन दिनों छींका टूटने के इंतजार में है।

अखिलेश ने कहा कि हमीरपुर के रजत कुमार को बीमार बेटे के इलाज के लिए जिला अस्पताल, कानपुर के हैलेट अस्पताल, लखनऊ के किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी एवं अस्पताल में भी वेंटिलेटर नहीं मिला। समय पर इलाज न मिलने से मासूम बेटे की सांसे थम गई। 10 घंटे में तीन बार उसको अलग-अलग अस्पतालों से रेफर किया गया।

यादव ने कहा कि राजधानी लखनऊ के अस्पतालों में इन दिनों डायरिया और बुखार के मरीजों की भीड़ है। ऐसी घटनाएं अब और जिलों में भी हो रही हैं। तमाम मरीज तड़पते रहते हैं। बड़े अस्पतालों के डाक्टर इलाज अपने जूनियरों के हवाले करके निश्चिंत हो जाते है। जिलों के अस्पतालों में तो बहुत कम डॉक्टर मिलते हैं। स्टाफ ही सबका इलाज कर देता है। ज्यादातर मरीजों का इलाज स्ट्रेचर पर ही हो रहा है। वहीं प्राइवेट अस्पतालों में मरीजों से पहले ही मोटी रकम ले ली जाती है। वहां इलाज कम शोषण ज्यादा होता है। अखिलेश ने कहा कि भाजपा सरकार में शायद बदले की भावना से समाजवादी सरकार के अच्छे कामों को बर्बाद करना ही अपना लक्ष्य मान रखा है। मरीज को समय से इलाज मिले, अस्पताल तक आने जाने में कोई तकलीफ न हो, इसके लिए

समाजवादी सरकार ने समाजवादी एम्बुलेंस सेवा 102 और 108 शुरू की थी। प्रसूताओं और नवजातों को अस्पताल और घर ले आने-जाने की सुविधा के लिए 102 एम्बूलेंस सेवा शुरू की गई थी। सड़क दुर्घटनाओं में गंभीर लोगों को तत्काल इलाज मिले इसके लिए 108 एम्बूलेंस सेवा शुरू की गई थी पर भाजपा सरकार में इन सभी स्वास्थ्य सेवाओं को चौपट कर दिया गया है। बलरामपुर के सीएमओ दफ्तर में ही एक दर्जन एम्बूलेंस खड़े-खड़े सड़ रही है। राजधानी लखनऊ में तत्काल एम्बुलेंस सेवा नाम की ही रह गई है।

यादव ने कहा कि भाजपा सरकार में जनहित की सभी योजनाओं को बर्बाद कर दिया गया है। स्थिति यह है कि सही समय पर मरीजों को न तो दवा मिल रही है और न ही एम्बुलेंस सेवा। भाजपा की डबल इंजन सरकार में विकास के नाम पर सिर्फ झूठे आंकड़े और वादे ही हो रहे हैं। भाजपा जनहित के कार्यों के बजाय जनविरोधी कार्यों में ज्यादा लिप्त रहती है। सश्रा में बने रहने के लिए ही भाजपा हमेशा षड़यंत्र और साजिश करती रहती है। समाज में नफरत फैलाकर समाज को बांटने पर ही ज्यादा जोर दिया जा रहा है। जनता की परेशानियों से भाजपा सरकार का कोई वास्ता नहीं है। अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा का जनसेवा से नहीं, सश्रा की मेवा बटोरने से ही मतलब है। भाजपा सरकार जनविरोधी नीतियों के चलते जनता ने केन्द्र की भाजपा सरकार को बैसाखी पर ला दिया है। होने वाले आगामी उपचुनाव और 2027 के विधानसभा चुनाव में जनता भाजपा का सूपड़ा साफ करने को तत्पर है।

अब जनता कांग्रेस की ओर आशा भरी निगाहों से देख रही है: अजय राय

● विस उपचुनाव से संबंधित जनपदों के जिला/शहर अध्यक्ष तथा प्रदेश पदाधिकारियों की बैठक आयोजित ● उपचुनाव 2027 में होने वाले विस चुनाव की पृष्ठभूमि को मजबूत करेगा

लखनऊ। प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय पर विधानसभा उपचुनाव से सम्बन्धित जनपदों के जिला/शहर अध्यक्ष तथा प्रदेश पदाधिकारियों की बैठक प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष पूर्व मंत्री अजय राय की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक का संचालन संगठन महासचिव अनिल यादव ने किया। बैठक में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष पूर्व मंत्री अजय राय ने उपस्थित पदाधिकारियों से प्रदेश की जिन विधानसभा सीटों पर उपचुनाव होना है, पदाधिकारियों से उन विधानसभाओं में संगठन को हर स्तर पर मजबूत बनाने एवं होने वाले चुनाव में कांग्रेस पार्टी का प्रदर्शन बेहतर हो इस पर उनसे सुझाव मांगे। बैठक में उपस्थित पदाधिकारियों ने अपने जिले की उपचुनाव से सम्बन्धित विधानसभा सीट वार रिपोर्ट दी तथा वहां इंडिया गठबंधन किस प्रकार से अपनी जीत सुनिश्चित कर सके इस पर अपने विचार और सुझाव भी प्रस्तुत किये। सभी के विचारों और सुझावों को सुनने के बाद प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष पूर्व मंत्री श्री अजय राय ने पदाधिकारियों के समक्ष अपनी बात रखने के पूर्व आज गुरू पूर्णिमा के अवसर पर मौजूद पदाधिकारियों को शुभकामनाएं देते हुए कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के जन्मदिन की बधाई दी। तदपश्चात राय ने कहा कि हमारे नेता श्री राहुल गांधी जी के नेतृत्व में चलाई गई भारत जोड़ो यात्रा एवं भारत जोड़ों न्याय यात्रा का प्रतिफल रहा कि देश की जनता सचेत हुई और लोकसभा चुनाव में भाजपा के 400 पार के नारे को विफल करने का काम किया। प्रदेश के छोटे-छोटे दलों का साथ मिला। मीडिया हमें कल तक महत्व नहीं दे रही थी वह भी आज कांग्रेस को तव्वजों देने लगी है। राय ने कहा कि प्रदेश की जनता ने भाजपा एवं बसपा को मौका देकर देख चुकी है और अब वह कांग्रेस की ओर आशा भरी निगाहों से देख रही है। हमें पूरी ताकत के साथ चुनाव में मेहनत करने की आवश्यकता है। यह उपचुनाव 2027 में होने वाले विधानसभा चुनाव की पृष्ठभूमि को मजबूत करेगा। बैठक में पूर्व मंत्री सदल प्रसाद प्रदेश कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष प्रभारी प्रशासन दिनेश सिंह, संगठन महासचिव अनिल यादव, प्रदेश उपाध्यक्ष विदित चौधरी, मनीष मिश्रा, आलोक प्रसाद, राहुल राय, प्रदेश महासचिव सुबोध शर्मा, कौशलेन्द्र यादव, योगेन्द्र मिश्रा, मनोज गौतम, अंशू तिवारी, प्रदेश सचिव विनीत पराशर वाल्मीकि, अशोक सैनी, बृजेन्द्र मिश्रा, अर्चना राठौर, मिथुन त्यागी, संत राम नीलांचल, जिला/शहर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष गण विनीत त्यागी, विजय चौधरी, ठा0 सोमवीर सिंह, सुरेश चंद्र यादव, अरूण कुमार तिवारी, प्रदीप मिश्रा, श्रीमती विनीता शाक्य, अजय दूबे, मौजूद रहे। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे जी के जन्मदिन मनाया गया इस अवसर पर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष पूर्व मंत्री अजय राय जी ने उपस्थित पदाधिकारियों के साथ केक काटकर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के दीर्घायु होने की कामना की।

सावन का पहला सोमवार आज

काशी विश्वनाथ मंदिर में योगी सरकार ने सुगम दर्शन के किए इंतजाम

● देर रात से ही बाबा के जलाभिषेक के लिए शिव भक्तों की कतार

लखनऊ/वाराणसी। भगवान शिव का अतिप्रिय श्रावण मास सोमवार से प्रारंभ हो रहा है। यह महादेव की आराधना का विशेष मास है। 22 जुलाई से 19 अगस्त तक श्रावण मास में पांच सोमवार पड़ रहे हैं। सावन में बाबा के जलाभिषेक के लिए बड़ी संख्या में दूर-दूर से कांवड़ लेकर श्रद्धालु आते हैं। योगी सरकार ने श्रावण में श्रद्धालुओं के लिए सुगम दर्शन, सुरक्षा और सुविधा का विशेष इंतज़ाम किया है। सोमवार को मैदागिन से गोदौलिया नो व्हीकल जोन रहेगा। दोनों स्थानों से वृद्ध व दिव्यांगजन को ई-रिक्शा से मंदिर तक पहुंचने की व्यवस्था की गई है। सड़कों पर भीड़ कम करने के लिए धाम तक बैरिकेड्स और जिग-जैग लगाया गया है। भक्तों की सुरक्षा तथा सुविधा के लिए सीसीटवी से निगरानी की जाएगी। धूप और बारिश से बचाने के लिए भी इंतज़ाम किया गया है।। इस वर्ष पहली बार सिल्को द्वार से भी प्रवेश की व्यवस्था की गई है। प्रयागराज से वाराणसी राष्ट्रीय राजमार्ग पर कांवड़ियों के लिए एक लेन सुरक्षित किया गया है। सोमवार को दैनिक पास निरस्त और बाबा के स्पर्श दर्शन पर रोक रहेगा।

बाबा विश्वनाथ के दर्शन के लिए कांवड़ियों का काशी में आना प्रारंभ हो गया। देर रात से ही बाबा के जलाभिषेक के लिए शिव भक्तों की कतार दिखने लगी। योगी सरकार ने महादेव के भक्तों के लिए सुरक्षा समेत सभी इंतज़ाम कर रखा है। काशी विश्वनाथ मंदिर न्यास के मुख्य कार्यपालक अधिकारी विश्व भूषण मिश्र ने बताया कि मंदिर और जिला प्रशासन ने सावन में दर्शनार्थियों की सुविधा और सुगम दर्शन के लिए पूरी तैयारी कर ली है। उन्होंने बताया कि श्रावण मास के प्रत्येक सोमवार को

गोदौलिया से मैदागिन नो व्हीकल ज़ोन रहेगा। मंदिर प्रशासन द्वारा गोदौलिया तथा मैदागिन दोनों ओर से गेट नंबर 4 तक धाम में दर्शन के लिए आने वाले वीआईपी, वृद्ध, दिव्यांगजन, अशक्त दर्शनार्थियों के लिए निःशुल्क ई-रिक्शा व गोल्फ़ कार्ट का संचालन किया जाएगा। संपूर्ण धाम क्षेत्र को सीसीटीवी कैमरे से लैस करते हुए कंट्रोल रूम स्थापित किया गया है। श्रद्धालुओं समेत सभी व्यवस्थाओं पर बारीकी से नजर रखी जाएगी। सड़क पर भीड़ को कम करते हुए धाम के अंदर बैरिकेड्स को जिग-जैग किया गया है। बारिश, धूप व गर्मी से बचाव के लिए अतिरिक्त शेड लगाया गया है। श्रद्धालुओं के लिए पानी और ओआरएस की व्यवस्था भी की गई है। गर्भगृह के दर्शन पूजन का सजीव प्रसारण किया जायेगा। छह जगह पर एलईडी लगाई गई है। भक्तों की सुविधा के लिए धाम में खोया पाया केंद्र बनाया गया है। बहुभाषी कर्मी ड्यूटी देंगे। आकस्मिक स्थिति से निपटने के लिए धाम में चिकित्सकीय कार्मिकों की ड्यूटी लगाई गई है। सोमवार को अत्यधिक भीड़ के कारण मंदिर परिसर में लॉकर की सुविधा नहीं मिलेगी। अपील की गई है कि दर्शन करने आएं तो बैग, मोबाइल, अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरण व प्रतिबंधित चीजों को लेकर कतई न आएं।

पायनियर वर्गीकृत

सूचना

मेरे हाई स्कूल व इंटर के सर्टिफिकेट में मेरी माता का नाम गल्ती से रकशांदा खालिद हो गया है। जबकि उनका सही नाम रकशांदा खातून है, जो उनके अन्य समस्त दस्तावेजों में भी अंकित है। शिफा खालिद पुत्री मोहमद खालिद, निवासी-122, इंसाफ नगर, पानी गांव, इंदिरा नगर, लखनऊ, उप्र-226016

सूचना

मेरे हाई स्कूल अंकपत्र में मेरा नाम गलती से यश वर्धन (YASH WARDHANA) हो गया हैए जबकि अन्य दस्तावेजों में यश वर्धन पाण्डेय (YASH WARDHAN PANDEY) अंकित है। भविष्य में मुझे यश वर्धन पाण्डेय (YASH WARDHAN PANDEY) के नाम से ही जाना व पहचाना जाये। यश वर्धन पाण्डेय पुत्र अजय प्रकाश पाण्डेय, निवासी-636/10, जय नगर, तकरोही, इंदिरा नगर, लखनऊ।

सावन पर मन्दिरों में आयी बहार

मच्छर जनित रोगों की रोकथाम पर मंडलायुक्त ने अधिकारियों को किया निर्देशित

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

मच्छरों से होने वाली बीमारियों पर मंडलायुक्त द्वारा अधिकारियों के साथ बैठक की गयी। बैठक के द ौरान मंडलायुक्त द्वारा डेंगू, टायफाईड की रोकथाम के निर्देश दिए गए। मंडलायुक्त द्वारा जीएम जलकल को निर्देश दिया कि वाटर लाइन के लीकेज की संबंधित द्वारा चेकिंग करा लिया जाए। य ही नहीं कहीं वाटर लाइन लीकेज है तो तत्काल मरम्मत कराने के लिए कहा गया है। साथ ही नगर निगम को साफ सफाई का विशेष ध्यान देने का आदेश दिया गया। रविवार को मंडलायुक्त डॉ रोशन जैकब की अध्यक्षता में वेक्टर बार्न डिजिजेस (संक्रामक बीमारियों) व जल जनित बीमारियों से बचाव के लिए महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन बटलर पैलेस कैम्प कार्यालय में की। उन्होंने संबंधित अधिकारीयों को निर्देश देते हुए कहा कि डेंगू, डायरिया, टाईफ इड आदि जनहित रोगों के रोकथाम के लिए नगर में साफ सफ ाई का विशेष ध्यान दिया जाए। बैठक के दौरान मंडलायुक्त ने कहा कि गली मोहल्ले में नियमित रूप से फॉगिंग, एंटीलार्वा का छिड़काव नियमित रूप से कराते रहे। फ्रि ज, कूलर, टायर व गमलों आदि विभिन्न स्थानों पर पानी एकत्रित व जमा रहने के कारण डेंगू का प्रकोप बढ़ता है। उन्होंने कहा कि संक्र ामक बीमारियों से बचाव के लिए नगर निगम और स्वास्थ्य विभाग (मलेरिया) की संयुक्त टीम बनाकर गली.मोहल्ले में जागरूकता अभियान चलाया जाना सुनिश्चित किया जाए। नाले-नालो की सफाई के दौरान ब्लीचिंग पाउडर का छिड़काव अवश्य करें। जीएम जलकल को निर्देश दिया कि वाटर लाइन के लीकेज की संबंधित द्वारा चेकिंग करा लिया जाए अगर कहीं वाटर लाइन लीकेज है तो तत्काल मरम्मत कराया जाए। जिससे सीवेज लाइन का पानी मिक्स ना होने पाए। पेयजल के सोर्स की वाटर टेस्टिंग भी कराया जाना सुनिश्चित किया जाए। इस अवसर पर नगर आयुक्त इंद्रजीत सिंह, अपर नगर आयुक्त ललित कुमार, मुख्य चिकित्सा अधिकारी मनोज अग्रवाल, बेसिक शिक्षा अधिकारी सहित संबंधित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

युद्ध स्तर पर नाले नालियों की साफ सफाई, फागिंग के निर्देश

मंडलायुक्त ने नगर निगम के अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि वाटर लॉगिग वाले एरिया में ड्रैनेज को चिन्हित करके तत्काल साफ सफ ाई कराये। उन्होंने कहा कि जलभराव एरिया में युद्ध स्तर पर नाले.नालियों की साफ सफाई करते हुए फागिंग, एंटीलार्वा का छिड़काव कराया जाए। घर-घर जाकर पम्पलेट बाटने के साथ ही लाउडस्पीकर से अलॉसमेन्ट करते हुए लोगो को जागरूक कराया जाना सुनिश्चित किया जाये। उन्होंने कहा कि नगर निगम द्वारा ड्रोन के माध्यम से स्प्रे कराया जाए। बैठक के दौरान मंडलायुक्त ने बेसिक शिक्षा अधिकारी को निर्देश देते हुए कहा कि स्कूलों व शौचालय की साफ सफाई नियमित रूप से कराते रहे साथ ही वॉटर टैंक की साफ सफाई ब्लीचिंग से कराए जाने को लेकर एडवाइजरी जारी किया जाये। स्कूलों के सामने कुछ दिनों के लिए वेंडिंग जोन न लगने दे।

डायरिया रोग से रोकथाम के लिए दिशा-निर्देश

- साफ एवं स्वच्छ बर्तन में उबालकर पानी एकत्र करें और इस बर्तन को ढककर रखें एवं इसी पानी का प्रयोग करें।
- अपने हाथों को बार.बार साबुन एवं पानी से धोयें। यदि पानी उपलब्ध न हो तो एल्कोहल युक्त सेनेटाइजर से हाथों को साफ करें।
- खूब पका हुए ताजे भोजन का प्रयोग करें। खुलें में बिक रही कच्ची सब्जियांए फ्लों एवं मांसाहारी भोजन के प्रयोग से बचे। आवश्यक हो तो स्वच्छ जल से कई बार धोकर ही इस्तेमाल करें।
- खुले में शौच से बचे। कूडें को नियमानुसार कूड़ेदान में डालें। समय.समय पर नालियों एवं कूडें के स्थलों के सफाई करें।
- यदि आप को डायरिया या दस्त की शिकायत होती है तो स्वयं उपचार न करेंए नजदीकी सरकारी चिकित्सालय में जाकर ही उपचार कराए।
- उथले हैण्ड पम्पों, कुए, तालाब एवं नहर के संदेहास्पद एवं संक्रमित पानी का प्रयोग न करें।
- नजदीक स्वास्थ्य इकाई ध् चिकित्सालयध्क्षेत्रीय आशा एवं एएनएम से क्लोरीन की गोली प्राप्त कर, 20 लीटर (01 बाल्टी) पानी में 1 क्लोरीन की गोली डालकर साफहुए पानी का ही सेवन 24 घण्टें तक करें।
- ठेले एवं खुले में पकाए जा रहे भोज्य पदार्थों के सेवन से बचें।

कल्ली पश्चिम में डायरिया का एक मरीज मिला, तीन डिस्चार्ज

लखनऊ। पिछले कुछ दिनों से कल्ली पश्चिम के गजवरियन खेडा में जारी उल्टी-दस्त की शिकायतें रूकने का नाम नहीं ले रही हैं। रविवार को इलाके में एक और मरीज मिला है, जिसे सामु.स्वा. केन्द्र मोहनलालगंज में भर्ती करा दिया गया। वहीं पूर्व में भर्ती मरीजों में तीन रोगियों को स्वस्थ होने पर डिस्चार्ज कर दिया गया है। सामु.स्वा.केन्द्र सरोजनीनगर, लखनऊ के चिकित्सीय दल द्वारा गजवरियन खेडा, कल्ली पश्चिम का भ्रमण किया गया। साथ ही गॉव के मजरे कल्ली पश्चिम, बाबूखेडा एवं अमोल में भी चिकित्सीय दल द्वारा सघन भ्रमण किया गया। उपरोक्त ग्रामों के क्षेत्रवासियों को ओआरएस पैकेट, क्लोरीन गोलियों का वितरण का वितरण किया गया तथा स्वास्थ्य शिक्षा प्रदान की गयी। क्षेत्र में ब्लीचिंग पाउडर का छिडकाव, नालियों की साफ-सफाई का कराया गया। क्षेत्र में मोबाइल शौचालय एवं एमएमयू की तैनाती थी। गजवरियन खेडा एवं कल्ली पश्चिम में 24 घंटे चिकित्सा व्यवस्था उपलब्ध कराने एवं सतत निगरानी रखने हेतु निर्देशित किया गया तथा जल कल विभाग को उक्त क्षेत्रों में शुद्ध पेयजल टैकरों की आपूर्ति हेतु निर्देशित किया गया।

एलयू में दाखिले को लेकर सीटों के सापेक्ष अधिक आवेदन

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

शैक्षणिक सत्र 2024-25 में स्नातक स्तर पर दाखिले को लेकर लखनऊ विश्वविद्यालय में चल रही प्रवेश प्रक्रिया के दौरान पिछले सत्र की अपेक्षा अधिक आवेदन भी हुए है। खासकर बीकॉम, एलएलबी पांच वर्षीय पाठ्यक्रम, बीए और बीबीए में प्रवेश के लिए छात्र-छात्राओं को कड़ी प्रतिस्पर्धा से गुजरना होगा। विवि की ओर से जारी डाटा के अगला मुताबिक पांच वर्षीय एलएलबी के बाद दूसरी पसंद बीसीए है। पांच वर्षीय एलएलबी में 1 सीट पर 44 अभ्यर्थियों की दावेदारी है। व बीसीए में 1 सीट पर 32 अभ्यर्थी दावेदार हैं। प्रतिस्पर्धा में बीकॉम ऑनर्स तीसरे नंबर पर है। बीकॉम ऑनर्स में 1 सीट के सापेक्ष 22 अभ्यर्थी दावेदार है। इसके अलावा डीफार्मा में 1 सीट पर 19 और शास्त्री में सीटों के सापेक्ष कम आवेदन आए हैं। शास्त्री में 25 सीट है। पर आवेदन 19 अभ्यर्थियों ने ही किया है। इसके अलावा पिछले सत्र में एलयू में संयुक्त प्रवेश प्रक्रिया के तहत 16 कोर्सों में अधिक आवेदन आए है। पिछले सत्र में 39039 आवेदन आए थे। इस बार 42575 आवेदन आए है। बीएससी बायो एनईपी में 16 अभ्यर्थियों की दावेदारी है।

देश की नामचीन आठ कंपनियां आज प्रदेश के युवाओं को देंगी रोजगार

- मिशन रोजगार के तहत राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान अलीगंज में आयोजित किया जा रहा रोजगार मेला
- सुबह 10 बजे से अभ्यर्थी बायोडाटा और सभी शैक्षिक प्रमाण पत्रों के साथ मेले में हो सकेंगे शामिल

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मिशन रोजगार के तहत प्रदेश के युवाओं को सरकारी नौकरी के साथ स्वरोजगार से जोड़ रहे हैं। ऐसे में प्रदेश भर में मिशन रोजगार के तहत समय-समय पर युवाओं को रोजगार दिलाने के लिए रोजगार मेले का आयोजन किया जा रहा है। इसी के तहत राजधानी लखनऊ स्थित राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान अलीगंज में सोमवार को रोजगार मेले का आयोजन किया जा रहा है। इसमें आठ कंपनियां भाग ले रहीं हैं, जो 857 पदों पर अभ्यर्थियों का चयन करेंगी। राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान के प्रधानाचार्य राज कुमार यादव ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मंशा के अनुरुप संस्थान के परिसर में समय-समय पर मिशन रोजगार के तहत रोजगार मेले का आयोजन किया जाता है। इसी के तहत सोमवार को संस्थान में रोजगार मेले का आयोजन किया जा रहा है। इसमें आठ कंपनियां द्वारा हाईस्कूल, इंटरमीडिएट, आईआईटी, डिप्लोमा या स्नातकधारक अभ्यर्थियों का चयन किया जाएगा। इन सभी अभ्यर्थियों की न्यूनतम आयु 18 वर्ष और अधिकतम आयु 40 वर्ष होनी चाहिये। कंपनियों द्वारा चयनित अभ्यर्थियों को 10 हजार से लेकर 22 हजार रुपये प्रति माह वेतन के साथ अन्य सुविधाएं दी जाएंगी।

मेले में महिला और पुरुष दोनों अभ्यर्थी ले सकते हैं भाग

ट्रेनिंग काउंसिलिंग एंड प्लेसमेंट ऑफिसर एमए खां ने बताया कि मेले में महिला और पुरुष दोनों अभ्यर्थी भाग ले सकते हैं। इसके लिए सभी अभ्यर्थियों को सुबह 10 बजे बायोडाटा और सभी शैक्षिक प्रमाण पत्रों के साथ राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान के प्लेसमेंट हॉल में उपस्थित होना होगा। रोजगार मेले में टाटा मोटर्स लिमिटेड, जय भारत मारुति लिमिटेड, श्री राम लाइफ इंश्योरेंस, बजाज आलियांज लाइफ इंश्योरेंस, भवानी ऑटो लिमिटेड, मिंडा कोसेई एल्युमिनियम लिमिटेड, वीजी ऑटो कंपोनेंट प्राइवेट लिमिटेड और सेंट गोविंद प्राइवेट लिमिटेड आदि कंपनियां प्रतिभाग करेंगी।

लोहिया संस्थान में चला वृक्षारोपण अभियान

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

गुरु पूर्णिमा पर डॉ राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान लखनऊ के एमबीबीएस छात्र-छात्राओं द्वारा निदेशक प्रो सी एम सिंह के नेतृत्व में पर्यावरण संरक्षण के लिए श्रावणी पर्व (रक्षाबंधन) तक वृहद वृक्षारोपण अभियान जारी रखने का निर्णय लिया गया। रविवार को प्रात: काल से पूर्वाह्न तक चले, लखनऊ में सरयू एनक्लेव स्थित संस्थान के छात्रावास के बाहर विस्तृत मैदान में वृक्षारोपण का दृश्य देखते ही बनता था। छात्रों की गुरु वंदना के साथ उनकी गुरुओं के साथ गुरु-दक्षिणा के तौर पर वृक्षारोपण अभियान भारतीय परंपरा की ओर ध्यान आकर्षित कर रहा था। छात्रों के साथ संस्थान के वरिष्ठ पदाधिकारीगण एवं संकाय सदस्यों में मुख्यत: निश्चेतना विभाग के विभागाध्यक्ष, डॉ प्रवीण दास, शल्य चिकित्सा के प्रोफेसर संजय भट्ट, हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉक्टर प्रभात कुमार, संस्थान के अधीक्षण अभियंता श्री उमेश चंद्र सिंह इत्यादि शामिल रहे। इस अवसर पर निदेशक प्रोफेसर सिंह ने पर्यावरण संरक्षण में वृक्षारोपण की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर देते हुए बताया कि इसके अंतर्गत प्रदेश की राजधानी के विभिन्न स्थानों पर तरु पुत्र - तरु मित्र बनाकर वृक्षों का रोपण किया जायेगा । इस वृहद वृक्षारोपण अभियान राष्ट्रीयता की भावना से स्वप्रेरित है। इसके अलावा आगामी समय में बीज आरोपण अभियान भी चलाया जाएगा। जिसके अंतर्गत दुर्गम स्थानों, वनों, टेकरियों पर, जहाँ पौधों के आरोपण की व्यवस्था न बन सके। वहाँ बीजों के आरोपण का क्रम कराना इत्यादि गतिविधियों को बल दिया जाएगा।-

केन्द्रीय संस्कृत विवि में प्रवेश आवेदन 31 तक

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय लखनऊ परिसर में प्रवेश हेतु आवेदन तिथि विस्तारित हो गयी है। अभ्यर्थी अब 31 जुलाई तक आवेदन कर सकते हैं। केन्द्रीय संस्कृत विवि लखनऊ परिसर के निदेशक प्रो. सर्वनारायण झा ने बताया कि सीयूईटी का फार्म न भर पाने वाले विवि में प्राक्शास्त्री(10+1), शास्त्री (स्नातक) के लिए निम्नलिखित विषयों- व्याकरण, व्याकरण प्रतिष्ठा न्याय, संस्कृत साहित्य, वेद, फलित ज्योतिष, सिद्धान्त ज्योतिष, बौद्धदर्शन, हिन्दी, अंग्रेजी, अर्थशास्त्र, राजनीतिशास्त्र, कम्प्यूटर, शारीरिक शिक्षा, योग, पर्यावरण तथा आचार्य (परास्नातक)- व्याकरण, संस्कृत साहित्य, वेद, फलित ज्योतिष, सिद्धान्त ज्योतिष, बौद्धदर्शन, एम.ए. पालि में प्रवेश के लिए परिसरीय प्रवेश-परीक्षा के माध्यम से सीधे प्रवेश पा सकते हैं।

अभियंताओं को पुरानी पेंशन योजना में शामिल करने की मांग

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

28 मार्च 2005 से पूर्व विज्ञापित रिक्तियो के अंतर्गत नियुक्त अभियंताओं को भी पुरानी पेंशन योजना में सम्मिलित किए जाने की मांग उर्जा निगम के अभियंताओं ने की है। रविवार को फील्ड हास्टल में हुई बैठक में अभियंता संघ के महासचिव इं जितेन्द्र सिंह गुर्जर ने बताया कि उत्तर प्रदेश शासन द्वारा 28 जून 2024 को शासनादेश के माध्यम से उन सभी कार्मिकों को पुरानी पेंशन योजना से आच्छादित किए जाने का विकल्प उपलब्ध करने हेतु निर्देशित किया गया है जिनकी रिक्तियां दिनांक 28 मार्च 2005 से पूर्व विज्ञापित की गई है उक्त शासनादेश से परिषदीय विद्यालयों/ शासन से सहायता प्राप्त शिक्षण संस्थाओं, राज्य सरकार द्वारा अनुदानित स्वायत्तशासी संस्थाओं के कार्मिकों को लाभ मिलेगा। उन्होंने आगे बताया कि समस्त ऊर्जा निगम प्रदेश की आवश्यक सेवाओं के अंतर्गत है अत: उक्त शासनादेश के अनुरूप समस्त ऊर्जा निगमों में 28 मार्च 2005 से पूर्व की जारी विज्ञापन के अंतर्गत नियुक्त समस्त अभियंताओं को भी पुरानी पेंशन योजना से आच्छादित कराए जाने के लिए मुख्यमंत्री से मांग की है। महासचिव ने आगे बताया कि प्रदेश के विद्युत अभियन्ता प्रदेश सरकार की मंशा अनुरूप प्रदेश की जनता को निर्बाध बिजली उपलब्ध कराने के लिए कृत संकल्पित है। अभी हाल में ही मुख्यमंत्री एवं ऊर्जा मंत्री के मार्गदर्शन में एवं शीर्ष ऊर्जा प्रबंधन के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश की जनता को रिकॉर्ड 30618 मेगावाट की विद्युत आपूर्ति कर नया कीर्तिमान स्थापित किया है साथ ही वर्ष 2023-24 रिकॉर्ड 70000 करोड़ से अधिक राजस्व वसूली की गई है। बैठक में अन्य वक्ताओं ने यह भी बताया कि इलेक्ट्रिसिटी एक्ट 2003 में कहीं भी उल्लेख नहीं है कि बिजली बोर्ड के विघटन के बाद भर्ती किए जाने वाले बिजली कर्मियों को पुरानी पेंशन नहीं दी जाएगी, हाल में ही राजस्थान, छत्तीसगढ़, झारखंड के ऊर्जा निगमों में कार्यरत सभी अभियंताओं एवं कर्मचारियों के लिए पुरानी पेंशन व्यवस्था लागू की गई है। आज की सभा में इं जितेंद्र सिंह गुर्जर, इं आलोक कुमार श्रीवास्तव, इं बीपी अग्रवाल, इं प्रवीण कुमार, इं संतोष कुमार, इं एमके गौतम, इं लेखराम वर्मा, इं अजय सिंह कटियार, इं बृजेश सिंह, इं संजय कुमार गुप्ता, इं पवन कुमार गुप्ता, इं विजय तिवारी समेत बड़ी संख्या में वरिष्ठ अभियंता एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे।

संस्कृत विवि में त्रिदिवसीय गुरुपूर्णिमा आरम्भ

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, लखनऊ परिसर में गुरु पूर्णिमा के अवसर पर गुरु पूजन, गुरु दक्षिणा और वेद पारायण के कार्यक्रम अनुष्ठित हुए। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. श्रीनिवास वरखेड़ी जी ने वर्चुअल माध्यम से छात्रों और शिक्षकों को सम्बोधित किया तथा गुरु पूर्णिमा के महत्व पर प्रकाश डाला। लखनऊ परिसर के निदेशक एवं वेद- वेदांग-वैदिक-विज्ञान विद्यास्थान के प्रमुख प्रो. सर्वनारायण झा ने गुरु के महत्व को दर्शाते हुए कहा कि गुरु मुख से विद्याध्ययन करने पर शिष्य यथाशीघ्र विद्वान् बनते हैं, लेकिन गुरु कृपा से विद्या फलवती होती है। अध्ययन के बल पर शिष्य विद्वान् होते हैं, लेकिन जिन शिष्यों के ऊपर गुरु कृपा रहती है। उनकी विद्या अधिक फलवती होती है, ऐसा देखा गया है। परिसर के शिष्यों ने गुरुजनों की अर्चना की और वेदपाठ किया। यह कार्यक्रम तीन दिन तक चलेगा।

योगी सरकार ने 1.87 लाख से अधिक मरीजों को दी 32.31 अरब की सहायता

- कभी किया जनता दर्शन तो कभी संवाद साध दूर की आमजन की परेशानियां

लखनऊ। मुख्यमंत्री बनने के बाद से योगी आदित्यनाथ का हर एक दिन प्रदेशवासियों के लिए समर्पित रहा। कभी उन्होंने जनता दर्शन किया तो कभी संवाद साधकर आमजन की परेशानियों को दूर किया। स्वस्थ उप्र उनकी पहली प्राथमिकता रही, इसलिए इलाज के लिए आए एक प्रार्थना पत्र पर सीएम योगी के निर्देश पर समुचित कार्रवाई की गई। इसके परिणामस्वरूप साढ़े सात वर्ष में 1.87 लाख से अधिक मरीजों को 32.31 अरब की आर्थिक सहायता दी गई यानी 2012 से 2017 की अपेक्षा पीड़ितों के इलाज के लिए कई गुना धनराशि आवंटित की गई। सीएम योगी ने जनता दर्शन-जनप्रतिनिधियों, जनता द्वारा भेजे गए प्रार्थना पत्र के आधार पर पीड़ितों के लिए आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई।

गोरखपुर के शिवम शुक्ला की आयु महज 29 वर्ष है। एक दिन अचानक माता-पिता को पता चला कि शिवम को किडनी की समस्या हो गई। उनका इलाज दिल्ली में होने लगा। अपने सामर्थ्य के अनुरूप माता-पिता ने इलाज शुरू कराया। धीरे-धीरे जब पैसे की जरूरत पड़ने लगी तो अपने विधायक से पत्र लिखवाया। यह पत्र मुख्यमंत्री कार्यालय पहुंचा तो कागजी कार्रवाई के तत्काल बाद शिवम के इलाज के लिए धनराशि दी गई। शिवम के भाई शशांक कहते हैं कि मुख्यमंत्री योगी के कार्यालय में निश्चित समयावधि के भीतर ही सारी प्रक्रियाएं कर इलाज के लिए पैसे आवंटित कर दिए गए। ईश्वर की कृपा से भाई अब शानदार व सरल जीवन व्यतीत कर रहा है। कप्तानगंज के नवनीत पांडेय को भी किडनी की बीमारी हुई। उनकी पत्नी ने उन्हें डोनेट किया। दोनों का छोटा बेटा है। इलाज में शारीरिक परेशानियों के अलावा आर्थिक परेशानी बड़ी टेंशन बनी तो मुख्यमंत्री राहत कोष की याद आई। नवनीत के परिजनों ने सारी कागजी कार्रवाई पूरी की, फिर निश्चित समयावधि में पीजीआई में उनके इलाज के लिए धन आवंटित किया गया। नवनीत और उनकी पत्नी दोनों सकुशल जीवन व्यतीत कर रहे हैं। बातचीत में उन्होंने सीएम योगी आदित्यनाथ के इस कार्य के प्रति आभार जताते हुए उनके लिए दुआएं भी कीं।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की तरफ से सात वर्ष में सहायता की मांग करने वाले हर पीड़ित के इलाज के लिए राशि जारी की गई।

वित्तीय वर्ष	लाभार्थी	स्वीकृत धनराशि
2017-2018	13093	1,71,35, 82, 000
2018-2019	17650	2, 44, 94, 49, 400
2019-2020	17940	2, 74, 17, 19, 500
2020-2021	15190	2, 66,82,35, 286
2021-2022	22176	3,90,52,50,365
2022-2023	31553	5, 66,38,92,349
2023-2024	53866	9, 93,44,22,665
2024-2025(जून)	15693	3,23,84,35,371
	1, 87, 161	**32,31,49,86,936**

2012 से 2017 के दौरान इलाज के लिए दी गई धनराशि

2012 से लेकर 2017 तक मुख्यमंत्री विवेकाधीन कोष से वित्तीय वर्ष 2012-13 में 3362 लोगों को 31 करोड़ 37 लाख नौ हजार 500 रुपये, वित्तीय वर्ष 2013-14 में 4361 लोगों को 31 करोड़ 37 लाख नौ हजार 500 रुपये, वित्तीय वर्ष 2014-15 में 5284 लोगों को 44 करोड़ 98 लाख 80 हजार 750 रुपये, वित्तीय वर्ष 2015-16 में 7762 लोगों को 98 करोड़ 34 लाख 42 हजार 747 और वित्तीय वर्ष 2016-17 में 10431 लोगों को एक अरब 64 करोड़ 94 लाख 17 हजार 732 रुपये की मदद दी गई थी। वहीं योगी सरकार बनने के बाद यह आंकड़ा काफी बढ़ गया।

आगामी चुनाव में हम दो गुनी ताकत से लड़ेंगेः बृजेश पाठक

● पश्चिम विधानसभा मतदाता अभिनंदन सम्मेलन में उपमुख्यमंत्री ने जताया मतदाताओं का आभार ●कार्यकर्ताओं के मान सम्मान के लिए कंधे से कंधा मिलाकर खड़े हैं: नीरज सिंह

लखनऊ। पश्चिम विधानसभा के लेबर कॉलोनी वार्ड के किंग बैंक्विट हॉल में पश्चिम विधानसभा मतदाता अभिनंदन सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक, विशिष्ट अतिथि वरिष्ठ नेता नीरज सिंह, महानगर अध्यक्ष आनंद द्विवेदी और विधानसभा उपविजेता अंजनी श्रीवास्तव द्वारा मतदाताओं का धन्यवाद व आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में उपस्थित बड़ी संख्या में क्षेत्रीय निवासियों और कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए उप मुख्यमंत्री बृजेश पाठक ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी एक विशाल परिवार है कार्यकर्ताओं ने केंद्र और प्रदेश की नीतियों और लखनऊ में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने लखनऊ में अटल के कार्यों को पूरा करने के लिए जो विकास कार्य किये उनको घर-घर पहुंचने का कार्य किया और आजादी के 60 वर्षों के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में लगातार तीसरी बार एनडीए की सरकार बनाने में हम सफल हुए। कार्यकर्ताओं के मान सम्मान के लिए हम सब कुछ निछावर करने को तैयार है। आगामी चुनाव में हम दो गुनी ताकत से लड़ेंगे और फिर एक बार बड़ी जीत हासिल करेंगे।

वरिष्ठ नेता नीरज सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि पूरे चुनाव के बाद दूर संभालने वाले हमारे बूथ अध्यक्ष और सम्मानित कार्यकर्ताओं का मैं हृदय की गहराइयों से धन्यवाद करता हूं। हम सभी कार्यकर्ताओं के मान सम्मान के लिए उनके साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़े हैं। विपक्ष ने एक विशेष वर्ग को भ्रमित करके अपने पक्ष में मतदान के लिए प्रेरित किया लेकिन भारतीय जनता पार्टी ने कभी भी जाति और धर्म के आधार पर कार्य नहीं किया है बल्कि सभी को समान रूप से सरकारी योजनाओं का लाभ दिया है।

लखनऊ में हुऐ विकास के प्रति कब तक लोग अपनी आंख बंद रख सकेंगे। किए गए कार्यों के आधार पर देश के अन्य राज्यों में भारतीय जनता पार्टी का आधार निरंतर बढ़ रहा है और आज हम सभी संकल्प लेते हैं कि 2027 के चुनाव में हम उत्तर प्रदेश में भी एक बार फिर से बड़ी जीत हासिल करेंगे। महानगर अध्यक्ष आनंद द्विवेदी ने कहा कि हमारे कार्यकर्ताओं ने बडे परिश्रम के साथ माननीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह जी को लगातार तीसरी बार लखनऊ से सांसद चुनकर केंद्र में भेजा है इसके लिए आप सभी का मैं हृदय से धन्यवाद और अभिनंदन करता हूं। मीडिया प्रभारी प्रवीण गर्ग ने बताया कि इस अवसर पर पश्चिम विधानसभा के वरिष्ठ कार्यकर्ताओं का सम्मान भी किया गया जिसमें मुख्य रूप से पुरुषोत्तम पुरी, अवनीश वैद्य, उमाशंकरी लोधी, रविकांत मिश्रा, राधिका प्रसाद कश्यप, सीमा साहू, माधुरी शुक्ला, रामनरेश मिश्रा, श्याम बहादुर सिंह, आशा पाठक, राधेश्याम वर्मा, रामचंद्र मौर्य, रामनाथ मिश्रा को उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक और जनप्रतिनिधियों ने भाजपा का अंग वस्त्र पहनकर सम्मानित किया। कार्यक्रम से पूर्व कॉलोनी पार्क में एक वृक्ष मां के नाम अभियान को गति देते हुए मुख्यमंत्री बृजेश पाठक और उपस्थित नेताओं ने वृक्षारोपण भी किया। कार्यक्रम में महानगर उपाध्यक्ष जया शुक्ला, अशोक श्रीवास्तव, यूएन पांडे, सीता नेगी, सत्येंद्र सिंह, विजय भुर्जी, अनुराग मिश्रा, मंडल अध्यक्ष अरविंद मिश्रा, सत्येंद्र सिंह, वीरेंद्र सिंह , राजन मिश्रा, गणेश वर्मा सहित सभी पार्षदगण और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

प्रत्येक बूथ पर पांच पौधे लगाने का भाजपा का लक्ष्य

लखनऊ। भाजपा के एक पेड़ माँ के नाम अभियान से प्रकृति संरक्षण व संवर्धन के संकल्प के साथ बड़ी संख्या में जनमानस जुड़ रहा है। प्रधानमंत्री के आह्वान पर प्रारम्भ किए गए एक पेड़ माँ के नाम अभियान को प्रदेश में 23 जून से प्रारम्भ किया गया था, जो 15 अगस्त तक चलेगा। एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत पार्टी के प्रदेश, क्षेत्र, जिला, मंडल, शक्तिकेन्द्र तथा बूथ के पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं ने स्थानीय नागरिकों के साथ मिलकर अब तक सात लाख से अधिक पौधो का रोपण किया है।

भाजपा के कार्यकर्ता राजनैतिक कार्यक्रमों व अभियानों के साथ ही अपने सामाजिक व राष्ट्रीय दायित्वों के निर्वहन के लिए सतत कार्यशील रहते है। पार्टी प्रकृति संरक्षण व संवर्धन के अपने दायित्व के साथ पौधारोपण सहित जनजागरण का कार्य करती है। भूपेन्द्र सिंह चौधरी व प्रदेश महामंत्री (संगठन) धर्मपाल सिंह लगातार अभियान से अधिक से अधिक लोगों को जोड़ने के लिए प्रदेश से लेकर क्षेत्र, जिला व मंडल स्तर पर संवाद करते हुए मार्गदर्शन दे रहे हैं।

भाजपा ने एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत प्रत्येक बूथ पर कम से कम पांच पौधे लगाने का लक्ष्य लिया है। प्रदेश में अब तक सात लाख से अधिक पौधो का रोपण हुआ है। विशेष अभियान के तहत 20 जुलाई को ही प्रदेश, क्षेत्र, जिला, मण्डल, शक्तिकेन्द्र व बूथ के पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं तथा जनप्रतिनिधियों के द्वारा स्थानीय नागरिकों के साथ मिलकर 02 लाख 85 हजार 768 पौधों का रोपण हुआ है। प्रदेश में धरती को शस्यश्यामला बनाने के संकल्प के साथ पार्टी का आगामी 15 अगस्त तक अभियान चलेगा। अभियान से जन-जन को जोड़ा जाएगा तथा पार्टी के पदाधिकारी व कार्यकर्ता प्रकृति संरक्षण के लिए जनमानस के बीच पहुंचकर जनजागरण भी करेंगे।

दीन दयाल उपाध्याय ग्राम्य विकास संस्थान में किया गया वृक्षारोपण

लखनऊ। दीनदयाल उपाध्याय राज्य ग्राम्य विकास संस्थान बख्शी का तालाब, लखनऊ द्वारा शनिवार को पर्यावरण व जलवायु संरक्षण के उद्देश्य से, बी डी चौधरी, अपर निदेशक, संस्थान के निर्देशन में, संस्थान के अधिकारियों/कार्मिकों के सहयोग से विभिन्न प्रकार के लम्बे समय तक जीवित रहने वाली प्रजाति के वृक्षों के 51 पौधों का रोपड़ किया गया। अपर निदेशक संस्थान बी डी चौधरी द्वारा पर्यावरण एवं जलवायु संरक्षण विषय पर समस्त अधिकारियों तथा कर्मचारियों को सम्बोधित करते हुए बताया कि स्वस्थ पर्यावरण व जलवायु के अभाव में मानव जीवन अद्यतन प्राकृतिक आपदाओं की स्थितियों से ग्रसित होने का मूल कारण यही है कि हम लोग भ्रमवश भौतिकता को महत्व देते हुए, सुन्दर पत्थरों द्वारा निर्मित भवन तो खड़ा कर देते हैं, परन्तु यह भूल जाते हैं कि इन भवनों की तुलना में, ईश्वर द्वारा प्रदत्त

जो हमारा शरीर और उसी शरीर में विद्यमान मस्तिष्क की प्रबलता और शक्ति दोनों की कितनी प्रासंगिक आवश्यकता है?

जब स्वस्थ तन होगा तो निश्चित रूप से मन-मस्तिष्क भी स्वस्थ होने के साथ, विकासशील व रचनात्मक कार्यों में, परिश्रम व बौद्धिकता के साथ सहयोग करेगा, जिससे हम सामाजिक व आर्थिक क्षेत्र में प्रगति की ओर अग्रसर होंगे । इसके लिए जरूरी है अधिक से अधिक वृक्षारोपण किया जाय। पौधा रोपण कार्यक्रम का प्रबंधन डॉ. एस के सिंह, सहायक निदेशक द्वारा किया गया। इस कार्यक्रम में सहयोग व सहभागिता की दृष्टि से संस्थान के डॉ एस के गुप्ता, डा0 शिववचन सिंह, प्रतिमेश तिवारी, संजय कुमार, विमल कुमार, राज श्रीवास्तव , उपेन्द्र दूबे, अनुज दूबे इत्यादि का सराहनीय योगदान रहा।

अयोध्या, मथुरा और काशी में धरातल पर उतरी 6.5 हजार करोड़ की परियोजनाएं

● पांच माह में 13 प्रतिशत परियोजनाओं ने लिया आकार, जल्द ही शेष परियोजनाएं भी होंगी साकार

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

भगवान राम की नगरी अयोध्या, श्रीकृष्ण का जन्मस्थान मथुरा और भगवान शिव का धाम काशी (वाराणसी) देश की आस्था के साथ-साथ अब निवेश के बड़े गंतव्य का भी प्रतीक बन गया है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में इसी वर्ष फरवरी माह में आयोजित ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी (जीबीसी 4.0) के माध्यम से इन धार्मिक स्थलों में जिन निवेश की परियोजनाओं का शुभारंभ किया गया था, 5 माह के अंदर उनमें से 6.5 हजार करोड़ की परियोजनाएं शुरू हो चुकी हैं। उल्लेखनीय है कि जीबीसी 4.0 के दौरान इन तीनों धार्मिक स्थलों के लिए पीएम मोदी ने करीब 50 हजार करोड़ रुपए की 11 हजार परियोजनाओं का शुभारंभ किया था। इनमें से योगी सरकार 5 माह के अंदर अब तक 6578 करोड़ रुपए की 277 परियोजनाओं को धरातल पर उतारने में सफल रही है। यह शुभारंभ हुई कुल परियोजनाओं का 13 प्रतिशत से ज्यादा है।

अयोध्या, काशी और मथुरा, ये तीनों स्थल न सिर्फ उत्तर प्रदेश में बल्कि देश भर में हिंदु समाज के आस्था के सबसे बड़े केंद्र के रूप में देखे जाते हैं। ऐसे में योगी सरकार यहां पर्यटन से लेकर नागरिक सुविधाओं में बड़े पैमाने पर इजाफा कर रही है। इसी क्रम में यहां व्यापक स्तर पर विकास परियोजनाओं को शुरू किया जा रहा है, जिसके लिए देश-विदेश की बड़ी-बड़ी कंपनियों ने योगी सरकार के साथ एमओयू किया है। 5 माह पूर्व फरवरी में पीएम मोदी ने इन परियोजनाओं का शुभारंभ किया और 5 माह में ही इन तीनों स्थलों पर 6578 करोड़ रुपए की परियोजनाएं मूर्त रूप ले चुकी हैं, जबकि शेष परियोजनाएं भी तेजी से प्रगति कर रही हैं और जल्द ही ये भी साकार होंगी जिससे बड़े पैमाने पर यहां युवाओं को रोजगार प्राप्त होगा और वे दूसरे जनपदों या राज्यों में नहीं भटकेंगे। इन तीनों ही स्थलों पर खासतौर पर टूरिस्ट्स फैसिलिटी सेंटर, वेलनेस सेंटर और होटल्स की शुरुआत हो रही है, जिसमें व्यापक स्तर पर लोगों को रोजगार के साधन भी उपलब्ध होंगे।

भगवान राम की नगरी अयोध्या की बात करें तो योगी सरकार ने यहां बड़े पैमाने पर विकास किया है। 22 जनवरी 2024 को यहां भगवान राम के नव विग्रह की प्राण प्रतिष्ठा से पहले और बाद में यहां लगातार विकास कार्य प्रगति पर है। चौड़ी चौड़ी सड़कें, ब्रिज, एयरपोर्ट और रेलवे स्टेशन समेत इंफ्रास्ट्रक्चर में हुए महत्वपूर्ण बदलावों ने निवेशकों को अयोध्या में अपनी परियोजनाएं शुरू करने के लिए आकर्षित किया है। जीबीसी 4.0 के दौरान यहां 13,421 करोड़ की 376 परियोजनाओं का शुभारंभ किया गया था, अब तक 993 करोड़ रुपए की 88 परियोजनाओं ने मूर्त रूप ले लिया है। बाकी परियोजनाओं का भी इंडस्ट्रियल प्रोडक्शन जल्द शुरू होने की संभावना है। अयोध्या में खासतौर पर हॉस्पिटैलिटी सेक्टर ने निवेश में अपनी रुचि दिखाई थी, जिनमें अभिनंदन लोढ़ा हाउस, पीकेएच वेंचर्स लि.,पक्का लि., द इनोवेटर्स डिजिटल एड्स प्रा. लि. और क्रेसकेंडो इंटीरियर्स जैसे बड़े नाम शामिल हैं।

श्रीकृष्ण जन्मस्थान मथुरा की बात करें तो योगी सरकार के लिए यह भी महत्वपूर्ण धार्मिक स्थल है, जहां लाखों पर्यटकों की आवाजाही रहती है। जीबीसी 4.0 में यहां 16,948 करोड़ रुपए की 428 परियोजनाओं को पीएम मोदी ने हरी झंडी दिखाई थी और 5 माह में यहां 3837 करोड़ की 120 परियोजनाओं को मूर्त रूप दे दिया गया है। जीबीसी के दौरान के आंकड़ों को देखें तो मथुरा में शीर्ष 5 प्रोजेक्ट्स से ही 11 हजार से अधिक नौकरियां मिलने की संभावना जताई गई थी। एयर लिक्विड नॉर्थ इंडिया प्रा. लि., द बेनिसन, केशव पब्लिकेशन प्रा. लि., आईएफपी पेट्रो प्रोडक्ट्स और अवदी इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड ने बड़ी परियोजनाएं शुरू करने के लिए सरकार से हाथ मिलाया है। इसी तरह, बाबा विश्वनाथ की धरती वाराणसी का विकास भी योगी सरकार की शीर्ष प्राथमिकता में है। पीएम मोदी का संसदीय क्षेत्र होने के कारण इस जनपद का विकास और भी महत्वपूर्ण हो जाता है, जिसे देखते हुए यहां कई बड़ी कंपनियों ने निवेश की इच्छा जाहिर की है। जीबीसी 4.0 में वाराणसी के लिए 19,295 करोड़ रुपए की 279 परियोजनाओं का श्रीगणेश हुआ था। 5 माह में वाराणसी में 1748 करोड़ रुपए की 69 परियोजनाएं ने कार्य शुरू कर दिया है और जल्द ही शेष परियोजनाएं भी धरातल पर उतरती नजर आएंगी जिनसे हजारों लोगों को लाभ होगा। यहां भारत हैवी इलेक्ट्रिकल्स लि. (भेल), रोमा बिल्डर्स और प्रमोटर्स प्रा. लि., अंश निर्माण प्रा. लि. और जेएस रेजिडेंसी प्रा. लि.जैसी कंपनियां अपनी परियोजनाओं को मूर्त रूप दे रही हैं।

कीर्ति चक्र विजेता शहीद कैप्टन अंशुमान सिंह को दी गई श्रद्धांजलि

कारगिल विजय दिवस

लखनऊ। महापौर द्वारा कारगिल विजय दिवस की वार्षिकी पर शहीद कै प्टन अंशुमान सिंह को श्रद्धांजलि अर्पित की गयी। महापौर कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर मौजूद रही। महापौर द्वारा शहीद के पिता को मोमेंटों देकर सम्मानित किया गया।महापौर सुषमा खर्कवाल ने कारगिल विजय दिवस की वार्षिकी के अवसर पर उत्तर प्रदेश पूर्व सैनिक संयुक्त संस्था द्वारा ब्रिज अपार्टमेंट एल्डिको सिटी, आईआईएम रोड, कीर्ति चक्र विजेता शहीद कैप्टन अंशुमान सिंह के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की। महापौर ने शहीद कैप्टन के चित्र पर श्रद्धांजलि अर्पित की और आयोजन में उपस्थित वीर शहीद अंशुमान सिंह जी के पिता कैप्टन रवि प्रकाश सिंह को मोमेंटो देकर सम्मानित किया। माँ भारती की रक्षा एवं वैभव के लिये अपना सर्वस्व न्यौछावर करने वाले वीर सैनिक भाइयों का हृदयतल से कोटि.कोटि धन्यवाद एवं आभार प्रकट कर उन्हें इस आयोजन में आमंत्रित करने के लिये सभी का धन्यवाद भी अर्पित किया।

बाढ़ प्रभावितों में वितरित की जाएंगी दस हजार स्पेशल राहत किट

● सीएम की अपील पर बाढ़ प्रभावितों की मदद को आगे आए व्यापारी व सामाजिक संगठन

लखनऊ/लखीमपुर खीरी। आपदा के वक्त सीएम योगी हमेशा सामाजिक और व्यापारिक संगठनों से आगे आकर सहयोग की अपील करते हैं। उनकी इस अपील का असर भी होता है। इसका उत्कृष्ट उदाहरण बाढ़ प्रभावित लखीमपुर खीरी में देखने को मिल रहा है। सीएम योगी की मंशा के अनुरूप डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल ने बाढ़ प्रभावित परिवारों को मदद पहुंचाने के लिए अभिनव पहल की। कॉरपोरेट सेक्टर, उद्यमियों, स्वयंसेवी संस्थाओं के सहयोग से 10 हजार स्पेशल राहत किट तैयार की जा रही है, जिसकी कीमत करीब 45 लाख रुपए है। इसका वितरण बाढ़ प्रभावित परिवारों के बीच किया जाएगा। मुश्किल समय में सरकारी एजेंसियां अपने दायित्वों के निर्वहन का हर संभव प्रयास करती हैं, बावजूद इसके कभी कभी कुछ कमियां रह जाती हैं। ऐसे में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सबका साथ, सबका विकास के मंत्र को आत्मसात करते हुए मुख्यमंत्री योगी ने सामाजिक उत्तरदायित्व से जुड़े प्रयासों में जनसहभागिता को बढ़ाने पर हमेशा बल दिया है।

डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल ने बताया कि बाढ़ को लेकर सीएम योगी आदित्यनाथ की संवेदनशीलता को देखते हुए उन्होंने बाढ़ प्रभावित लोगों की मदद के लिए सभी सामाजिक और व्यापारिक संगठनों से अपील की। सभी संगठनों ने इसमें बढ़-चढ़कर योगदान दिया। इनसे प्राप्त होने वाली स्पेशल राहत किट में मच्छरदानी, छाता, बैटरी सहित टॉर्च, सेनेटरी पैड (2 पैकेट) और गर्म पानी रखने के लिए 2 लीटर की थर्मस शामिल है। इसमें गणेश प्लाइवुड ने 300 किट, राइस मिलर्स एसोसिएशन लखीमपुर ने 125, राइस मिलर्स एसोसिएशन गोला ने 125, प्लाईवुड संगठन लखीमपुर ने 250, एनसीसी लिमिटेड हैदराबाद ने 1000, विभिन्न शुगर मिलों ने 1500, मैसर्स बृजमोहन कांट्रेक्टर अलीगढ, मैसर्स वैष्णो कंस्ट्रक्शन - आगरा, मेसर्स विंध्यवासिनी ट्रेडर्स-गोरखपुर ने 500 किट, जिले की विभिन्न स्वयंसेवी संस्थाओं द्वारा 6200 किट उपलब्ध कराई गई है। प्रत्येक स्पेशल राहत किट का मूल्य करीब 450 रुपए है।

जिलाधिकारी दुर्गा शक्ति नागपाल के अनुसार इन 10 हजार स्पेशल राहत किट के जरिए कॉरपोरेट सेक्टर, स्वयंसेवी संस्थाओं और उद्यमियों ने बाढ़ प्रभावितों को 45 लाख की मदद की है। इसके अलावा इंडियन मेडिकल एसोसिएशन लखीमपुर इकाई द्वारा करीब एक हजार तिरपाल भी बाढ़ पीड़ितों को वितरण के लिए उपलब्ध कराए हैं। बताते चलें कि प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी ने बाढ़ प्रबंधन और जन-जीवन की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए प्रदेश के सभी बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में जिलाधिकारियों को सरकारी खाद्यान्न किट के वितरण के अलावा उद्यमियों, स्वयंसेवी संस्थाओं (एनजीओ) की मदद लेने के लिए निर्देशित किया था। इस पर लखीमपुर खीरी की डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल ने पहल करते हुए जिले के उद्यमियों, स्वयंसेवी संस्थाओं से बाढ़ प्रभावितों की मदद के लिए आह्वान किया। इसके बाद संस्थाएं और उद्यमी बढ़-चढ़कर आपदा में प्रभावित लोगों की मदद को आगे आ रहे हैं। इन किट के अलावा भी बाढ़ पीड़ितों में स्पेशल किट और तिरपाल वितरण के प्रयास किये जा रहे हैं।

कांग्रेस मुख्यालय में मनाई गई मसुरियादीन पासी की पुण्यतिथि

लखनऊ। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देश पर स्वाधीनता संग्राम सेनानी, कांग्रेस पार्टी के सदस्य एवं पूर्व सांसद रहे मसुरियादीन पासी की पुण्यतिथि के मौके पर कांग्रेसजनों द्वारा प्रदेश के सभी जनपदों में दलित बस्तियों में मसुरियादीन पासी (बापू जी) की पुण्यतिथि मनाया गया। मुजासा तिराहा, तहसील मोड़, मलिहाबाद लखनऊ में पूर्व विधायक इन्दल रावत द्वारा पूर्व सांसद मसूरियादीन पासी की पुण्यतिथि के मौके पर आयोजित श्रद्धांजलि सभा में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय ने पहुंचकर मसूरियादी पासी के चित्र पर फूल माला अर्पित करते हुए पुण्यातमा को नमन किया। मसुरियादीन पासी के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डालते हुए प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय ने कहा कि 2 अक्टूबर 1911 को प्रयागराज के जोंधवल में जन्में मसूरियादीन पासी एक महान समाज सुधारक रहे।

पौधे लगाने के साथ-साथ उनकी सुरक्षा भी जरूरीः डॉ. नीलिमा

लखनऊ। समपर्णम संस्था की ओर से ग्राम जाहिरपुर कुर्सीरोड में भुइयां देवी मंदिर परिसर में पौधरोपण कार्यक्रम किया गया। इसमें स्थानीय निवासियों ने बड़ी संख्या में सहभागिता की। संस्था की ओर से बोलते हुए डॉ. नीलिमा दीपक ने कहाकि पौधे लगाना तो महत्वपूर्ण है ही, साथ ही उनकी सुरक्षा भी जरूरी है। ताकि वे वृक्ष बन सकें। उन्होंने ग्रामीण महिलाओं को स्वरोजगार की दिशा में प्रेरित करते हुए कहाकि वे अपने कौशल को निखार कर आर्थिक स्वावलंबन की ओर कदम बढ़ा सकती हैं। उन्होंने कहाकि सिलाई का कार्य, ब्यूटी पार्लर, मोमबत्ती निर्माण, गीत-संगीत आदि अनेक क्षेत्र हैं जिनको सीख कर महिलाएं आर्थिक रूप से सशक्त होती सकती है। इस अवसर पर डॉ. मोनिका ने महिलाओं से अपने स्वास्थ्य पर भी ध्यान देने को

कहा। वहीं भाजपा किसान मोर्चा महानगर लखनऊ के मीडिया सह प्रभारी विनोद यादव ने कहाकि मंदिर परिसर का सुंदरीकरण बहुत जरूरी है क्योंकि यह स्थानीय लोगों की आस्था का केंद्र है। डॉ. आरके प्रजापति ने कहाकि पौधरोपण का कार्य अनुकरणीय है और लोगों को बढ़चढ़ कर इसमें भाग लेना चाहिए। इस अवसर पर सोमेश वाजपेयी, दिनेश प्रताप सिंह, विनोद पाल, रामभुवन पांडेय, राकेश यादव, मीना यादव, कुलदीप यादव, दिनेश यादव सहित ने पौधरोपण कार्यक्रम में सक्रिय रूप से भाग लिया। बड़ी संख्या में महिलाओं ने भी सहभागिता की।

दुकानों पर नाम लिखने से बढ़ेगा भाईचारा : स्वाती सिंह

लखनऊ। सिर्फ विभाजन के सहारे अपनी राजनीति को चमकाने वाले कुछ लोगों को दुकानों पर नाम लिखने में भी विभाजनकारी दिखने लगा है। यह तो हर व्यक्ति का अधिकार है कि वह किसकी दुकान से सामान लिया, यह जाने। इससे लूट-खसोट में भी कमी आएगी। ग्राहक यह जानेगा कि हमने किसकी दुकान या ठेलिया से सामान लिया था। इससे भाईचारा और अधिक बढ़ेगा। ये बातें पूर्व मंत्री और भाजपा की वरिष्ठ नेता स्वाती सिंह ने कही। क्या कोई व्यक्ति किसी का धर्म जान जाएगा तो उससे उसकी दुश्मनी हो जाएगी। यह तो घृणित सोच है। इसके विपरित यदि कोई नाम न जानकर लिया है और बाद में उसको झूठ का पता चले तो उसके मन में घृणा आएगी। हर दुकान पर प्रोपराइटर का नाम लिखने का नियम भी मनमोहन सिंह सरकार के समय से ही बना है। भाजपा ने तो

सिर्फ उसको लागू कराने का काम किया है। स्वाती सिंह ने कांग्रेस से पूछा कि वे बताएं कि वे नियम सिर्फ फाइलों में रखने के लिए बनाते थे। यह नियम बनने के बाद ही इसे लागू हो जाना चाहिए। कांग्रेस को तो इसका स्वागत करना चाहिए। अभी कोई भी देख सकता है कि किसी का धर्म जानने से कोई वहां न जाय। यह तो विपक्ष इसको हवा दे रहा है कि हिंदू दूसरे धर्म के लोगों के यहां खरीदारी न करे। स्वाती सिंह ने कहा कि धर्म और जाति के नाम का हवा देकर विपक्ष वर्ग विशेष को भड़काने का काम कर रहा है। हकीकत तो यह है कि धर्म यात्रा पर निकले लोगों को धर्म से कोई लेना-देना नहीं होता हे। वे जब स्पष्टतया आगे वाले का धर्म जानकर उसके यहां जाएंगे तो उसमें प्रेम और ज्यादा उमड़ेगा।

श्री शिवापराधक्षमापन स्तोत्रम जो पढ़ेगा उसकी डगर आसान होगीः डॉ. समीर त्रिपाठी

लखनऊ। आदि शंकराचार्य द्वारा रचित 'श्री शिवापराधक्षमाप' स्तोत्रम कों जो व्यक्ति पढ़ेगा, उसका डगर आसान हो जाएगा। यह बात रविवार को मेधज के संस्थापक डॉ समीर त्रिपाठी ने पत्रकार वार्ता दौरान कही। गुरु पूर्णिमा के शुभ अवसर पर आदि गुरु शंकराचार्य जी द्वारा रचित 'श्री शिवापराधक्षमापन' स्तोत्रम का विमोचन डॉ समीर त्रिपाठी के साथ उनकी माता जी रेखा त्रिपाठी व भाई गुंजन त्रिपाठी ने दीप प्रज्जवलित कर किया। इस स्तोत्रम कों डॉ समीर त्रिपाठी ने स्वर दिया है व संगीत सुरेश खरे व ओमी जी का हैं। मेधाज के मुख्यालय में इसके विमोचन के बाद डॉ समीर त्रिपाठी ने कहा कि सावन का पावन महीना कल से शुरू हो रहा ह।. यह माह भगवान शिव के आराधना का है व अपराधों के क्षमा के लिए सर्वोत्तम ह।. इस माह में 'श्री शिवापराधक्षमापन' स्तोत्रम का विशेष महत्व है. कलयुग में ग्रहों के दुष्प्रभाव को कम करने के लिए यह सहायक है।

गुरु पूर्णिमा पर गुरु के महत्व को बताते हुए उन्होंने कहा कि माता-पिता के बाद गुरु का ही स्थान आता है. गुरु हर समस्या का समाधान करता है। उन्होंने कहा कि पहले हिंदू समाज 84 संप्रदायों में बंटा हुआ था. द्वैत व अद्वैत को लेकर बड़ी लड़ाई थी. आदि गुरु शंकराचार्य जी ने शास्त्रार्थ कर सबको एक किया। इस अवसर पर डॉ समीर त्रिपाठी की माताजी रेखा त्रिपाठी जी ने आदि शंकराचार्य जी व मंडल मिश्र जी के बीच हुए शास्त्रार्थ का विस्तार से वर्णन कर कहां की माता-पिता व गुरु जो कहे, बिना विचारे करना चाहिए. गुंजन त्रिपाठी सबका धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि गुरु पूर्णिमा आदि शंकराचार्य जी को नमन करने का दिन है। वरिष्ठ पत्रकार अरविंद चतुर्वेदी जी ने कहा की जन्म माता-पिता देते हैं, पर जीवन गुरु ही बनता है. कार्यक्रम के बीच में 'श्री शिवापराधक्षमापन' स्तोत्रम के संगीतकार सुरेश खरे व ओमी जी ने गणेश वंदना एक दंताय व भजन जो प्रेम गली में आए नहीं प्रियतम का ठिकाना क्या जाने सुना कर सबको मंत्रमुग्ध कर दिया।

तेरवा में आयोजित जनसुनवाई शिविर में सुनीं गईं ग्रामीणों की समस्याएं

● विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह ने चार मेधावियों को साईकिल व घड़ी देकर किया सम्मानित

लखनऊ। सरोजनीनगर विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह द्वारा सतत उपलब्धता, संवाद व सरोजनीनगर परिवार की समस्याओं के समाधान के लक्ष्य के साथ विगत 80 सप्ताहों से आपका विधायक - आपके द्वार जनसुनवाई शिविर निरन्तर आयोजित है। रविवार को ग्राम पंचायत तेरवा में आपका विधायक - आपके द्वार जनसुनवाई शिविर आयोजित किया। ग्रामवासियों ने विधायक की टीम को प्रधानमंत्री आवास, वृद्धावस्था पेंशन, किसान सम्मान निधि, नाली - सड़क निर्माण जैसी 45 समस्याओं/सुझावों से अवगत कराया।

गाँव की शान पहल के अंतर्गत इंटरमीडिएट परीक्षा में सर्वाधिक अंक पाने वाले 2 मेधावियों लक्ष्मी देवी (70.2 प्रतिशत), आयुष (67.6 प्रतिशत) व हाईस्कूल की परीक्षा में सर्वाधिक अंक पाने वाले 2 मेधावियों सिमरन (77.0 प्रतिशत) एवं मोहित (73.16 प्रतिशत) को विधायक डॉ. राजेश्वर की ओर से साइकिल और घड़ी प्रदान कर सम्मानित किया गया। साथ ही गाँव के वरिष्ठ नागरिक बुधानी (80 वर्ष), जनक दुलारी (70 वर्ष), प्रधान राकेश कुमार, भाजपा संयोजक राम किशोर, बीडीसी अजीत पटेल, मदन पाठक, चंद्रपाल, नरेंद्र कुमार को भी अंगवस्त्र पहनाकर सम्मानित किया गया। युवाओं को खेल संसाधन उपलब्ध कराने के क्रम में ग्राम पंचायत सादुल्लानगर में 28वें गर्ल्स यूथ क्लब का गठन कर बास्केटबॉल, फुटबॉल, कैरम जैसे इनडोर और आउटडोर गेम्स की किट प्रदान की गयी। उपस्थित क्षेत्रवासियों को सरोजनीनगर की पहचान बन चुकी विधायक द्वारा स्थापित तारा शक्ति नि:शुल्क रसोई के माध्यम से ताजा - पौष्टिक भोजन भी उपलब्ध कराया गया।

जनता के हितों की अनदेखी करने वाले अधिकारियों के खिलाफ होगी कड़ी कार्रवाईः भूपेश चौबे

●सदर विधायक ने ग्रामीणों की शिकायत पर संपर्क मार्ग का किया औचक निरीक्षण

संवाददाता। सोनभद्र

सदर विधायक भूपेश चौबे ने सिरपालपुर करारी संपर्क मार्ग का औचक निरीक्षण किया। उक्त मार्ग के निर्माण को लेकर ग्रामीण लंबे समय से मानकों की अनदेखी का आरोप लगा रहे थे। रविवार को सदर विधायक जिला मुख्यालय से महज 5 किलोमीटर की दूरी पर निर्मित सिरपालपुर करारी संपर्क मार्ग का औचक निरीक्षण करने पहुंच गए लगभग ढाई सौ मीटर माइनर की पटरी पर आरसीसी सड़क बनाई गई है सड़क के दोनों तरफ की पटरिया इतनी लापरवाही पूर्ण तरीके से निर्मित है कि वह बडी दुर्घटना का कारण बन सकती हैं उसके आगे एक करोड रुपए से भी अधिक लागत की बनाई गई सड़क पूरी तरह गुणवत्ता विहीन बताई गई है।

मौके पर साथ जगह जगह धंसी और फ्टी हुई पाई गई सड़क का निर्माण कार्य पूर्ण हुए अभी एक वर्ष भी नहीं हुआ ऐसे में सड़क की स्थिति देख विधायक का पारा सातवें आसमान पहुंच गया विधायक ने कार्यदाई संस्था लोक निर्माण विभाग प्रांतीय खंड 2 के अधिशासी अभियंता को कड़ी फटकार मोबाइल फोन के जरिये लगाई साथ ही जे ई को भी खरी खोटी सुनाई उन्होंने कहा कि जनता के हितों की अनदेखी करने वाले अधिकारियों के खिलाफ अब कोई रियायत नहीं बरती जाएगी जिसकी भी कमी जांच के बाद पाई जाएगी उसके खिलाफ कार्रवाई होगी। इस मौके पर ग्रामीणों ने बताया कि निर्माण के समय ही शिकायत की गई थी अधिकारियों ने ध्यान नहीं दिया। उक्त संपर्क मार्ग के निर्माण के लिए लंबे अरसे से मांग की जा रही थी विधानसभा में भी इस सड़क का मुद्दा सदर विधायक ने उठाया था मुख्यमंत्री के संज्ञान में मामला आने के बाद सड़क के लिए बजट जारी हुआ था। इसी संपर्क मार्ग पर बेलन नदी में एक करोड की लागत से पुल का भी निर्माण कराया गया है जिससे चंदौली जनपद के लगभग दो दर्जन गांव के लोगो का आवागमन इसी संपर्क मार्ग से हो रहा है।

चंदौली से सोनभद्र की दूरी भी लगभग 15 किलोमीटर कम हो गई है लेकिन गुणवत्ता विहीन संपर्क मार्ग बनने से सवालिया निशान खड़ा हो रहा है। इस दौरान भाजपा जिला मिडिया प्रभारी अनूप तिवारी महेन्द्र पाण्डेय अनिल पाण्डेय सन्तोष केशरी विकास मिश्रा सहित तमाम ग्रामीण मौजूद रहे।

जलापूर्ति में न आने पाये कोई समस्याः जिलाधिकारी

सोनभद्र। जिलाधिकारी बीएन सिंह ने रविवार को सोनपम्प नहर प्रथम, घाघर बैराज, मुख्य ओबरा बॉध प्रखण्ड ओबरा परियोजना का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने एक्सीयन विद्युत, ए0ई0 मैकेनिकल को निर्देशित करते हुए कहा कि नहरों का संचालन पूरी क्षमता के साथ किया जाये, जिससे कि नहरों के माध्यम से कृषक बन्धुओं को सिंचाई हेतु पानी की कोई समस्या न होने पायें। इस मौके पर मुख्य विकास अधिकारी सौरभ गंगवार, ए0ई0 रविन्द्र कुमार सावन अधिशासी अभियन्ता विद्युत, अधिशासी अभियन्ता मैकेनिकल उदय शंकर सिंह अधिशासी अभियन्ता ओबरा डैम रूपेश खरे उपस्थित रहे।

अवैध सम्बन्ध के चलते हुई अरविन्द की हत्या, बहू व ससुर गिरफ्तार

संवाददाता। सोनभद्र

थाना राबर्ट्सगंज पुलिस व एसओजी टीम को एक बड़ी सफलता हाथ लगी सुनियोजित तरीके से व्यक्ति की हत्या करने वाले बहु व ससुर को गिरफ्तार कर लिया गया। 18 जुलाई को छोटेलाल चौहान पुत्र स्व0 निवासी ग्राम कोल्हुआ, थाना रॉबर्ट्सगंज द्वारा लिखित प्रार्थना पत्र दिया कि इमामम शाह वकीलूम पत्नी इमामम शाह इशाख खान उर्फ पुल्ल नाजमा रामजनम मुन्नू शाह पिन्टू उर्फ इस्माइल व अन्य अज्ञात निवासीगण सिल्थरी थाना रॉबर्ट्सगंज के मध्य पूर्व में नहर में नहाने को लेकर हल्का फूल्का विवाद हुआ था। जिस कारण सभी नामित लोगो ने मिलकर मेरे बेटे अरविन्द चौहान पुत्र छोटेलाल की हत्या कर शव को नहर में फेक दिया गया है।

उक्त घटना के सम्बन्ध में मुकदमा दर्ज कर कार्यवाही की जा रही थी। घटना के शीध्र अनावरण व संलिप्त अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु पुलिस अधीक्षक डॉ0 यशवीर सिंह द्वारा अपर पुलिस अधीक्षक मुख्यालय व क्षेत्राधिकारी नगर को विशेष निर्देश देते हुए एसओजी व थाना रॉबर्ट्सगंज पुलिस की टीम गठित की गयी। रविवार को प्रात: 07.45 बजे एसओजी टीम व थाना रॉबर्ट्सगंज पुलिस की संयुक्त टीम द्वारा साक्ष्य संकलन व सूचना का असंजाल तैयार कर प्रकाश में आये अभियुक्त उषा पत्नी सुरज उर्फबग्गड़ उम्र करीब 30 वर्ष व मुन्नू पुत्र स्व0 ददई निवासीगण सिल्थरी थाना रॉबर्ट्सगंज उम्र 54 वर्ष को गिरफ्तार किया गया।

अभियुक्तों के निशानदेही पर हत्या में प्रयोग की गई नायलान की रस्सी भी बरामद किया गया। गिरफ्तार अभियुक्तों नें पूछताछ के दौरान बताया कि मृतक अरविन्द चौहान का अभियुक्ता उषा देवी के साथ अवैध सम्बन्ध था। अभियुक्ता उषा देवी द्वारा पिछले कुछ समय से मृतक अरविन्द का विरोध करने के बावजूद वह घर पहुंच जाता था। 17 जुलाई को अभियुक्ता उषा देवी व उसके ससूर मुन्नू उपरोक्त द्वारा मिलकर नायलान की रस्सी से गला घोट कर मृतक अरविन्द चौहान की हत्या कर दी गयी।

संघ प्रचारक शारदा प्रसाद द्विवेदी के स्मृति में हुआ पौधरोपण

सोनभद्र। लीलवाही के राधा कृष्ण प्रणामी मंदिर प्रांगण में संघ प्रचारक शारदा प्रसाद द्विवेदी के स्मृति में पौधरोपण कार्यक्रम संपन्न हुआ। अखिल भारतीय भगवान श्री परशुराम अखाड़ा परिषद के पं0 आलोक कुमार चतुर्वेदी ने कहा कि शायद ही सोनभद्र के गुप्त काशी क्षेत्र के आम लोगों को यह पता हो कि घोरावल क्षेत्र के लक्ष्मणपुर गांव के शारदा प्रसाद द्विवेदी 1983 में संगठन के आदेश पर बलरामपुर लोकसभा से चुनाव लड़े थे। ख्याति प्राप्त श्रमिक चिंतक दत्तोपंत ठेंगड़ी जी के मार्गदर्शन में 1979में भारतीय किसान संघ के उत्तर प्रदेश के प्रदेश संगठन मंत्री के दायित्व के निर्वहन में पूर्ण रूपेण सफल प्रमाणित हुए थे। प्रख्यात चिंतक लालजी तिवारी ने कहा श्री शारदा जी राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से ब्रिटिश भारत के काल में ही जुड़े और 78 वर्ष की आयु में डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी चिकित्सालय लखनऊ में 22 नवंबर 2000 तक अंतिम सांस लेकर इस संकल्प को पूर्ण कर गए तेरा वैभव अमर रहे मां, हम दिन चार रहे न रहे। जनता पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव रहे प्रसिद्ध राजनीतिक चिंतक नानाजी देशमुख द्वारा संचालित दीनदयाल शोध संस्थान गोंडा जयप्रभा ग्राम के निदेशक की भूमिका में पूर्ण रूप से संघ की योजना के अनुसार मिले दायित्व में दक्ष प्रमाणित होकर एक उदाहरण बन गए।

1940 में ही नाना जी देशमुख आगरा से शाखा शुरू करने आए थे और यही नानाजी देशमुख गोंडा प्रकल्प में राष्ट्रपति नीलम संजीव रेड्डी को आमंत्रित किए थे। जनसंघ और जनता पार्टी से राजनीतिक संन्यास के बाद इस प्रकल्प से ग्रामीणों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए जयप्रभा ग्राम में नाना जी अनेक योजनाएं संचालित कर रहे थे। 1948 में गांधी जी की हत्या के वातावरण में संघ पर लगे प्रतिबंध के विरोध में शारदा प्रसाद सत्याग्रह करके अपने अन्य स्वयंसेवकों संग जेल गए।

एनसीआरएमयू के पदाधिकारियों ने केंद्रीय चिकित्सालय का किया निरीक्षण, मिलीं ढेरों खामियां

संवाददाता। प्रयागराज

रेलवे कर्मचारियों और मरीजों तथा उनके परिजनों द्वारा प्राप्त शिकायतों के आधार पर नार्थ सेंट्रल रेलवे मेंस यूनियन की स्थानीय शाखाओं के पदाधिकारियों द्वारा रविवार को मण्डल मंत्री नार्थ सेन्ट्रल रेलवे मेंस यूनियन प्रयागराज मंडल डी एस यादव के नेतृत्व में केंद्रीय चिकित्सालय उत्तर मध्य रेलवे प्रयागराज का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान चिकित्सालय में बहुत सी कमियां पाई गईं। बताया गया कि एचडीयू यूनिट में बेड की चादर ड्यूटी पर कार्यरत कर्मचारियों द्वारा न बदलकर मरीज के सम्बन्धी को बदलने के लिए दिया जाता है।

टॉयलेट में इंडियन कमोड के चारों तरफ की फर्श टूटी पाई गई। जिसमें गंदगी जमा रहती है। सफाई संतोषजनक नहीं थी और सफाई समय पर नहीं होती। मच्छरों की संख्या ज्यादा है जिससे मरीजों को दोहरी लड़ाई लड़नी पड़ रही है। क्योंकि मच्छरों से निजात पाने के लिए जिन दवाओं का छिड़काव आदि किया जाना चाहिए वह भी नहीं हो रहा है। न ही प्रॉपर जाली या मासक्विटो नेट आदि की कोई व्यवस्था है। इस प्रकार मच्छरों ने मरीजों को परेशान कर रखा है।

कमरे में लगे पंखे ठीक से कार्य नहीं कर रहे हैं। बाथरूम का एग्जॉस्ट फैन लटक रहा है कभी भी दुर्घटना हो सकती है। बेड संख्या चार के मरीज का ऑपरेशन शनिवार को हुआ था और मरीज दर्द से कराह रही थी लेकिन डाक्टर के द्वारा रविवार सुबह तक नहीं देखा गया। स्टाफ की बताई गई है। सफाई कर्मचारी कभी कभी उपलब्ध नहीं रहते हैं तथा सफाई कराने हेतु बुलाने पर ही सफाई होती है। प्रत्येक बेड के साथ मरीजों के परिजनों को बैठने के लिए स्टूल भी नहीं है।

कई वार्डों में एसी खराब पड़े हैं एसी कूलिंग नहीं कर रहा है। सफाई संतोषजनक नहीं है। आरओ नंबर वन वाटर कूलर खराब हालत में पाया गया। जिससे मरीजों को शुद्ध और ठंडा पानी नहीं मिल पा रहा है। मरीजों और उनके संबंधियों ने बताया कि आरओ 15 दिनों से खराब पड़ा है। महिला मेडिकल वार्ड में टॉयलेट बाथरूम की सफाई नहीं हुई है तथा दरवाजे इस तरह से टूटे हैं कि उसमें बैठने वाला पर्दा नहीं कर पा रहा है। मरीज का यूरिन बैग समय से खाली नहीं कराया जा रहा है।

मेल सर्जिकल वार्ड प्रथम तल टॉयलेट बाथरूम की सफाई नहीं हुई थी। मरीज के द्वारा बुलाने पर भी ड्यूटी स्टाफ द्वारा अटेंड नही किया जा रहा है। मरीजों को खाने में सब्जी दोनों समय एक ही प्रकार की तथा बासी खाना दिया जा रहा है। मरीज को फल नहीं दिया जाता है। महिला वार्ड प्रथम तल पर चादर समय पर बदला नहीं किया जाता है। मरीजों और रेलवे कर्मचारियों तथा उनके परिवारजनों के स्वास्थ्य के मद्देनजर अस्पताल में मेंस यूनियन के औचक निरीक्षण का क्रम लगातार कल दूसरे दिन भी जारी रहेगा।

क्विक न्यूज

कांवरियों के लिए चिकित्सा शिविर व एम्बुलेंस समेत सचल चिकित्सा दल की तैनाती

मीरज़ापुर। उत्तर प्रदेश शासन के निर्देश पर सावन मास में कांवरियों की चिकित्सा व्यवस्था हेतु चिकित्सा अधिकारियों व कर्मचारियों की ड्यूटी लगा दी गयी है। इस दौराने कांवरियों को चिकित्सकीय सेवा के प्रबन्धन हेतु अपर मुख्य चिकित्साधिकारी डॉक्टर मुकेश को नोडल अधिकारी नामित किया गया है। मुख्य चिकित्साधिकारी छोटे लाल वर्मा ने बताया कि कावंरियों की चिकित्सा व्यवस्था हेतु चिकित्साधिकारियों व कर्मचारियों की ड्यूटी 22 जुलाई को प्रात: आठ बजे से 22 अगस्त तक के लिये लगा दी गयी है। चिकित्सकों की पांच टीम गठित गयी है। जो अलग.अलग चिकित्सा शिविर एवं सचल चिकित्सा दल एम्बुलेंस के साथ मुस्तैद रहेंगे।

टीम संख्या एक का नेतृत्व सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र लोहदी ;सिटी ब्लाक के चिकित्साधिकारी करेगे। जो बरियाघाट में स्वास्थ्येयकर्मियों के साथ मौजूद रहेगे। टीम संख्या दो मे प्रा0स्वा0 केन्द्र बरकक्षा के चिकित्साधिकारी की तैनाती की गयी है। जिनके सहयोग के लिये सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र कमासिन ;कोन ब्लाक के डॉक्टर को लगाया गया है। दोनों डाक्टर अन्य स्वास्थ्यकर्मियों के साथ बरकक्षा बाजार स्थित निर्धारित स्थल पर रहेगे। टीम संख्या तीन की तैनाती सिरसी मोड़ स्थित कोटवा गांव में की गयी है। जिसका नेतृत्व प्रा0स्वा0 केन्द्र पड़री के चिकित्साधिकारी करेगे। विकास खण्ड मड़िहान स्थित बहुती गांव में कार्यरत चिकित्साधिकारी डॉक्टर राधेश्याम मौर्या का सहयोग के लिये लगाया गया है। टीम संख्या चार सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र मड़िहान में कार्यरत रहेगी। सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र के अधीक्षक सहित नामित स्वास्थ्यकर्मी कार्यरत रहेगे। इसके अलावा टीम संख्या पांच में आयुष चिकित्सक समेत स्वास्थ्यकर्मी कलवारी चैराहे पर चौबीस घण्टे रोस्टर वाइज कार्यरत रहेंगे।

राजर्षि टंडन ऐप विकसित करेगा मुक्त विश्वविद्यालयः प्रो. सत्यकाम

संवाददाता। प्रयागराज

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय टेक्नोलॉजी का उपयोग करते हुए यूपीआरटीओ एप विकसित करेगा। जिससे एक ही क्लिक पर नामांकित छात्र को प्रवेश से लेकर परीक्षा और परिणाम की सभी सूचनाएं प्राप्त होंगी।

यह जानकारी उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो सत्यकाम ने गोरखपुर क्षेत्र केंद्र से संबंध अध्ययन केंद्रों के समन्वय की कार्यशाला में दी। वह रविवार को दिग्विजय नाथ पीजी कॉलेज में कार्यशाला के मुख्य अतिथि के रूप में समन्वयकों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि आज हर युवा के हाथ में मोबाइल फोन है। विश्वविद्यालय ने अधुनातन टेक्नोलॉजी का सहारा लेते हुए महत्वपूर्ण सूचनाओं से आच्छादित ऐप को विकसित करने की दिशा में कदम बढ़ा दिया है। जिसका सुपरिणाम शीघ्र देखने को मिलेगा। जब राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के बारे में युवा आधिकाधिक जानकारी प्राप्त कर सकेंगे। एक क्लिक पर प्रवेश काउंसलिंग अधिन्यास परीक्षा एवं परिणाम की जानकारी उन्हें प्राप्त हो सकेगी।

इसके पूर्व इग्नू में दूरस्थ शिक्षा के विकास में अपना महत्वपूर्ण योगदान करने वाले प्रो सत्यकाम छात्रों को गुणवत्ता पूर्ण एवं कौशल विकास पर आधारित शिक्षा देने के पक्षधर हैं। हमें राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के कार्यक्रमों की गुणवत्ता को बढ़ाना है। जिससे हमारे विद्यार्थियों की पहुंच अंतरराष्ट्रीय स्तर तक हो। इसके लिए हमें सभी अध्ययन केंद्र समन्वयकों का भरपूर सहयोग चाहिए। उन्होंने कहा कि कई ऐसे अध्ययन केंद्र समन्वयक हैं जिन्होंने अभी तक मुक्त विश्वविद्यालय नहीं देखा है। हम उनकी योग्यता के आधार पर विश्वविद्यालय का परीक्षक नियुक्त करेंगे। जिससे वह विश्वविद्यालय में आकर मूल्यांकन कार्य कर सकें। अध्यक्षता करते हुए जननायक विश्वविद्यालय बलिया के कुलपति प्रो संजीत कुमार गुप्ता ने कहा कि मुक्त विश्वविद्यालय की नामांकन संख्या संवाद सम्पर्क समन्वय एवं सहयोग के माध्यम से ही बढ़ाई जा सकती है। नामांकन कराने के लिए संवाद एवं संपर्क बहुत जरूरी है।

इसके उपरांत समन्वय और सहयोग के भाव से ही विद्यार्थी के अंदर संतुष्टि का भाव आएगा। प्रो गुप्ता ने समन्वयकों से कहा कि वह खुले मन से अपने शिक्षार्थियों से संवाद अवश्य करें। जिससे वह शिकायतें लेकर अध्ययन केंद्र पर उपस्थित न हो। मुक्त विश्वविद्यालय के अध्ययन केंद्र के छह वर्षों तक समन्वयक का दायित्व निभा चुके प्रो गुप्ता ने कहा कि विश्वविद्यालय की सेवा करने के लिए कृतज्ञता का भाव होना चाहिए।

कृतज्ञता के भाव से ही समाज में जो अंधकार है उसे दूर किया जा सकता है। व्यक्ति के जीवन की सार्थकता तभी है जब उसका उपयोग समाज की सेवा के लिए हो। इस अवसर पर गोरखपुर क्षेत्रीय केंद्र से संबद्ध गोरखपुर देवरिया कुशीनगर महाराजगंज संत कबीर नगर तथा सिद्धार्थ नगर जिले से आए डॉ राजीव श्रीवास्तव डॉ विकास कुमार श्रीवास्तव डॉ वेद प्रकाश पांडेय प्रो महबूब आलम डॉ सुशील कुमार पांडेय आदि ने छात्र संख्या बढ़ाने के लिए महत्वपूर्ण सुझाव दिए तथा कई समस्याओं की तरफ ध्यान इंगित किया।

कार्यशाला में प्रभारी प्रवेश प्रो जयप्रकाश यादव ने समर्थ पोर्टल पर प्रवेश प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी समन्वयकों को दी। उन्होंने बताया कि प्रवेश प्रक्रिया से संबंधित वीडियो वेबसाइट पर अपलोड किया गया है। समन्वयक उसे देखकर छात्रों की समस्याओं का समाधान कर सकते हैं। परीक्षा नियंत्रक डीपी सिंह ने प्रतिभागियों की समस्याओं का समाधान प्रस्तुत किया।

कार्यशाला का संचालन डॉ ब्रजेश मिश्रा तथा क्षेत्रीय केंद्र गोरखपुर के समन्वयक डॉ प्रवीण कुमार ने अतिथियों का स्वागत किया। डॉ बृजेश पांडेय प्राचार्य रामजी सहाय डिग्री कॉलेज ने कार्यशाला की रूपरेखा प्रस्तुत की तथा धन्यवाद ज्ञापन डॉ संजय पांडेय ने किया।

एनएचएआई नौबस्ता कानपुर व एसडीएम फतेहपुर को अवमानना नोटिस

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने एनएचएआई नौबस्ता कानपुर के प्रोजेक्ट डायरेक्टर अमन रोहीला और एसडीएम सदर फतेहपुर भू अध्यासि अधिकारी प्रभाकर त्रिपाठी को अवमानना नोटिस जारी की है और स्पष्टीकरण मांगा है कि आदेश की अवहेलना करने के लिए उन्हें अवमानना के आरोप में दंडित क्यों न किया जाए। याचिका की सुनवाई 5 अगस्त 2024 को होगी। यह आदेश न्यायमूर्ति सलिल कुमार राय ने गांव सुकुई फतेहपुर के सत्य नारायण सिंह व घनश्याम सिंह की अवमानना याचिका पर दिया है। याचिका पर अधिवक्ता मिथिलेश कुमार तिवारी ने बहस की। इनका कहना है कि हाईकोर्ट ने एक जुलाई 2024 को याची के विरूद्ध नैसर्गिक न्याय के विरूद्ध जारी नोटिस अवैध करार देते हुए रद कर दिया था और नए सिरे से कार्यवाही का आदेश दिया था। विपक्षी ने प्रत्यावेदन तय करने के लिए जारी नोटिस में समय व स्थान नहीं दिया था।

लगाए गए वृक्षों की सुरक्षा करना आज की आवश्यकताः डॉ संजय सिंह

प्रयागराज। सिविल लाइंस स्थित एक होटल के सभागार में आयोजित कार्यक्रम में डॉ संजय सिंह ने कहा कि आप सब वरिष्ठ हैं और आप लोगों को साठ से सत्तर वर्ष का पुराना अनुभव है। आप सब पर्यावरण के विषय में बहुत कुछ जानते हैं। आप सब अनुभव करते होंगे कि पहले कितने पेड़ थे नदियां थी प्लास्टिक का बहुत कम प्रयोग था। यानी पर्यावरण संरक्षण का पूरा ध्यान दिया जाता था पर आज मनुष्य ने अपनी जरूरत के हिसाब से स्वार्थी बन करके पेड़ों को काट काट कर प्रदूषण को बढ़ावा दिया है। आज दूर दूर तक नदी पोखरा तालाब या जलाशय दिखाई नहीं देता है। आप सबका कर्तव्य बनता है की जो नदी का पानी आचमन योग्य था उसे स्वच्छ रखने के लिए लोगों को दिशा निर्देश देना चाहिए। सर्वप्रथम राष्ट्रगान के बाद कार्यक्रम प्रारंभ हुआ। जिसका संचालन नरेश राय ने किया और अध्यक्षता राजीव महेश्वरी ने की। उपाध्यक्ष पूर्व न्यायमूर्ति राजेश कुमार ने कहा कि फैक्ट्री के द्वारा बहुत ज्यादा प्रदूषण हो रहा है सारी गंदगी नदियों में बढ़ाई जा रही है। पेड़ कम लग रहे हैं और सुरक्षा न के बराबर हो रही है। वृक्ष कम लगे पर सुरक्षा ज्यादा हो एक पेड़ अपने मां के नाम लगे ऐसा आपका कहना था। सचिव सीए डॉ नवीन चंद्र अग्रवाल एवं अन्य मंचासीन द्वारा मुख्य वक्ता डॉ संजय सिंह को संस्था का स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया।

गुरु पूर्णिमा के अवसर पर आश्रमों में आयोजित हुआ गुरुओं का पूजन

संवाददाता। प्रयागराज

गुरू पूर्णिमा पर रविवार को संत महात्माओं के आश्रम में गुरू पूजन के बाद विशाल भण्डारा शुरू हुआ। जिसमें बड़ी संख्या में शिष्यगण परिवार सहित और बड़ी संख्या में शहर के लोग प्रसाद ग्रहण किया। उप्र किन्नर वेलफेयर बोर्ड की वरिष्ठ सदस्य और किन्नर अखाड़ा की प्रदेश अध्यक्ष महामंडलेश्वर स्वामी कौशल्यानंद गिरि महराज ने बताया कि गुरू पूर्णिमा रविवार को इन्द्रपुरी बैरहना स्थित पार्क में सुबह नौ बजे से गुरू पूजन कार्यक्रम शुरू हुआ। सबसे पहले हम लोगों ने गुरू का विधि विधान से पूजन किया।

उसके बाद सभी शिष्यगण ने पूजन अर्चन किया। उसके बाद विशाल भण्डारे में बड़ी संख्या में लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया। चौफटका स्थित देवगिरी हनुमान मंदिर के व्यवस्थापक महामंडलेश्वर स्वामी वीरेन्द्रनंद ब्रह्मचारी महाराज ने बताया कि आश्रम में गुरूदेव का पूजन सुबह सात बजे से शुरू हुआ और उसके बाद शिष्यगणो ने मेरा पूजन किया। दोपहर के बाद से विशाल भण्डारे का आयोजन किया गया है। जिसमें बड़ी संख्या में लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया। ओम नम: शिवाय की ओर से गऊघाट स्थित आश्रम में सबसे पहले भगवान शिव का रूद्राभिषेक और पूजन हुआ उसके बाद बड़ी संख्या में शिष्यों ने गुरूदेव का पूजन किया।

दोपहर बाद विशाल भण्डारे का आयोजन किया गया जिसमें बड़ी संख्या में शिष्यों ने परिवार सहित प्रसाद ग्रहण किया। परमहंस स्वामी प्रभाकर महराज नैनी स्थित सिद्धविनायक गेस्ट हाउस दुबे तालाब सेमेस्टर स्कूल चाका में गुरू पूजन और विशाल भण्डारे का आयोजन किया। श्रीरामझरोखा कैलाश धाम के महामंडलेश्वर स्वामी सरजू दास महात्यागी ने बताया कि सुबह सात बजे से गुरू पूजन शुरू हुआ। सुबह नौ बजे से सभी शिष्य परिवार सहित मेरा पूजन कर विशाल भण्डारे में सभी लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया। जगद्गुरु नारायणाचार्य स्वामी शांडिल्य जी महराज का शिष्यों ने पूजन कर प्रसाद ग्रहण किया।

आम आदमी पार्टी ने आयोजित विशाल वृक्षारोपण कार्यक्रम

मीरज़ापुर। गुरु पूर्णिमा के पावन पर्व पर आम आदमी पार्टी यूथ विंग के नगर अध्यक्ष संतोष सोनी के नेतृत्व में यूथ विंग के सैकड़ो पदाधिकारी ने बरिया घाट दानेश्वर, नागेश्वर महादेव के अगल-बगल विशाल वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया । तथा सैकड़ो वृक्ष लगाए गए। कार्यक्रम की शुरुआत आम आदमी पार्टी के प्रदेश सचिव काशी प्रांत सुनील कुमार पांडे एडवोकेट एवं पार्टी की जिला अध्यक्ष प्रोफेसर बी सिंह तथा यूथ विंग के जिला अध्यक्ष सत्यम त्रिपाठी द्वारा किया गया। इस दौरान प्रमुख रूप से पीपल आम नीम सहित कई प्रजातियों के सैकड़ो वृक्ष पूरी सुरक्षा के साथ लगाया गया। उन्हें पर्यावरण को संरक्षण देने के लिए सुरक्षित रखने का संकल्प लिया गया। वृक्षारोपण कार्यक्रम को संबोधित करते हुए आम आदमी पार्टी के प्रदेश सचिव काशी प्रांत सुनील कुमार पांडे एडवोकेट ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण एवं मानव जीवन की सुरक्षा के लिए वृक्षारोपण अत्यंत आवश्यक कार्य है। इस कार्य को सभी नागरिकों को पूरी ईमानदारी के साथ करना चाहिए तभी हम आने वाली पीढ़ियों को एक स्वस्थ एवं सुंदर पर्यावरण दे सकते हैं । उन्होंने कहा कि बारिश ना होना भी कहीं ना कहीं पर्यावरण असंतुलन का संकेत है। इसलिए पेड़ लगाकर उसे सुरक्षित करने से ही पर्यावरण को सुरक्षित किया जा सकता है । कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पार्टी के जिला अध्यक्ष प्रोफेसर बी सिंह ने कहा कि पेड़ लगाना और पर्यावरण को सुरक्षित करना सभी नागरिकों का प्रथम कर्तव्य है। हम पर्यावरण की संरक्षण का दायित्व सरकारों पर नही छोड़ सकते क्योंकि पर्यावरण की सुरक्षा के लिए सभी नागरिकों को जागरुक होकर वृक्षारोपण कार्यक्रम में भाग लेना चाहिए। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए यूथ विंग के जिला अध्यक्ष सत्यम त्रिपाठी ने कहा कि आम आदमी पार्टी यूथ विंग लगातार पूरे जनपद में वृक्षारोपण का कार्यक्रम करता रहेगा । उन्होंने नगर कमेटी को इस पुनीत कार्य के लिए बधाई दिया । कार्यक्रम के आयोजक संयोजक आम आदमी पार्टी यूथ विंग के नगर अध्यक्ष संतोष सोनी ने कहा कि आज यहां पर जो पेड़ लगाए गए हैं उनको रोज पानी देना और उनकी सुरक्षा करना हमारा प्रथम कर्तव्य होगा। उन्होंने इन सैकड़ो पौधों को गोद लेते हुए उनकी सुरक्षा का भी संकल्प लिया।

हनुमान मंदिर में गुरु पूर्णिमा पर बौद्धिक टीकाकरण कार्यक्रम का हुआ आयोजन

मीरज़ापुर। गुरु-पूर्णिमा के अवसर पर नगर के गैबीघाट स्थित श्री बाल हनुमान मंदिर हनुमान जी के विशेष श्रृंगार, पूजन-अर्चन, आरती के साथ सुंदरकांड का पाठ और बौद्धिक टीकाकरण कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में भारी संख्या में 10 वर्ष तक के बच्चे शामिल रहे जिन्हें हनुमान जी के श्रीचरणों का टीका आज्ञा-चक्र पर लगाते हुए उनके बौद्धिक विकास की कामना की गई।

इस अवसर पर उपस्थित कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथियों ने गुरु-पूर्णिमा की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि सच्चा गुरु वही जो शिष्य नहीं बल्कि गुरु बनाता है। वक्ताओं ने कहा कि नई पीढ़ी को संस्कारवान बनाने में गुरु- पीठ की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। गुरुत्व-शक्ति की वृद्धि के लिए बौद्धिक टीकाकरण के दौरान मन्दिर के पुजारी रामानुज ने महाराज भगवान श्रीराम के आदर्शों को सिर्फ कहने के लिए नहीं अपनाने पर जोर दिया।

कार्यक्रम में महर्षि दयानंद बालिका इंटर कॉलेज की प्रधानाचार्य डॉ. ऊषा कनक पाठक, डैफोडिल्स पब्लिक स्कूल के शिक्षक अरविंद अवस्थी एवं आध्यात्मिक, सांस्कृतिक एवं साहित्यिक संस्था त्रिवेणी के अध्यक्ष रविंद्र कुमार पांडेय ने विचार व्यक्त किया।

इस अवसर पर विंध्यवासिनी केसरवानी, अतुल मालवीय, ऋषभ मालवीय, रमाकांत त्रिपाठी, धर्मराज, विजय पांडेय, कन्हैया कुमार, विजय निषाद, पिंटू शर्मा, अमित शर्मा, संगीता देवी, रेनू यादव, दीपक निषाद, पंकज विश्वकर्मा, पप्पू एवं सूरज निषाद आदि की सक्रिय भागीदारी रही। उक्त आयोजन के प्रभारी सलिल पांडेय तथा अन्य कई लोगों ने कार्यक्रम का सन्चालन किया।

आतंकवाद से मुकाबला

मोदी का फैसला

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आतंकवाद से मुकाबले के लिए जम्मू कश्मीर में 'पूर्ण तैनाती' के आदेश दिए हैं। यह नागरिकों की सुरक्षा के दृष्टिकोण से स्वागत योग्य निर्णय है। आतंकवाद पर बढ़ती चिन्ता को संबोधित करने तथा सुरक्षा मजबूत करने की दिशा में निर्णायक कदम के रूप में प्रधानमंत्री मोदी ने जम्मू क्षेत्र में सुरक्षा बलों की समग्र तैनाती का निर्णय किया है। यह रणनीतिक निर्णय भारत के एक सर्वाधिक संवेदनशील क्षेत्र में शांति और स्थायित्व सुनिश्चित करने के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता प्रकट करता है। आतंकवाद के खिलाफ राष्ट्र के वर्तमान समय में जारी संघर्ष में जम्मू का महत्वपूर्ण स्थान है। हालिया वर्षों में इस क्षेत्र में अनेक हिंसक घटनायें हुई हैं जिनके चलते सतर्कता तथा सुरक्षा बलों की प्रतिक्रिया बढ़ाने की जरूरत पड़ी है। प्रधानमंत्री का हालिया निर्देश क्षेत्र में बढ़ती आतंकी गतिविधियों तथा यहां स्थिरता समाप्त करने के प्रयासों के संदर्भ में आया है। हाल ही में चार सैनिक डोडा में शहीद हुए जिससे ऐसी घटनाओं पर फौरन लगाम लगाने की आवश्यकता सामने आई। 'पूर्ण तैनाती' के अंतर्गत जम्मू क्षेत्र को आबंटित संसाधनों तथा वहां सैनिकों की संख्या में वृद्धि होगी। इस कार्रवाई में न केवल अतिरिक्त सैनिकों की तैनाती होगी, बल्कि विभिन्न सुरक्षा एजेंसियों के बीच समन्वय बढ़ाया जाएगा जिनमें खुफिया एजेंसियां, अर्धसैनिक बल तथा स्थानीय कानून-व्यवस्था एजेंसियां शामिल हैं।

तैनाती की रणनीति में कुछ प्रमुख क्षेत्रों पर ध्यान केन्द्रित किया जाएगा। पहला, निगरानी बढ़ाने तथा खुफिया सूचनायें एकत्र करने पर जोर दिया जाएगा ताकि आतंकी गतिविधियों का पहले से अनुमान लगा कर उनको होने से रोका जा सके। दूसरा, सुरक्षा बलों को जोखिम वाले क्षेत्रों में गश्त बढ़ानी होगी ताकि अन्य संभावित खतरों को रोका जा सके तथा स्थानीय जनता को सुरक्षा का आश्वासन मिले। इसके साथ ही स्थानीय समुदायों से सहयोग प्राप्त करने का प्रयास किया जाएगा ताकि महत्वपूर्ण सूचनायें मिलें तथा उनमें विश्वास पैदा हो। यह प्रभावी आतंकवाद-विरोधी कार्रवाइयों के लिए जरूरी है। कोई आश्चर्य नहीं कि प्रधानमंत्री मोदी के निर्णय को विभिन्न क्षेत्रों से समर्थन मिला है जिनमें राजनेता, सुरक्षा विशेषज्ञ तथा आम जनता शामिल है। सरकार ने जोर दिया है कि यह कदम एक व्यापक रणनीति का हिस्सा है जिसका उद्देश्य आतंकवाद द्वारा पैदा चुनौतियों को संबोधित करना तथा जम्मू में नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करना है। एक बयान में प्रधानमंत्री मोदी ने ऐसे खतरों को देखते हुए सतर्कता बढ़ाने तथा दृढ़ रहने की आवश्यकता पर जोर दिया है। उन्होंने जनता को आश्वस्त किया है कि सरकार का प्रमुख लक्ष्य क्षेत्र में लोगों का जीवन बचाना तथा शांति बनाए रखना है। जम्मू में पूर्ण तैनाती आतंकवाद से मुकाबले में भारत के वर्तमान प्रयासों में महत्वपूर्ण कदम है। उम्मीद है कि सुरक्षा बलों की बढ़ी हुई उपस्थिति तथा बेहतर समन्वय से आतंकी गतिविधियों का मुकाबला करने तथा क्षेत्र में सामान्य स्थिति बहाल करने में सहायता मिलेगी। बदलती स्थिति को देखते हुए जीवन्त सुरक्षा ढांचे के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता पर सबकी नजर रहेगी। बड़ी संख्या में सुरक्षा बलों की तैनाती की प्रभावशीलता रेखांकित रणनीतियों के सफल क्रियान्वयन तथा उभरती चुनौतियों के अनुसार स्वयं को ढालने की क्षमता पर निर्भर करेगी। 'पूर्ण तैनाती' का प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का आदेश आतंकवादियों के लिए स्पष्ट चेतावनी है कि भारत अपने क्षेत्र में किसी प्रकार की अराजकता बर्दाश्त करने के लिए तैयार नहीं है और वह आतंकवादियों का सफाया कर देगा।

बैंकिंग क्षेत्र में सुधारों की उम्मीद

पिछले वर्षों में भारतीय बैंक घोटालों, डूबे कर्जों तथा बढ़ते एनपीए से निपटते रहे हैं। हालिया सरकारी पहलों से कर्जों की वसूली में उल्लेखनीय वृद्धि तथा एनपीए में कमी आई है।

विवेक शुक्ला
(लेखक, वरिष्ठ पत्रकार हैं)

पिछले वर्षों में भारतीय बैंक घोटालों, डूबे कर्जों तथा बढ़ते एनपीए से निपटते रहे हैं। हालिया सरकारी पहलों से कर्जों की वसूली में उल्लेखनीय वृद्धि तथा एनपीए में कमी आई है। केन्द्र में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में पुन: सरकार बनने से बैंकिंग क्षेत्र को ज्यादा पारदर्शी तथा सक्षम बनाने की दिशा में मजबूत कदम उठाने की उम्मीद बढ़ी है। हालिया वर्षों में भारतीय बैंकों को किसी अन्य देश के बैंकों की तुलना में काफी अधिक उतार-चढ़ावों का सामना करना पड़ा है। 2014 में पहली बार मोदी सरकार बनने से पहले भारतीय बैंकों को अनेकानेक घोटालों, कर्ज देने में धोखाधड़ी, घोटालों, बढ़ती गैर-निष्पादित परिसंपत्तियों-एनपीए तथा कर्ज माफी की गलत नीतियों का शिकार होना पड़ा था। इसके कारण कुछ बैंक डूब गए थे या उनमें भारी घाटा हुआ था। हालांकि, मोदी के सत्ता में आने से पहले भी केन्द्र सरकारों ने इन मुद्दों से निपटने के लिए कुछ कदम उठाए थे, पर उनके आधे-अधूरे क्रियान्वयन के कारण इच्छित परिणाम सामने नहीं आए थे। सौभाग्य से प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में सरकार ने तेजी से कदम उठाते हुए बैंकिंग क्षेत्र में व्याप्त अनियमितताओं को संबोधित किया। इन कदमों तथा सरकार द्वारा निर्धारित नीतियों के सटीक व प्रतिबद्ध क्रियान्वयन से धीरे-धीरे भारतीय बैंकों की स्थिति में सुधार आया। मोदी के नेतृत्व में 2019 में पुन: केन्द्र सरकार बनने के बाद बैंकिंग व्यवस्था के सुधार में और तेजी आई। इसके परिणामस्वरूप आज अधिकांश बैंकों की स्थिति पहले की तुलना में बहुत अच्छी हो गई है।

मोदी सरकार की नीतियों के चलते अनेक बैंक न केवल अपने नुकसान की भरपाई कर सके हैं, बल्कि वे मुनाफे की ओर भी बढ़ रहे हैं। इसके साथ ही उन्होंने घोटालों पर लगभग पूर्ण विराम लगा दिया है। धोखाधड़ी करने वाले अनेक लोगों की परिसंपत्तियां जब्त कर कर्जों की वसूली की गई है, बैंकों का पुन: पूंजीकरण किया गया है तथा एनपीए के बोझ में भारी कमी आई है। यह एक अत्यन्त सकारात्मक स्थिति है। 2013 से 2017 के बीच जहां एनपीए 12.47 प्रतिशत था, वहीं यह धीरे-धीरे घट कर सितंबर, 2023 में केवल 3.2 प्रतिशत रह गया। हालांकि, इस कमी में सरकार द्वारा बैंकों के पुन: पूंजीकरण के प्रयासों ने महत्वपूर्ण भूमिका अदा की है। वर्तमान समय में सवाल यह है कि क्या बैंकों में सुधार की वर्तमान स्थिति आगे बढ़ेगी अथवा 'लौट के बुद्धू घर को आए' वाली कहावत फिर सही सिद्ध होगी। अतीत में भारतीय बैंक इस बात की गवाही बने हैं कि स्वतंत्रता के पहले और उसके बाद भी अनेक बैंक भारी घाटे के कारण डूब रहे थे। इस उथलपुथल वाली स्थिति से हमें यह सोचने पर मजबूर होना पड़ रहा है कि जब तक लंबे समय तक बैंकों में सुधारों की प्रक्रिया जारी नहीं रहती है तब तक समस्या का स्थाई समाधान सामने नहीं आएगा।

वरिष्ठ लेखक श्रीपाल जैन ने अपनी हालिया पुस्तक 'भारतीय बैंकों का बदलता चेहरा' में बैंकिंग क्षेत्र से जुड़ी अनेक उपलब्धियों, समस्याओं और परिघटनाओं का विस्तृत विश्लेषण किया है। इस पुस्तक में घोटालों, बड़े-बड़े घोटालेबाजों, घोटालों के तरीकों, बैंकिंग व्यवस्था में साइबर अपराधों, 'यस बैंक' के उत्थान और पतन, एनपीए का संजाल, आदि का विस्तृत विवरण पेश किया है। उन्होंने आजादी के पहले और बाद में बैंकिंग संस्थानों की स्थिति का वर्णन किया है। इसके साथ ही पुस्तक में बैंक निजीकरण पर मचे शोर, कृषि कर्जों की माफी के अर्थशास्त्र, नोटबंदी, जन-धन योजना, भारतीय रिजर्व बैंक की स्वायत्तता तथा डिजिटल बैंकिंग की बढ़ती लोकप्रियता व इसके जोखिमों, आदि का भी विस्तृत वर्णन किया गया है।

स्वतंत्रता के बाद देश में निजी व सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक थे, पर उनके भीतर अनेक घोटाले होते रहते थे और वे अनेक मामलों में विफल रहते थे। इसके बावजूद सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक आर्थिक वृद्धि तथा बिजनेस विस्तार की प्रमुख कुंजी बने हुए थे। निजी बैंक आमतौर से साधारण लोगों के खाते नहीं खोलते थे। जुलाई, 1969 में बैंकों के राष्ट्रीयकरण से आम जनता की बैंकों तक पहुंच बढ़ी। इस कालखंड में अनेक बैंकों का विलय हुआ जिसके कारण कुछ सकारात्मक नतीजे सामने आए। लेकिन धीरे-धीरे भ्रष्टाचार, रिश्वतखोरी तथा सार्वजनिक बैंकों में राजनीतिक हस्तक्षेप के कारण भारी मात्रा में असली और फर्जी कंपनियें को कर्ज दिए गए। इनमें से अनेक कर्जों की या तो वापसी नहीं हुई या उनकी केवल आंशिक वसूली ही संभव हुई। इसके परिणामस्वरूप सार्वजनिक तथा निजी बैंकों को भारी घाटा हुआ। 1990 के दशकारंभ में 'उदारवादी नीतियां' स्वीकार की गईं और इसके थोड़े समय बाद एचडीएफसी, आईसीआईसीआई बैंक, यस बैंक, आदि निजी बैंक अपनी आधुनिक तकनीकों के कारण लोकप्रिय हो गए। इन तकनीकों से पैसा जमा करने, पैसा निकालने, चेकों की तेजी से क्लियरिंग, बीमा, म्यूचुअल फंड, आदि खोलना शामिल था। निजी बैंकों के नए उत्पादों, योजनाओं और आधुनिक तकनीकों ने सार्वजनिक क्षेत्र बैंकों के सामने भारी प्रतियोगिता पैदा की। इसके कारण सार्वजनिक क्षेत्र बैंकों तथा निजी क्षेत्र के अन्य बैंकों को नए उत्पादों, योजनाओं और आधुनिक तकनीकों को लागू करने के लिए मजबूर किया। इसके परिणामस्वरूप सार्वजनिक और निजी क्षेत्र के बैंकों की स्थितियों में सुधार आया, लेकिन उदारीकरण की लहर ने भी अनेक घोटालों, रिश्वतों, भ्रष्टाचार तथा राजनीतिक हस्तक्षेप को जारी रखा।

इसके कारण सार्वजनिक व निजी क्षेत्र बैंकों को अनेक घोटालों का सामना भी करना पड़ा। हर्षद मेहता व केतन पारिख जैसे घोटालेबाजों द्वारा किए गए विशाल घोटालों तथा 'ग्लोबल ट्रस्ट' जैसे बैंकों के डूबने की परिघटनायें भी इस कालखंड में सामने आईं। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में बनी सरकार के पहले कार्यकाल में पीएनबी बैंक, पीएमसी बैंक व अन्य सहकारी बैंकों तथा यस बैंक आदि में हुए घोटालों तथा बड़े घोटालेबाजों के विदेश भाग जाने से काफी बड़ा संकट पैदा हुआ। इस कारण बैंकों पर एनपीए का बोझ रिकार्ड स्तर पर पहुंच गया। इस संदर्भ में छोटे बैंकों के बड़े सार्वजनिक बैंकों में विलय का प्रशंसनीय कदम उठाया गया जिससे बड़े सार्वजनिक क्षेत्र बैंकों की संख्या घटी। इस बीच भारत का व्यापार तेजी से बढ़ रहा था जिससे बैंकों में पूंजी तरलता लगातार पैदा हो रही थी। मोदी सरकार ने भारतीय रिजर्व बैंक की निगरानी को ज्यादा प्रभावी बनाया, नोटबंदी की, जनधन योजना व आवास योजनायें शुरू कीं तथा आत्मनिर्भर भारत, विनिर्माण व अन्य क्षेत्रों को तेजी से आगे बढ़ाया।

इस बीच कोविड-19 वैश्विक महामारी का हमला हुआ जिसने अर्थव्यवस्था को तगड़ा धक्का दिया। लेकिन कुछ ही महीनों में मोदी सरकार ने आर्थिक मोर्चे पर नियंत्रण के लिए मजबूत कदम उठाए। महामारी के दौरान बैंकिंग में डिजिटल लेनदेन तेजी से बढ़े और उन्होंने सारी दुनिया के रिकार्ड तोड़ दिए। मोदी सरकार के प्रयासों से वैश्विक महामारी तथा इस दौरान लाकडाउन के कालखंड में देश के सबसे गरीब लोगों की आजीविका तथा मूलभूत आवश्यकतायें मोटेतौर से पूरी की जा सकीं। इसमें जनधन योजना, आधार कार्ड तथा यूपीआई ने महत्वपूर्ण भूमिका अदा की।

वर्तमान समय में यूपीआई न केवल भारत, बल्कि विदेशों में भी अपनी छाप छोड़ रही है। लेकिन इन सबके बावजूद बैंकों के स्वास्थ्य के प्रति निश्चिन्त नहीं हुआ जा सकता है। आज भी कभी-कभी बैंक घोटाले सामने आते हैं, डिजिटल बैंकिंग घोटाले बढ़ रहे हैं तथा बैंकिंग क्षेत्र में साइबर अपराधियों का दायरा लगातार बढ़ता जा रहा है। इसके कारण न केवल बैंकों, बल्कि खाताधारकों को भी भारी नुकसान हो रहा है। इस मुद्दे पर अभी फूलप्रूफ लगाम नहीं लगी है। श्रीपाल जैन ने अपनी उपरोक्त पुस्तक के समापन में कहा है, 'वर्तमान समय में अनेक बैंक मुनाफे की ओर बढ़ रहे हैं। मोदी सरकार ने समस्याओं और चुनौतियों को अवसरों में बदला है जिसमें भारतीय रिजर्व बैंक की निगरानी का महत्वपूर्ण योगदान है।' लेकिन जब तक फर्जी दस्तावेजों के आधार पर भ्रष्टाचार जारी है तथा बैंकिंग में साइबर अपराधियों की घुसपैठ नहीं रोकी जाती है, तब तक बैंकों को मजबूत करने तथा फूलप्रूफ सुरक्षा देने का वादा पूरा नहीं होगा।

ट्रंप पर हमले के भावी परिणाम

डोनाल्ड ट्रंप पर हुए हमले का अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव और अमेरिकी राजनीति पर दूरगामी प्रभाव पड़ सकता है।

कुमारदीप बनर्जी
(लेखक, नीति विश्लेषक हैं)

वैश्विक मामलों की अस्थिर बिसात पर एक सप्ताह का समय काफी लंबा होता है, हालांकि, संयुक्त राज्य अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की हाल ही में हुई हत्या की कोशिश भविष्य की कार्रवाई पर गहरा प्रभाव डालेगी। जबकि हाल के दिनों में कई यूरोपीय नेताओं और मध्य पूर्व के कुछ लोगों पर हिंसक जानलेवा हमले किए गए हैं, पूर्व राष्ट्रपति ट्रंप के कानों के पास से गोली निकल जाने से विश्व नेताओं के लिए कई सवाल खड़े हो गए हैं।

यह अनुमान लगाना जल्दबाजी होगी कि हत्या की कोशिश डोनाल्ड ट्रंप के लिए एक शानदार जीत में तब्दील होगी या नहीं, जो नवंबर के चुनावों में मौजूदा राष्ट्रपति जो बिडेन के साथ फिर से मुकाबला करने का सामना कर रहे हैं। अमेरिका में डेमोक्रेट्स एक विभाजित समूह हैं, जिसमें कई नेता आंतरिक रूप से राष्ट्रपति जो बिडेन की ओवल ऑफिस में दूसरी बार आने की कोशिश पर सवाल उठा रहे हैं, क्योंकि उनकी उम्र से संबंधित कई सार्वजनिक गलतियां हैं।

अमेरिका और दुनिया भर के कई अन्य थिंक टैंक क्षेत्रों में अधिकांश सार्वजनिक बहसें राष्ट्रपति बिडेन की मानसिक सतर्कता पर बहस कर रही हैं और अगर वे दूसरी बार चुने जाते हैं तो वे अपना पूरा चार साल का कार्यकाल पूरा कर पाएंगे। किसी गंभीर बीमारी के कारण बीच में कोई भी बदलाव, जिसकी आशंका जताई जा रही है, अमेरिकी राष्ट्रपति के दूसरे कार्यकाल के लिए बोली को कमजोर कर देगा।

भारत सहित हर महत्वपूर्ण लोकतंत्र की तरह, अमेरिका में मतदाता एक विभाजित समूह है, जिसमें ट्रम्प और जो बिडेन के समर्थकों के बीच एक गहरी खाई है। ट्रम्प और उनके समर्थकों पर

डेमोक्रेट का हमला उसी तरह का है, जैसा कि भारत में विपक्षी दलों ने हाल ही में संपन्न संसदीय चुनावों के दौरान किया था। अपने मतदाताओं को मुख्य संदेश देश को तानाशाही ताकतों (ट्रम्प/पीएम मोदी) से बचाना है, जो अपने बड़े-से-बड़े पंथ के नेताओं के तहत संविधान को उलट देंगे। इससे मतदाताओं में दरार पैदा हो गई, जो पहले से ही बिखर चुके समाज में लगातार सूचनाओं के सागर से भरे हुए थे, जो मुख्य रूप से सोशल मीडिया पर एक ही घटना के परस्पर विरोधी संस्करण भेज रहे थे। राजनीति और बयानबाजी को अलग रखें, तो ट्रम्प के युद्ध के मैदान (चुनाव अभियान) में वापस आने के बाद, एक दिलचस्प प्रिज्म होगा, जिसमें वे पेंसिल्वेनिया में मंच से एक प्रतिष्ठित मुट्ठी के साथ और पृष्ठभूमि में अमेरिकी ध्वज लहराते हुए उतरेंगे।

यह तस्वीर आने वाले लंबे समय के लिए अमेरिकी लोकतंत्र की लचीलापन को परिभाषित करने की संभावना है। अपने कुछ साक्षात्कारों में, श्री ट्रम्प, जीवन को बदलने वाली घटना से विनम्र प्रतीत होते हैं, जहाँ वे लगभग ओवल ऑफिस के बजाय ताबूत में समाप्त हो गए थे। यह देखना सार्थक होगा कि क्या पूर्व राष्ट्रपति अपने कुछ प्रमुख घोषणापत्र जैसे कि आव्रजन और चुनने की स्वतंत्रता (आत्मरक्षा के लिए आग्नेयास्त्र रखने के अधिकार सहित) पर संयम बरतते हैं। वैश्विक परिप्रेक्ष्य से आप्रवासन एक ऐसा विषय है जिस पर बारीकी से नज़र रखी जाएगी, जिसमें भारत भी शामिल है, जहाँ सबसे ज्यादा आप्रवासी वैध या अवैध मार्गों से अमेरिकी तटों पर पहुंचते हैं। डोनाल्ड ट्रंप के उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार जे डी वेंस का जीवनसाथी पीआईओ है।

उनकी पत्नी के माता-पिता आंध्र प्रदेश से आए अप्रवासी हैं और एक तरह से, यह चुनाव अमेरिकी समाज की बहुलतावादी प्रकृति को परिभाषित करता है। यह मान लेना एक दूर की कौड़ी होगी कि अगर ट्रंप को दूसरा कार्यकाल मिलता है, तो उनके उपराष्ट्रपति बनने के कारण आप्रवासन पर उनके विचार और नीतियाँ नरम पड़ जाएँगी। इसी तरह, ट्रंप की वापसी का द्विपक्षीय व्यापार संबंधों पर दूरगामी प्रभाव पड़ सकता है, खासकर भारत के साथ। कोई यह तर्क दे सकता है कि भारत को वाशिंगटन डीसी में कई रक्षा और प्रौद्योगिकी साझेदारियों पर द्विदलीय समर्थन प्राप्त है, जिसे पीएम मोदी ने एक दशक से ज्यादा समय तक सावधानीपूर्वक पोषित किया है।

पीएम मोदी शायद एकमात्र ऐसे पीएम हैं, जिन्होंने पिछले एक दशक में तीन अमेरिकी राष्ट्रपतियों के साथ काम किया है और नवंबर में उनके किसी पूर्व मित्र ट्रंप या बिडेन के वापस आने की संभावना है। यह अनिश्चित समय हो सकता है, तथापि, अतीत के रिश्ते और हिंद-प्रशांत क्षेत्र के भविष्य को सुरक्षित करने का वादा, नई व्यवस्था के तहत भारत और अमेरिका के बीच संबंधों को मजबूत बनाए रखने के लिए महत्वपूर्ण साबित होगा।

आप की बात

उचित आदेश

उत्तर प्रदेश और हरिद्वार में जारी आदेश के मुताबिक कांवड़ यात्रा के पूरे रूट पर दुकान लगाने वाले तमाम लोगों के लिए अपनी पहचान सार्वजनिक तौर पर प्रदर्शित करना अनिवार्य होगा। उत्तर प्रदेश व उत्तराखंड सरकार द्वारा लिया गया यह निर्णय पूरी तरह उचित है। कांवड़ यात्रा के मार्ग पर लगाई गई दुकानों पर मलिक का नाम लिखने में किसी को आपत्ति नहीं होनी चाहिये। देखने में आया है कि कुछ अल्पसंख्यक हिंदू नाम रखकर दुकानें खोल लेते हैं। यह एक प्रकार से हिंदुओं की आस्था पर प्रहार है। अनेक शाकाहारी लोग मांसाहारी लोगों के हाथ का बना खाना अपवित्र समझते हैं। ऐसे में उन्हें धोखे से खाना खिलाना सरासर गलत है। कुछ लोग पूजा सामग्री, हार, फूल, प्रसाद की दुकान भी अपनी पहचान छुपा कर लगा लेते हैं। इसका खुलासा कई बार हो चुका है। गलत बोर्ड लगाकर हिंदुओं को भ्रमित करना किसी भी दृष्टि से उचित नहीं है। इस मसले पर राजनीति करना उचित नहीं है। इस तथ्य को भी अनदेखा नहीं किया जाना चाहिए कि अनेक स्थानों पर मुस्लिम अपनी पूरी पहचान के साथ खाने-पीने व मिठाइयों की दूकानें लगाते हैं और बड़ी संख्या में उनके ग्राहक हिंदू भी हैं। अत: इस आदेश को किसी प्रकार मुस्लिम-विरोधी नहीं कहा जा सकता है।

-सुभाष बुड़ावन वाला, रतलाम

बाइडेन की दुविधा

जो बाइडेन ने निसंदेह अपने कार्यकाल में अनेक राष्ट्रीय एवं अन्तराष्ट्रीय मामलों को ठीक से हैंडल किया। खासकर उनके प्रयास से ही यूक्रेन अब तक रूस के साथ संघर्ष के मैदान में टिका हुआ है। लेकिन वे इस समय बढ़ती उम्र तथा अनेक शारीरिक एवं मानसिक परेशानियों से जूझ रहे हैं। लेकिन वे चुनाव में ट्रम्प को टक्कर देने से पीछे नहीं हटना चाहते हैं। हालांकि, पिछले सप्ताह तीसरी बार कोविड होने के बाद कहा कि अगर उनके डॉक्टर कहेंगे तो वे चुनाव मैदान से हटने के बारे में सोचेंगे। लेकिन वे इसमें जितना समय लगाएंगे उतना ही फायदा ट्रम्प को होगा। इसलिए अब बिना समय गंवाए जो बाइडेन को कमला हैरिस या किसी और का नाम प्रस्तावित कर देना चाहिए। अब तक 40 से ऊपर डेमोक्रेटिक नेताओं ने उनसे मैदान से हटने की विनती की है। यहाँ तक उनके बॉस रह चुके बराक ओबामा ने भी कह दिया है कि बाइडेन को निर्णय लेने में देरी नहीं करनी चाहिए। जो बाइडेन की दुविधा उनके, उनकी डेमोक्रेटिक पार्टी तथा संभवत: बाकी दुनिया के लिए भी घातक सिद्ध हो सकती है। अनेक राजनीतिक विश्लेषक साफ-साफ कह चुके है कि ट्रंप न केवल अमेरिका, बल्कि सारी दुनिया के लिए हानिकारक हो सकते हैं।

- जंग बहादुर सिंह, जमशेदपुर

रेल दुर्घटना

उत्तर प्रदेश में गोंडा के पास एक्सप्रेस की 3 बोगियां पलटने से 4 यात्रियों की दुखद मृत्यु और अनेक घायल हो गए। रेलवे द्वारा मृतकों के परिजनों को 10 लाख, गंभीर घायलों को 2.50 लाख व घायलों को 50 हजार रुपये मुआवजा देने की घोषणा की है। हादसे के बाद राजनेताओं की अनेक प्रतिक्रियायें आई हैं जो उनके पक्ष या विपक्ष में होने पर निर्भर करती हैं। लेकिन रेलवे में होने वाली दुर्घटनाओं पर गंभीरता से विचार कर एक समग्र नीति बनाने की आवश्यकता है। इससे पहले भी कुछ ही महीनों में कई ट्रेन दुर्घटनाएं हुई हैं, जिनमें काफी जान-माल का नुकसान हुआ है। हालिया दुर्घटना का कारण पटरी की खराबी बताया गया है, जबकि पहले की अनेक दुर्घटनायें ड्राइवरों या लाइनमैनों की गलतियों तथा ट्रेनों के टकराने से हुई हैं। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कुछ समय पहले ट्रेनों को टकराने से बचाने वाले स्वचालित साफ्टवेयर कवच का सभी ट्रेनों में प्रयोग अनिवार्य करने की बात कही थी। लेकिन सारी ट्रेन दुर्घटनाओं का यही कारण नहीं है। इसलिए कवच प्रयोग के साथ ही पटरियों व सिग्नलों के रखरखाव तथा सर्वाधिक महत्वपूर्ण रूप से रेलवे में सुरक्षा सबंधी सभी पदों को जल्द से जल्द भरना भी यात्रियों की सुरक्षा हेतु जरूरी है।

-शकुंतला महेश नेनावा, इंदौर

पौष्टिक भोजन जरूरी

देश में विश्वविद्यालयों का नियमन करने वाली संस्था विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने कॉलेजों को निर्देश दिए हैं कि कॉलेज की कैंटीन में पिज्जा, बर्गर और समोसे जैसे जंक फूड की बिक्री पर रोक लगाई जाए। इस तथ्य से इनकार नहीं किया जा सकता है कि खिलाड़ियों व पहलवानों के लिए शक्तिदायक आहार की तरह पढ़ने वाले छात्रों के लिए भी पौष्टिक भोजन जरूरी है। अपना शहर और परिवार छोड़ कर पढ़ने के लिए अन्य शहरों में गए लगभग सभी विद्यार्थी फास्ट फूड, पिज़्ज़ा, बर्गर, नूडल्स आदि खाकर भूख मिटाते हैं। लेकिन इसका दुष्प्रभाव उनके शरीर पर भी पढ़ता है। आंखों व दिमाग पर भी पड़ता है। ऐसी स्थिति में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग का यह निर्देश उचित है। लेकिन इसके साथ ही फास्ट फूड के विकल्प के रूप में ऐसे खाद्य पदार्थों को प्रोत्साहन देना जरूरी है जो पैकिंगों में उपलब्ध हों, लंबे समय तक सामान्य तापमान पर रखे जा सकते हों, स्वाद में बेहतर तथा पौष्टिक होने के साथ ही नौजवानों के लिए स्वीकार्य हों। अनेक स्थानीय व देशी खाद्य पदार्थ आसानी से फास्ट फूड का विकल्प बन सकते हैं।

- विभूति बुपक्या, खाचरोद

पाठक अपनी प्रतिक्रिया ई-मेल से
responsemail.hindipioneer@gmail.com
पर भी भेज सकते हैं।

कंटेनर ने फुटपाथ की दुकानों सहित खड़ी कार को मारी टक्कर, युवती की मौत, तीन घायल

संवाददाता। बछरावां, रायबरेली

लखनऊ प्रयागराज राष्ट्रीय राजमार्ग पर अनियंत्रित कंटेनर में फुटपाथ पर लगी हुई दुकानों सहित खड़ी हुई कार को टक्कर मार दी, दुर्घटना में कार में बैठी हुई युवती की हुई मौत, तथा अन्य तीन लोग हुए घायल।

यह घटना दिनांक 20 जुलाई शनिवार रात 9:00 बजे के आसपास लखनऊ प्रयागराज हाईवे पर स्थित कुंदनगंज कस्बे में रायबरेली की ओर से लखनऊ की तरफ जा रहा एक कंटेनर अचानक अनियंत्रित हो गया।

हाईवे के किनारे लगी हुई फुटपाथ पर अंडे की दुकान, सहित अन्य दुकानों को टक्कर मारते हुए सड़क किनारे खड़ी हुई कार में टक्कर मार दी। कार में बैठी हुई युवती वर्षा अवस्थी पुत्री दशरथ अवस्थी निवासिनी जबरौली थाना मोहनलालगंज की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। कार चला रहे युवक प्रदीप दौड़ पुत्र रामगोपाल गौड़ निवासी मऊ थाना मोहनलालगंज जो कार के बाहर अंडे की दुकान पर खड़े हुए थे। चपेट में आ गए तथा अन्य सलाउद्दीन पुत्र बहुरूद्दीन उम्र 28 वर्ष निवासी कुंदनगंज, एवं सानू पुत्र मुन्ना उम्र 25 वर्ष निवासी कुंदनगंज फुटपाथ पर आसपास खड़े हुए थे। सभी घायलों को एंबुलेंस की मदद से बछरावां सीएचसी पहुंचाया गया। जहां डॉक्टरों ने युवती को मृत घोषित किया। तथा अन्य घायलों का प्राथमिक उपचार अस्पताल में ही किया गया। घटना की जानकारी होते ही मौके पर भारी संख्या में पुलिस तथा स्थानीय लोग पहुंच गए। हाईवे पर करीब आधा घंटा मार्ग भी बाधित रहा। मृतका युवती के शव को पुलिस में कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है तथा आगे की कार्यवाही की जा रही है।

इस बाबत थाना प्रभारी ओमप्रकाश तिवारी ने बताया कि घटना की जानकारी प्राप्त हुई है, शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है, तहरीर के आधार पर मुकदमा पंजीकृत कर आगे की विधिक कार्यवाही की जा रही है।

अज्ञात चोरों ने किया हजारों का माल साफ

जगदीशपुर, अमेठी। बीती रात अज्ञात चोरों ने घर में घुस कर हजारों का माल साफ कर दिया भुक्तभोगी की तहरीर पर पुलिस ने मौके का निरीक्षण करने के उपरांत मुकदमा पंजीकृत किया। भाले सुल्तान शहीद स्मारक थाना क्षेत्र के अन्तर्गत स्थित सरैया सबल शाहपुर गांव निवासी लाल बहादुर सिंह के घर में बीती रात अज्ञात चोर ने दीवार फांदकर मकान मे प्रवेश किया जहां कमरे मे रखा जेवरात व नगदी लेकर फरार हो गए सुबह परिजन घर मे सामान गायब देख दंग रह गए जिसकी आसपास काफी तलाश किया परंतु कोई सुराग हाथ नहीं लगा भुक्तभोगी ने घटना की तहरीर थाने मे देकर कार्यवाई की मांग किया तब पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण करने के पश्चात मुकदमा पंजीकृत कर अग्रिम कार्यवाई प्रारंभ किया । इस सम्बन्ध मे थानाध्यक्ष दयाशंकर मिश्रा ने बताया कि मामले की तहरीर मिलने के पश्चात अभियोग पंजीकृत कर लिया गया है जल्द ही चोर पुलिस की गिरफ्त मे होंगे।

बुराई त्यागने के संकल्प के साथ पवित्र भाव से मनाया गया गुरु पूर्णिमा पर्व

- गांव-गांव पहुंचेगा शांतिकुंज से आया शक्ति कलश

संवाददाता। अमेठी

गुरु पूर्णिमा के अवसर पर गायत्री शक्तिपीठ अमेठी पर पंचकुंडीय गायत्री महायज्ञ एवं गुरु पर्व पूजन में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने प्रतिभाग किया। रविवार को सुबह से ही गायत्री शक्तिपीठ पर श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा। प्रात: 8 बजे से प्रारंभ हुए यज्ञ में कई पालियों में श्रद्धालुओं ने आहुतियाँ डाली।

युगतीर्थ शान्तिकुंज हरिद्वार से पधारे टोलीनायक बनवारी लाल शर्मा ने बताया कि जीवन का लक्ष्य एक ही है अपने अंदर देवत्व का उदय। मनुष्य श्रेष्ठ मार्ग पर चले और देवतुल्य बन जाये इसके लिए आवश्यक है जीवन में एक सद्गुरू का होना। वेदमूर्ति तपोनिष्ठ पंडित श्रीराम शर्मा आचार्य एक ऐसे सद्गुरू हैं जिन्होंने अपनी तपश्चर्या से सदबुद्धि और सन्मार्ग के मंत्र गायत्री मंत्र को घर-घर पहुँचाया। गुरुदेव के दिखाये मार्ग पर चलकर हम अपना जीवन धन्य बना सकते हैं। आराधना, समय दान, अंशदान को अपने जीवन का अंग बना लीजिए इस मार्ग पर चलकर आपको जीवन में शुचिता, संपन्नता, प्रसन्नता सभी की प्राप्ति होगी। गुरुदेव के प्रति श्रद्धा और समर्पण से ही जीवन में उत्कृष्टता आती है। इस अवसर पर उपस्थित श्रद्धालुओं ने एक बुराई छोड़ने के संकल्प के साथ गुरुदेव एवं वंदनीया माताजी के प्रतीक स्थल सजल श्रद्धा एवं प्रखर प्रज्ञा पर पुष्पांजलि अर्पित की। कार्यक्रम में अजय करन दूबे का दीक्षा संस्कार एवं मास्टर शौर्य का जन्मदिवस संस्कार भी कराया गया। शौर्य ने अपने माता पिता व भाई बहन के साथ एक पौधे का पूजन कर वृक्षारोपण का संकल्प लिया। शान्तिकुंज की संगीत टोली के भास्कर तिवारी, राम शंकर, अभय शंकर के गीत 'जहां ले चलोगे, वहाँ मैं चलूंगा' ने श्रद्धालुओं को भाव-विभोर कर दिया।

गुरु पूर्णिमा पर श्री राम नगरी में शिष्यों ने किया अपने गुरु का पूजन

अयोध्या। गुरू पूर्णिमा पर अयोध्या में आस्था का ज्वार उमड़ पड़ा। जो मानस में वर्णित इन चौपाइयों बंदऊं गुरू पद पदुम परागा, सुरुचि सुबाष सरस अनुरागा। गुरू बिनु भवनिधि तरै न कोई, जो विरंचि शंकर सम होई।। को साक्षात बयां कर रही थी। रविवार को रामनगरी में गुरू, शिष्य का अपार स्नेह देखने को मिला। मौका था गुरू पूर्णिमा महोत्सव का, जिससे अयोध्या नगरी भक्तों के आस्था से सराबोर दिखाई दे रही है।सिद्ध पीठ सियाराम झुनकी घाट अयोध्या धाम में प्रति वर्ष की भांति इस वर्ष भी गुरु पुर्णिमा पीठाधीश्वर महंत करुणानिधान शरण जी महाराज के सानिध्य में मनाया गया जिसमें सबसे पहले श्री महाराज जी और मंदिर के अधिकारी श्री राम कथा श्रीमद् भागवत कथा के मर्मज्ञ प्रभंजनानंद महाराज ने सियाराम किला के संस्थापक झुनझुनिया बाबा, श्री मिथिला शरण महाराज, श्री किशोरी शरण महाराज का पूजन अर्चन किए, मंदिर में यह उत्सव बड़े ही हर्षोल्लास पूर्वक मनाया गया ठाकुर जी के साथ गुरुदेव भगवान का पंचामृत से अभिषेक किया गया नवीन वस्त्र धारण कराया गया और पूजन अर्चन किया गया इसके उपरांत देश के कोने-कोने से आए शिष्यों ने गुरुदेव करुणानिधान शरण महाराज और प्रभंजनानंद महाराज का पूजन अर्चन किया।

विद्युत महकमे के सभी अधिकारी मुख्यालय पर करें निवासः डीएम

- डीएम ने फोन रिसीव न करने पर विद्युत विभाग के अधिकारियों को फटकारा
- विद्युत संबंधी शिकायतों का एसडीएम और एसडीओ करें समीक्षा और निस्तारण

संवाददाता। उरई, जालौन

रविवार को जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय ने विधुत विभाग के अधिकारियों के साथ कलेक्ट्रेट सभागार में समीक्षा बैठक कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उन्होंने निर्देशित करते हुए कहा कि जनपद में निर्धारित कार्य योजना के अनुसार विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि आम जनमानस द्वारा विद्युत आपूर्ति एवं शिकायत की जाती है कि जब अधिशाषी अभियंता सहायक अभियंता एवं जेई को फोन लगाया जाता है तो फोन रिसीव नहीं किया जाता यह स्थिति ठीक नहीं है सभी अधिकारी अपनी कार्यप्रणाली में सुधार लाएं तथा शिकायतों को, फोन रिसीव करे निस्तारण करें। खराब ट्रांसफार्मरों को बदले जाने की समीक्षा में आज जनपद में 29 ट्रांसफार्मर घरेलू विद्युत आपूर्ति व नलकूप के 12 ट्रांसफार्मर खराब होने पर तत्काल बदले जाने व शिकायतों के त्वरित निस्तारण के निर्देश दिए गये।

समीक्षा दौरान अधिशासी अभियंता विद्युत द्वारा अवगत कराया गया कि प्रतिदिन औसत 27 ट्रांसफार्मर खराब हो रहे है इसलिए दो दिन का बैकलॉग हो जाता है। जिलाधिकारी ने जनपद वासियों से अपील की है कि ट्रांसफार्मर खराब की सूचना सर्वप्रथम 1912 टोल फ्री नंबर पर अवश्य करें जिससे बेहतर मॉनिटरिंग की जा सके व शिकायत का समय अंतर्गत निस्तारण किया जा सके।

उन्होंने कहा कि वर्तमान में बरसात, आंधी, तूफान आदि कारणों से फाल्ट होने, तार टूटने, पोल क्षतिग्रस्त होने, ओवर लोड होने व ट्रांसफार्मर की खराबी, फ्यूज और जम्पर उड़ने तथा हाई व लो वोल्टेज की समस्याएं बड़ी है। इन परिस्थितियों से निपटने के लिए सभी विद्युत अधिकारियों व कर्मचारियों को पूरी सक्रियता से कार्य कर समस्याओं का निस्तारण करना सुनिश्चित करेंगे।

उन्होंने कहा कि विद्युत आपूर्ति संबंधित समस्याओं का समाधान तत्काल करें रोस्टर के मुताबिक सभी क्षेत्रों में आपूर्ति सुनिश्चित की जाए। फीडर पर दस- बारह घंटे से कम का रोस्टर ना बनाये। उन्होंने कहा कि सिंचाई के लिए किसानों को आपूर्ति संबंधित समस्याएं नहीं आनी चाहिए जहां ट्रांसफार्मर खराब होने की शिकायतें आ रही हैं वहां पर 24 घंटे में अधिकतम 48 घंटे में प्राथमिकता पर उसे बदलकर आपूर्ति बहाल की जाए। समय अंतर्गत ट्रांसफार्मर बदला नहीं जाता है, तो संबंधित एसडीओ व उप जिलाधिकारी को शिकायत दर्ज कराएं, और उप जिलाधिकारी अपने-अपने संबंधित क्षेत्र में विद्युत विभाग के अधिकारी व कर्मचारियों की प्रतिदिन समीक्षा करें।

जिससे समस्याओं का निस्तारण समय पर किया जा सके। धनराशि जमा कराकर जल्द ही समस्त नलकूपों को विद्युत कनेक्शन कर संतृप्त किया जाए।

क्विक न्यूज

एम्बुलेंस कर्मियों की मदद से बची महिला की जान

अमेठी। जनपद में स्वास्थ्य विभाग द्वारा एंबुलेंस 102 और 108 मददगार साबित हो रही है। अचानक एक महिला नेहा यादव उम्र 25 वर्ष को सांस लेने में दिक्कत हो रही थी तो उसके घर वालों ने टोल फ्री नम्बर 108 पर कॉल किया और पूरी बात बताई की मेरे मरीज को जिला अस्पताल गौरीगंज से रेफर किया गया एम्स अस्पताल रायबरेली के लिए। कंट्रोल रूम में मरीज की पूरी जानकारी दर्ज की गई तत्काल मरीज के लिए टोल-फ्री नम्बर 108 की एम्बुलेंस संख्या क्क32श्वन4879 तैनात की गई। जल्द से जल्द ईएमटी दिलीप कुमार और पायलट राजेश जिला अस्पताल गौरीगंज अमेठी पहुँचकर मरीज को गाड़ी में शिफ्ट किया ईएमटी दिलीप कुमार ने मरीज से पूछा क्या समस्या है तो मरीज ने बताया साँस लेने में दिक्कत हो रही है तो ईएमटी ने अपने सीनियर डॉक्टर ईआरसीपी की मदद ली और मरीज का प्री केयर करते हुए मरीज को एम्स अस्पताल रॉयबरेली अस्पताल में मरीज को सुरक्षित भर्ती कराया मरीज की हालत अब पूरी तरह से ठीक है।

प्रतिभा खोज परीक्षा का आयोजन

अमेठी। न्याय पंचायत इस्माइलपुर में अमेठी प्रतिभा खोज परीक्षा का आयोजन कंपोजिट विद्यालय नेवढिया में किया गया। प्रतियोगिता में चार उच्च प्राथमिक विद्यालय व दो कंपोजिट विद्यालयों के 90 बच्चों ने प्रतियोगिता में प्रतिभाग किया जिसमें जिले की ओर से निर्धारित 6 प्रकार की प्रतियोगिताएं निबंध, पेंटिंग, गायन, लोक नृत्य, कविता, व भाषण आदि प्रतियोगिताएं आयोजित की गई। इन प्रतियोगिता में बच्चों ने बढ़-चढ़कर प्रतिभाग किया। यह कार्यक्रम खंड शिक्षा अधिकारी शिवकुमार यादव के निर्देशन में व नोडल शिक्षक संकुल रोहित प्रताप सिंह के संयोजन व देखरेख में संपन्न कराई गई। कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ शिक्षक संकुल इंद्रपाल गौतम ने किया। साथ ही शिक्षक संकुल राजेश कुमार ने निबंध व पेंटिंग प्रतियोगिता को निर्णायक मंडल के सहयोग से संपन्न कराया। सभी प्रतिभागी विद्यालयों से अध्यापकों ने प्रतियोगिता में बच्चों को प्रतिभाग कराया,जिसमें विभिन्न छह प्रकार की प्रतियोगिताओं में निर्णायक की भूमिका में गीता पाल, स्नेह लता सिंह , रोहित प्रताप सिंह ,शिव सहाय यादव ,प्रहलाद गौतम, राजीव रंजन भारती ,सचिन कुमार, इंद्रपाल गौतम आदि रहे। प्रतियोगिता में बच्चों ने लोक नृत्य में लोकगीत के ऊपर पारंपरिक परिधानों के साथ प्रतिभाग किया। सभी प्रतियोगिताएं संपन्न होने के बाद न्याय पंचायत स्तर पर कुल 18 बच्चों का ब्लॉक स्तर के लिए चयन हुआ।

निमंत्रण में गए युवक को दबंगों ने पीटा, 4 माह बाद केस दर्ज

नसीराबाद, रायबरेली। पुरानी रंजिश को लेकर दबंगो ने एक युवक को जमकर पीटा साथ ही पीड़ित को जान से मारने की धमकी भी दी। बाद में घायल युवक को मेडिकल के लिए सीएचसी नसीराबाद भेजा गया था। चार माह बाद पीड़ित पक्ष से मिली तहरीर पर पुलिस ने दो लोगो के विरूद्ध सम्बंधित धाराओं में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। नसीराबाद थाना क्षेत्र के ग्राम सुजवरिया निवासी गिरिजेश बहादुर सिंह पुत्र सूर्यभान सिह ने थाने मे तहरीर देते हुए बताया कि मेरा लड़का मयकेश्वर सिह उर्फ मयंक सिह बीते 4 मार्च को नसीराबाद थाना क्षेत्र के बेढ़ौना गांव निमंत्रण में गया था । वापस लौटते समय रास्ते मे गांव के ही रविशंकर पुत्र मनोहर व मनोहर पुत्र गया प्रसाद लाठी-डंडों से लैस होकर मेरे पुत्र के साथ गाली गलौज करते हुए लाठी डंडों से हमला कर गंभीर रूप से घायल कर दिया। पुलिस ने घायल युवक को मेडिकल के लिए सामुदायिक केंद्र नसीराबाद भेजा गया था। जहां चार माह बाद पुलिस ने पीड़ित के पिता से मिली तहरीर पर गांव के ही रविशंकर पुत्र मनोहर व मनोहर पुत्र गया प्रसाद के विरूद्ध सम्बंधित धाराओं में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मामले की विवेचना थाने के उपनिरीक्षक योगेंद्र कुमार को सौंपी गई है।

करंट लगने से बिजली के पोल से गिरे दो संविदा लाइनमैन

लालगंज, रायबरेली। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के निकट रविवार की दोपहर को ट्रांसफार्मर रखते समय दो संविदा लाइनमैन करंट की चपेट में आकर बुरी तरह से झुलस गए। हालत गंभीर होने पर डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें जिला अस्पताल रेफर कर दिया। अस्पताल के निकट बिजली कर्मी हाइज्ञ की मदत से ट्रांसफार्मर को पोल पर रख रहे थे। संविदा लाइनमैन धर्मेंद्र निवासी गौरा रुपई और बबलू निवासी पुरे जालिम सिंह का पुरवा पोल पर चढ़कर ट्रांसफार्मर को सहारा दे रहे थे, तभी हाइज्ञ का ऊपरी हिस्सा हाई टेंशन लाइन से छू गया। जिससे करंट की चपेट में आकर दोनों कर्मचारी ऊंचाई से नीचे जमीन पर आ गिरे। जिससे दोनों कर्मचारी गंभीर रूप से घायल हो गए। साथी बिजली कर्मियों ने दोनों घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया। जहां दोनों की हालत गंभीर होने के कारण डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें जिला अस्पताल रेफर कर दिया। एसडीओ एसपी सिंह ने बताया कि जानकारी मिली है कि कर्मचारियों ने ट्रांसफार्मर चढ़ाते समय शटडाउन नहीं लिया। लापरवाही किसी स्तर पर हुई इसकी जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

गुरु पूर्णिमा शिष्यों का आध्यात्मिक सौभाग्य जगाने का है दिवस

- मंदिरों, घरों एवं गुरुओं की समाधि स्थलों पर हुए धार्मिक आयोजन

संवाददाता। जालौन, उरई

गुरू पूर्णिमा के मौके पर मंदिरों, घरों एवं गुरूओं की समाधि स्थलों पर धार्मिक आयोजन आयोजित किए गए। नगर के मंदिरों में भक्तों ने पूजा-पाठ किया। जगह जगह प्रसाद वितरण व भंडारे का आयोजन किया गया। आषाढ़ का महीना पूजा-पाठ का महीना माना जाता है। इसीलिए इस महीने के अंतिम पखवाड़े में शुक्ल पक्ष में घरों में कुल के देवी, देवताओं की पूजा होती है। एक पखवाड़े तक पूजा होने के बाद आषाढ़ी पूर्णिमा को पूजा-पाठ का समापन होता है। अषाढ़ी पूर्णिमा अथवा गुरू पूर्णिमा को भक्त अपने गुरू की पूजा-अर्चना कर भंडारा आदि का कार्यक्रम आयोजित करते हैं। पंडित अरविंद बाजपेई बताते हैं कि गुरू शिष्य परंपरा के सम्मान और संस्कार व्यक्त करने का पवित्र दिवस गुरू पूर्णिमा है। यह पर्व शिष्यों का आध्यात्मिक सौभाग्य जगाने का दिवस है। इसलिए शिष्यों को यह अवसर खोना नहीं चाहिए। झोली फैलाकर अपने सदगुरू व भगवान दोनों से ही मांगना चाहिए।

वहीं, गुरू पूर्णिमा के चलते मंदिरों, घरों एवं गुरूओं के समाधि स्थलों पर पूजा-अर्चना कर अखंड रामायण का पाठ किया गया। इस मौके पर देवी मंदिरों एवं हनुमानजी के मंदिरों में भक्तों ने पहुंचकर श्रद्धाभाव से मिष्ठान का भोग लगाया और पूजा अर्चना की। पूर्णिमा के मौके पर नगर में जगह-जगह धार्मिक आयोजन किए गए। गुरू पूर्णिमा की पूर्व संध्या से ही कार्यक्रम प्रारंभ हो गए थे। गुरू पूर्णिमा के मौके पर शिष्यों ने अपनी श्रद्धा के अनुसार अपने गुरूदेवों की पूजा आराधना की एवं गुरू के चित्रों पर पुष्पमाला भेंट कर उनका आशीर्वाद लिया।

गाय बांधने जा रहे ग्रामीण से दो हमलावरों ने की मारपीट

जालौन, उरई। गाय बांधने जा रहे व्यक्ति को रास्ते में रोककर गांव के ही दो लोगों ने मारपीट कर जान से मारने की धमकी दे डाली। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। कोतवाली क्षेत्र के ग्राम सालाबाद निवासी अवधेश कुमार ने पुलिस को बताया कि उन्हें अपनी गाय बाड़े में बांधना थ। इसलिए वह घर से गाय लेकर बाड़े की ओर जा रहे थे। तभी रास्ते में गांव के ही महेंद्र व भोला मिल गए और गाय को रास्ते से निकालने को लेकर विवाद करने लगे। बात करने के बाद भी नहीं माने उल्टा गाली, गलौज शुरू कर दी। मना करने पर लाठी, डंडों से मारपीट कर दी। जिसमें उसे चोटें आई हैं। इतना ही नहीं शिकायत करने पर जान से मारने की धमकी भी दी है। पीडित की तहरीर पर पुलिस ने पीड़ित का चिकित्सकीय परीक्षण कराकर आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

चेकिंग के दौरान चोरी की बाइकों सहित दो को किया गिरफ्तार

रामपुरा, जालौन। चोरी की दो मोटर साइकिल सहित एक अदद चेचिस के साथ दो लोगों को गिरफ्तार करने में रामपुरा थाना पुलिस ने सफलता प्राप्त की है। प्राप्त विवरण के अनुसार पुलिस अधीक्षक जालौन डा. दुर्गेश कुमार ,अपर पुलिस अधीक्षक प्रदीप कुमार वर्मा के निर्देशन तथा क्षेत्राधिकारी माधौगढ़ शैलेंद्र कुमार बाजपेई के पर्यवेक्षण व थानाध्यक्ष रामपुरा योगेंद्र कुमार पटेल के नेतृत्व में वरिष्ठ उप निरीक्षक सत्यपाल सिंह, उप निरीक्षक हर्षवर्धन त्रिपाठी, उपनिरीक्षक राम किशोर, आरक्षी संतोष कुमार टीहर नहर पुलिया के पास संदिग्ध व्यक्ति चेकिंग कर रहे थे इस दौरान राजू दोहरे पुत्र राजू दोहरे उम्र 19 वर्ष निवासी ग्राम नगरा थाना रामपुरा व रवि खटीक उर्फ छोटू पुत्र दिनेश खटीक निवासी रामपुरा मोटर साइकिल से सवार होकर निकले पुलिस ने रोकते हुये बाइक के कागज मांगे तो वह नहीं दिखा सके। संदिग्ध परिस्थितियों में सर्च करने पर पता चला कि उक्त मोटर साइकिल यूपी 92 एसी 7866 जो दोनों युवकों के द्वारा उपयोग में लाई जा रही थी चोरी की थी जिसकी रिपोर्ट पूर्व में ही दर्ज थी।

सीएचसी में महज तीन दिन एक्सरे होने से मरीज हो रहे परेशान

- सीएमओ ने डीजी हेल्थ को पत्र लिखकर भेजी यार नियमित एक्से टेक्रीनिशनों की मांग

संवाददाता। जालौन, उरई

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में प्रतिदिन एक्सरे न होने से मरीजों को परेशानी होती है। सीएचसी में सप्ताह में तीन दिन ही एक्सरे होता है। इसकी शिकायत आईजीआरएस पोर्टल पर की गई थी। जिसके निस्तारण में शिकायतकर्ता को अवगत कराया गया है कि महानिदेशक चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाओं को पत्र लिखकर अतिरिक्त एक्सरे टैक्नीशियन की तैनाती की मांग की गई है।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में प्रतिदिन सैंकड़ों की संख्या में मरीज इलाज के लिए आते हैं। एक्सीडेंट अथवा अन्य कारणों को मरीजों को एक्सरे कराने की आवश्यकता पड़ती है। सीएचसी में एक्सरे टैक्नीशियन के रूप में राजेश सिंह की तैनाती है। उधर, कदौरा अस्पताल में एक्सरे टैक्नीशियन न होने से उनकी ड्यूटी तीन दिन के लिए कदौरा लगाई गई है। ऐसे में सोमवार, मंगलवार व बुधवार को ही मरीजों को एक्सरे की सुविधा मिल पा रही है।

पिछले लगभग 10 माह से यही व्यवस्था चल रही है। मरीजों को रही परेशानी को देखते हुए नगर के अशफाक राईन ने अस्पताल में नियमित एक्सरे सुविधा चालू कराने की मांग करते हुए आईजीआरएस पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराई गई थी। शिकायत का निस्तारण करते हुए शिकायतकर्ता को अवगत कराया गया है कि जनपद में आठ सीएचसी हैं। जिनमें माधौगढ़, नदीगांव, कालपी, कोंच जालौन व कदौरा में डिजिटल एक्सरे मशीन क्रियाशील हैं। वहीं, डकोर व रामपुरा में शासन से उपलब्ध डिजिटल एक्सरे मशीन स्थापित करा दी गई हैं।

इन मशीनों को ऑपरेट करने के लिए दो नियमित एक्सरे टेक्नीशियन राजेश सिंह व अखिलेश पाल हैं। इसके अलावा तीन डार्क रूम सहायक हैं। इसके अलावा पीपीपी मॉडल के आधार पर तीन एक्सरे टेक्नीशियन की तैनाती की गई है। डार्क रूम सहायक द्वारा एक्सरे मशीन के सुचारू रूप से संचालन में कठिनाई होती है। ऐसे में कुछ स्थानों पर एक्सरे टेक्नीशिन को संबद्ध किया गया है। बताया कि सीएमओ द्वारा महानिदेशक चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं को पत्र के माध्यम से जनपद में चार नियमित एक्सरे टेक्नीशियन की डिमांड भेजी गई है। अतिरिक्त एक्सरे टेक्नीशियन की तैनाती के बाद सभी स्थानों पर सुचारू रूप से एक्सरे की सुविधा शुरू करा दी जाएगी।

वन ब्लाक में ब्लाक प्रमुख ने हरिशंकरी के पौधों का रोपण मां के नाम किया

जालौन, उरई। एक वृक्ष मां के नाम थीम पर वृक्षारोपण महाअभियान के तहत नैनापुर वन ब्लॉक में पौधों का रोपण जालौन ब्लॉक प्रमुख रामराजा निरंजन की उपस्थिति में किया गया।

क्षेत्रीय वन अधिकारी हरिकिशोर शुक्ला के नेतृत्व एवं जालौन ब्लॉक प्रमुख रामराजा निरंजन की उपस्थिति में नैनापुर वन ब्लॉक में वृक्षारोपण महाभियान चलाया गया। जिसमें एक वृक्ष मां के नाम थीम पर लोगों को अपनी मां के नाम गांव, कस्बे या नहर में एक-एक वृक्ष रोपने के लिए प्रेरित किया गया। इसी थीम के तहत वन ब्लॉक में रंगोली सजाई गई। रंगोली सजाने के बाद ब्लॉक प्रमुख रामराजा निरंजन ने हरिशंकरी के पौधे का रोपण अपनी मां के नाम किया। वृक्षारोपण में पीपल, आंवला, अमरुद, नीम, गूलर, बरगद, शीशम आदि के वृक्ष लगाए गए और आम जनमानस को पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया। ब्लॉक प्रमुख रामराजा निरंजन ने कहा कि वृक्ष धरा का आभूषण हैं। जब धरा को सभी अपनी मां मानते हैं तो वृक्षों की देखभाल भी मां के समान ही करें। यदि धरा हरी भरी रहेगी तो धारा का वातावरण सुंदर व स्वच्छ रहेगा। जिससे आम जनजीवन को स्वच्छ वायु मिलेगी और पर्यावरण संकट भी खड़ा नहीं होगा।

अंधाधुंध विद्युत कटौती से त्रस्त हुए लोगों ने बिजली घर का किया घेराव

संवाददाता। जालौन, उरई

इन दिनों नगर व ग्रामीण क्षेत्र में बिजली व्यवस्था काफी जर्जर है। परेशान ग्रामीणों रविवार को बिजली घर पहुचं गए। जहां उन्होंने बिजली व्यवस्था में सुधार की मांग की है। जेई ने तीन दिन में बिजली व्यवस्था में सुधार का आश्वासन दिया है।

एक ओर सरकार लगातार बिजली व्यवस्था में सुधार के दावे कर रही है। सरकार द्वारा ग्रामीण क्षेत्र को पर्याप्त बिजली देने की घोषणा की जा रही है। लेकिन हकीकत में ऐसा होता नहीं दिख रहा है। जैसे जैसे गर्मी बढ़ी है वैसे वैसे बिजली व्यवस्था भी धड़ाम होती गई है।

हालत यह है न तो लोगों को पर्याप्त बिजली मिल रही है और न ही सही वोल्टेज मिल पा रहे हैं। धराशाई हुई बिजली व्यवस्था के चलते परेशान ग्रामीण रविवार को बिजलीघर पहुंच गए।

जहां ग्रामीणों ने बिजलीघर का घेराव कर लिया। ब्लॉक क्षेत्र के ग्राम कुठौंदा बुजुर्ग की बिजली आपूर्ति शनिवार की शाम सात बजे से गायब होने के कारण लोग गर्मी से बेचौन हो गए। एक तरफ गर्मी तो दूसरी तरफ जलापूर्ति न होने से त्रस्त ग्रामीणों ने बिजलीघर पहुंचकर जेई नवीन कुमार व एसडीओ कौशलेंद्र सिंह को घेर लिया और बिजली समस्या के समाधान की मांग करने लगे।

काफी संख्या में ग्रामीणों को देखकर एसडीओ ने कोतवाली पुलिस को बुला लिया। वहीं, ग्रामीणों की समस्या सुनने के बाद एसडीओ कौशलेंद्र सिंह ने ग्रामीणों को भरोसा दिलाया कि वह तीन दिन का और समय दें तीन दिन में बिजली व्यवस्था बेहतर की जाएगी और आपूर्ति में सुधार करने का हरसंभव प्रयास किया जाएगा। एसडीओ के आश्वासन के बाद ही ग्रामीण वापस लौटे। इस मौके पर सोहन सिंह, कपूर सिंह, सर्किल, इंद्रविजय सिंह, नीतू पाल आदि ग्रामीण मौजूद रहे।

जिले भर में श्रद्धापूर्वक मनाया गया गुरु पूर्णिमा का पर्व

संवाददाता। फतेहपुर

गुरु पूर्णिमा का पावन पर्व रविवार को श्रद्धाभाव के साथ परम्परागत ढंग से मनाया गया। गुरू आश्रमों में गुरूपूजन का सिलसिला भोर की बेला से लेकर देर शाम तक चलता रहा। कई मंदिरों व आश्रमों के अलावा अन्य स्थानों पर भी भंडारे आयोजित किए गए। जिसमें श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। पूरे दिन शहर में धार्मिक कार्यक्रमों की धूम रही और संतों के जयघोष गुंजायमान रहे। गुरु पूर्णिमा पर हिन्दू घरों में हवन पूजन के साथ सत्यनारायण कथा व अन्य धार्मिक कार्यक्रम भी आयोजित किए गए। गंगा घाटों में स्नानार्थी पहुंचे और गंगा स्नान कर पूजा की। गुरु पूर्णिमा का पर्व भक्तों द्वारा अपने अपने गुरुओं के प्रति श्रद्धा प्रकट करने का पर्व है।

गुरु पूर्णिमा पर्व पर शहर के जीटी रोड स्थित राधावाटिका पर सुबह से ही साधु-संत व भक्त पहुंचे। भक्तों ने सबसे पहले महान संत स्वामी मूलानंद जी की प्रतिमा का पूजन अर्चन किया। पूर्व मंत्री राधेश्याम गुप्ता, पुत्र एवं अयाह-शाह विधायक विकास गुप्ता, गोपाल गुप्ता समेत अन्य लोगों ने कन्याभोज व संत महात्माओं को भोज कराकर भव्य भंडारा शुरू किया। तत्पश्चात संतों को अंग वस्त्र भी भेंट किए। इसी कड़ी में बहुआ ब्लाक के लक्ष्मणपुर में राम चरित मानस का पाठ शनिवार को सम्पन्न होने के बाद आज पूर्ण आहुति हवन पूजन के उपरान्त गुरु महिमा का गान और बखान तथा शाम 04 से 08 बजे तक आल्हा का मंचन हुआ। शिष्यों ने स्वामी अजून शब्दानन्द पुरी जी महाराज (स्वामी महेशानंद) का आशीर्वाद लिया।

गुरु पूर्णिमा के अवसर पर चुरियानी स्थित श्री रुरेश्वर महादेव मंदिर में स्वामी मुलानंद जी महाराज की मूर्ति पर कोटेश्वर शुक्ला व आशीष द्विवेदी द्वारा पूजा- अर्चना व आरती की गई। बाद में यहां पर भंडारे का आयोजन किया गया। इस मौके पर डा0 उमाशंकर तिवारी, राजकुमार दुबे, अतुल परिहार, कमल तिवारी, पुजारी दुबे, अमरेश द्विवेदी, राघवेंद्र प्रताप सिंह, लक्ष्मी गुप्ता, कमल तिवारी, राजकुमार द्विवेदी, देवी दयाल द्विवेदी, मल्लू त्रिवेदी, अतुल परिहार, जमुना प्रसाद, मोनू अवस्थी, सुशील सिंह गौतम, राजू भुर्जी आदि मौजूद रहे।

इसी तरह द्वारिकापुरी हनुमान मंदिर पक्का तालाब गुरूजी श्री श्री 1008 श्री राम नारायण दास (त्यागी जी) महाराज के आश्रम में हजारों श्रद्धालुओं की भीड़ रही। सभी ने त्यागी जी का पूजन-अर्चन किया। इस मौके पर नवीन उत्तराधिकारी मोहन दास पांडेय, पिंटू, अंकित सिंह चौहान, सीनू सिंह चौहान, धीरू यादव, अनुराग साहू, आचार्य शिवम त्रिपाठी, अमित सिंह चौहान, योगेश यादव, हेमंत दुबे, ऋषि गुप्ता, ऋषि बाजपेई, ज्ञानेंद्र प्रताप, अनाम पांडे अवधेश यादव भी मौजूद रहे। वहीं कलेक्ट्रेट स्थित बुद्धा पार्क में बुद्ध पूर्णिमा का कार्यक्रम मनाया गया। उपस्थित लोगो ने तथागत गौतम बुद्ध के विचारों और उनके संदेश को अपनाने व लोगों तक पहुंचाने का संदेश देकर प्रसाद वितरित किया। इस मौके पर रमेश बौद्ध, अतुल, शत्रुघन, बौद्ध प्रिय गौतम, उपेंद्र कुमार, विनोद गौतम, जगदीश सिंह, बाबूराम उपस्थित रहे।

श्री राम जानकी मंदिर बिंदकी में विशाल भंडारे का आयोजन किया गया: गुरु पूर्णिमा के मौके पर श्री राम जानकी मंदिर में विशाल भंडारे का आयोजन किया गया भंडारा में लोगों ने प्रसाद पाया और धन्य हुए। मंदिर के महंत ने अपने हाथों से लोगों को प्रसाद बांटा। मंदिर के महंत श्री श्री 1008 स्वामी उदय दास ने भगवान श्री राम तथा जानकी की पूजा अर्चना किया तथा पहले देवताओं को प्रसाद चढ़ाया इसके बाद अपने हाथों से लोगों को प्रसाद बांटा।

बताया जाता है कि श्री राम जानकी मंदिर में जो भी पूजा अर्चना करता है, ईश्वर उसकी मनोकामना अवश्य पूरी करता है जिसके चलते मंदिर में श्रद्धालुओं का आना-जाना बना रहता है। इस मौके पर कर्मेन्द्र सिंह, नीलम सिंह भदोरिया, गार्गी सिंह सहित तमाम लोग मौजूद रहे।

आम रास्ते पर आवास निर्माण के विरुद्ध मैदान में उतरी भाकियू लोकशक्ति

संवाददाता। गुरसहायगंज, कन्नौज

क्षेत्र के ग्राम जलालाबाद में ग्राम प्रधान के गुर्गों द्वारा आम रास्ते पर आवास बनाने के निर्माण कार्य करने की ग्रामीणों की शिकायत को संज्ञान में लेकर भाकियू लोकशक्ति के पदाधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर निर्माण कार्य को रूकबाया। जबकि भाकियू द्वारा पूर्व में मामले की शिकायत डीएम से की गई थी। रविवार को क्षेत्र के ग्राम जलालाबाद में आम रास्ते पर ग्राम प्रधान के के ही कुछ चहेतों द्वारा अबैध निर्माण कर मार्ग को अवरूद्ध करनें की सूचना पर भाकियू लोकशक्ति प्रदेश सचिव कय्यूम खान नें पदाधिकारियों के साथ मौके पर पुहंचकर निर्माण कार्य रूकबाया गया। इसके बाद जन समस्याओं के लेकर आयोजित बैठक में ग्राम प्रधान को बुलबाया गया लेकिन ग्राम प्रधान मौके पर नही आये। भाकियू पदाधिकारियों ने जिला प्रशासन से मामले को गंभीरता से लेकर निस्तारण किये जाने की मांग की है। इस दौरान मंडल उपाध्यक्ष हाशिम अली, महिला जिलाध्यक्ष पिंकी तिवारी, जिलाध्यक्ष मकबूल अहमद, दीपू तिवारी, सहित तमाम किसान मौजूद रहे।

गुरु पूर्णिमा पर हुए भंडारा कार्यक्रमों के आयोजन

गुरसहायगंज, कन्नौज। सनातन धर्म के पावन पर्व गुरु पूर्णिमा के अवसर पर नगर व क्षेत्र में भंडारा कार्यक्रमों के आयोजन हुए जिसमें प्रशासनिक अधिकारियों सहित जनप्रतिनिधियों ने बढ़-चढ़कर प्रतिभाग किया। रविवार को नगर के चौराहा स्थित प्राचीन श्री राम मंदिर में आयोजित अखंड पाठ के समापन दिवस पर पहुंचीं अतिरिक्त एसडीएम नवनीता राय ने विधि विधान से पूजा बंदना कर प्रसाद वितरण कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस दौरान महंत राकेश चन्द्र दुबे, अंशु पंडित, गौरव कश्यप, शिवांक दुबे, विजय गुप्ता, संजय पंडित मौजूद रहे। वही नगर के जीटी रोड पर श्रद्धालुओं सुनील गुप्ता, आँचल गुप्ता, राजेश गुप्ता द्वारा प्रसाद वितरित किया गया।

पिकअप पलटने से तीन महिलाओं की दर्दनाक मौत, 25 घायल

फर्रुखाबाद। जहानगंज थाना क्षेत्र में आज रविवार को गुरु पूर्णिमा पर गंगा में अस्थियां विसर्जित करके घर वापस लौटते समय एक पिकअप के अचानक पलटने से उसमें सवार 28गंगा श्रद्धालुओं में से तीन महिलाओं की दर्दनाक मौत हो गई तथा 25 लोग घायल हो गए। यह जानकारी आज पुलिस सूत्रों ने देते हुए बताया कि इटावा जिले के सैफई भाला सैया निवासी विनोद उम्र करीब 55 वर्ष की मौत हो गई थी।

जिनकी अस्थियां गुरु पूर्णिमा पर गंगा में विसर्जित करके उनके पारिवारी जन फर्रुखाबाद जिले के गंगा पांचाल घाट से आज रविवार को अपने घर के लिए पिकअप से वापस लौट रहे थे।पुलिस सूत्रों के अनुसार 28 गंगा श्रद्धालुओं से भरी यह तेज रफ्तार वाली पिकअप आज प्रात: करीब 6:30 बजे जहानगंज थाना क्षेत्र के ग्राम बहोरिकपुर के समीप से किसी वाहन को बचाने के प्रयास में अचानक अनियंत्रित होकर सड़क समीपवर्ती खड्ड में पलट गई। इस सड़क दुर्घटना में पिकअप में सवार रामकली उम्र करीब 50 वर्ष को डॉक्टर राम मनोहर लोहिया अस्पताल में पहुंचते ही सरकारी चिकित्सक ने मृत घोषित किया इसके बाद उपचार शुरू होने के दौरान रामादेवी उम्र करीब 70 वर्ष तथा सुशीला कुमारी 45 वर्ष की मौते हो गई।

इसके साथ ही इस सड़क दुर्घटना में इसी अस्पताल मे पहुंचे 25 घायलों का भी उपचार शुरू किया गया। इधर घटना की सूचना मिलते ही जिला अधिकारी डॉ बी के सिंह, पुलिस अधीक्षक आलोक प्रियदर्शी आदि अधिकारी गण अस्पताल पहुंचे और उन्होंने मुख्य चिकित्सा अधिकारी को सभी घायलों को समुचित चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

चेकडैमों के नाम पर किसानों के साथ हो रहा धोखा

विनोद शुक्ला। हमीरपुर

घटिया निर्माण सामग्री लगाकर लघु सिचाई विभाग किसानों के साथ कई सालों से धोखा कर रहा है। नमी संरक्षण होना तो दूर कुछ दिन बाद चेकडैम नष्ट हो जातेहै। करोड़ों रुपये के चेकडैम हर साल बनाये व रिपेयरिंग के जाते है मगर किसानों को उससे रत्ती भर लाभ नहीं मिल रहा है। बरसात में पानी भरना तो दूर नीचे एक बूद पानी नही रहता है।

जानकारी मुताबिक एक तरफ जहां प्रदेश सरकार का लघु सिंचाई विभाग भूजल सप्ताह का आयोजन करके जल संचयन पर करोड़ों खर्च करके जल संचयन और भूगर्भ जल स्तर बढ़ाने को प्रयासरत है वहीं क्षेत्र में लघु सिंचाई विभाग द्वारा करोड़ों का बजट खर्च कर बनाए गए नए चौकडैम रिपेयरिंग कराये गयेहै मगर ज्यादातरचेकडैम समय से पहले ध्वस्त हो गये हैं।

ज़िले के किसानों को अतिरिक्त सिचाई व जल संरक्षण जल संचयन एवं जल संवर्धन को लेकर सरकार की मुख्यमंत्री लघु सिचाई योजना के तहत जनपद मैं 6.44 क़रोड़ की लागत से 13 नये व 36 पुराने चेकडेमो का पुनुद्धार कराया गया है जिसका मुख्य उद्देश किसानों की खेती अतिरिक्त सिंचित हो सके वही विभाग का मानना है कि एक चेकडैम मैं एक किलोमीटर तक पानी का जल भराव और बीस हेक्टेयर ज़मीन सिंचित होगी।

इसमें बीस हज़ार घनमीटर के भंडारण की क्षमता होगी इस उद्देश्य के साथ विभाग ने चौकड़ैमो का निर्माण करवाया है लेकिन यहां चेकडेमो का ये हाल है कि ना ही पानी का जल भराव है ना ही जल संरक्षण हो रहा है।

केवल विभाग के अधिकारियों और ठेकेदारों की मिली भगत से पैसे का बंदरबांट कर सरकार की इस महत्वाकांक्षी योजना को पलीता लगाया जा रहा हैमानक के अनुरुप चेकडैम पानी रोकने की क्रस्टवाल कम से कम दो मीटर 70 सेंटीमीटर चौड़ी होनी चाहिये यह नही नीचे की रिंग वाल 1मीटर बीस सेंटीमीटर होना चाहिये।

वही नीचे से आकर दीवार मजबूत बनाये जाने का प्राविधान है मगर सभी चेकडैम मानक के अनुरुप तो दूर रिंग वाल केवल डेढ़ फुट की बनायी जा रही है जिससे सभी चेकडैम ध्वस्त हो रहे है यही नही एक चेकडैम की लाइफ कम सेकम अभिलेखो में पांच साल होना चाहिये इसके बाद उसकी रिपेयरिंग की जाती है मगर केवल शासन का करोडो़ रुपये ठिकाने लगाने का काम किया जाता है।

सरीला क्षेत्र में चंडौत,बरहरा बंधौली,मनकहरी में विभाग द्वारा बनाए गए और पुनरुद्धार किए गए चेकडैमो में अधिकतर लीकेज हो चुके हैं जिससे जल संचयन नहीं हो पा रहा है। वहीं कई चेकडैमो की वाल जर्जर होकर टूटने की अवस्था में है चंडौत निवासी मूलचंद निषाद ने बताया कि सरकार ने लाखों रुपए खर्च किया परंतु एक वर्ष पूर्ण होने से पहले ही चेकडैम में कई लीकेज हैं दरारें आ गई हैं जिससे न तो जल का भंडारण हो पता है यहां के किसानों को इन चेकडैम से कोई लाभ नहीं मिल पाता।

सिल्ट सफाई के नाम पर सिर्फ खानापूरी की गयी है और करोडों रुपये ठिकाने लगा दिये गये हैं।

क्विक न्यूज

राजेश्वर सिंह ने जाना बाढ़ पीड़ितों का हाल, बांटे लंच पैकेट

निघासन खीरी। बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों के बाढ़ पीड़ितों से मिलने एवं उन्हें राहत पहुंचाने के क्रम में लोकसभा निघासन के तारानगर, शंकरीगौड़ी, जसनगर, खेरटिया आदि गांवों में भ्रमण कर बाढ़ पीड़ितों से मिलकर उनकी समस्याओं को सुनकर एसडीएम सहित अन्य सक्षम अधिकारियों से दूरभाष वार्ता कर आ रही समस्याओं जैसे नाव की व्यवस्था, संचारी रोगों से निपटने के लिए दवा का इंतजाम आदि समस्याओं के अतिशीघ्र निराकरण कराने हेतु वार्ता की। जिसपर अधिकारियों ने सभी समस्याओं के त्वरित निराकरण का आश्वासन दिलाया इस दौरान खुशीराम राजपूत रफत हुसैन सुरेश राजपूत मंडल उपाध्यक्ष सौरभ शुक्ला, मंडल महामंत्री चंद्रशेखर,बूथ अध्यक्ष संजय निषाद बूथ अध्यक्ष नंद लाल निषाद सेक्टर संयोजक घनश्याम निगम मंडल उपाध्यक्ष रमेश मार्य सेक्टर संयोजक राहुल गुप्ता समेत अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।

किशोरी को ब्लेकमेल कर किया दुष्कर्म, हुई गर्भवती

गुरसहायगंज, कन्नौज। क्षेत्र के एक ग्राम निवासी पीडित पिता द्वारा कोतवाली में दर्ज कराये गये मुकदमें में कहा गया है कि उसकी पन्द्रह वर्षीय किशोरी को ग्राम प्रतापपुर निवासी छोटा उर्फसूरज पुत्र फूल सिंह नें अपने प्रेमजाल में फसानें के बाद उसका वीडियो बनाकर वायरल करनें की धमकी देकर कई बार दुष्कर्म किया गया जिससे वह गर्भवती हो गई। किशोरी के पिता की तहरीर पर कोतवाली पुलिस द्वारा मुकदमा दर्ज कर आरोपी को हिरासत में लेकर रविवार को जेल भेजा गया।

सहायक निदेशक सूचना ने आलमचंदपुर में किया पौधरोपण

कानपुर देहात। वृक्षारोपण महाभियान कार्यक्रम के अंतर्गत सहायक निदेशक सूचना सुरजीत सिंह द्वारा आलमचंदपुर में पौधरोपण कर जनपद वासियों से वृक्षारोपण कार्यक्रम में सहभागिता की अपील की गई। सहायक निदेशक सूचना ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण के लिए एक पेड़ मां के नाम जरूर लगाए।उन्होंने कहा कि बढ़ते तापमान व अन्य जलवायु परिवर्तन संबंधी घटनाओं के दृष्टिगत पर्यावरण संरक्षण/ वृक्षारोपण पर विशेष बल देने की जरूरत है साथ ही साथ जो पौधे लगाए जाय,उनका संरक्षण भी किया जाय, जिससे हम सब हमारी आने वाली पीढियो को अच्छा /हरित पर्यावरण दे सकें। इस मौके पर उद्यान अधिकारी बल्देव प्रसाद आदि उपस्थित रहे।

गुरु पूर्णिमा पर धूमधाम से निकली सांई पालकी यात्रा

फतेहपुर। गुरू पूर्णिमा के अवसर पर श्री सांई सेवा समिति ने श्री सांई राम के वेदयंत्रों व सांई यंत्रों के बीच हवन पूजन के साथ भक्तों ने महाआरती कर बाबा का भोग लगाया। जिसके बाद भव्य पालकी यात्रा निकाली गई। जो शहर के प्रमुख मार्गों से होते हुए पुनः मंदिर पहुंची। पालकी यात्रा का सांई भक्तों ने जगह-जगह स्वागत किया। श्री सांई सेवा समिति के आयोजित कार्यक्रमों में श्री सांई राम के वेदयंत्रों व सांई यंत्रों के बीच हवन पूजन के बाद भक्तों ने सांई नाथ की महाआरती कर बाबा का भोग लगाया। इसके बाद दोपहर श्री सांईनाथ की पालकी यात्रा निकाली। सांई भक्तों ने जगह-जगह भव्य स्वागत किया। यात्रा पुनः सांई मंदिर वापस आ गई। पालकी यात्रा की अगुवई नपाप के पूर्व चेयरमैन अजय अवस्थी ने की। इस मौके पर मंदिर प्रबंध समिति के अध्यक्ष सुधाकर अवस्थी, जयनेंद्र सिंह, अतुल अवस्थी, शोभा दुबे, अमर मिश्रा, पंकज मिश्रा, सुगंध शुक्ला सहित तमाम श्रद्धालु मौजूद रहे।

मस्जिद प्रकरण पर डीएम से मिले अल्पसंख्यक कांग्रेसी

फतेहपुर। मलवां स्थित मस्जिद प्रकरण को लेकर कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग के पदाधिकारियों ने जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपकर वस्तुस्थिति से अवगत कराया, जिस पर डीएम का कहना रहा कि जिले के सौहार्द को बिगड़ने नहीं दिया जाएगा। प्रशासन इस प्रकरण पर नजर रखे हुए है। कांग्रेस कमेटी अल्पसंख्यक विभाग के प्रदेश चेयरमैन शाहनवाज आलम के निर्देश पर सौंरा में स्थापित मस्जिद प्रकरण पर असामाजिक तत्वों द्वारा मीडिया में खबर का संज्ञान लेते हुए धार्मिक पूजा स्थल मस्जिद को ध्वस्तीकरण की चेतावनी को गंभीर और संवेदनशील मानते हुए एक प्रतिनिधिमंडल जिलाधिकारी सी. इंदुमती से मिला। प्रतिनिधिमंडल में प्रदेश उपाध्यक्ष मिस्बाहुल हक, कांग्रेस कमेटी के प्रदेश सचिव राजीव लोचन निषाद, प्रदेश सचिव मो. आलम, जिला उपाध्यक्ष अजीज, जिला कोषाध्यक्ष लियाकत शमीम, शहर कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग के चेयरमैन शकील अहमद ने ज्ञापन देकर वस्तुस्थिति से अवगत कराया।

बिजली समस्या को लेकर किसान यूनियन ने किया रोड जाम

खखरेरू, फतेहपुर। अघोषित विद्युत कटौती के खिलाफकिसान यूनियन के कार्यकर्ताओं ने चक्का जाम कर दिया। अघोषित विद्युत कटौती के खिलाफकिसान यूनियन के कार्यकर्ताओं ने तीन दिनों से लगातार पॉवर हाउस खखरेरू कनपुरवा में रात दिन धरना दे रहे थे, जिससे प्रभावित होकर धरना स्थल पर विद्युत विभाग के अधिकारी मौके पर पहुंचे जिनसे किसान यूनियन के कार्यकर्ताओं द्वारा घंटों वार्तालाप की गई लेकिन कोई भी निष्कर्ष नही निकल पाया। किसान यूनियन ने अगले दिन चक्का जाम करने की चेतावनी दिया था जिसका भी प्रभाव विद्युत अधिकारियों पर नही पड़ा, जिस कारण 21 जुलाई को किसान यूनियन टिकैत ग्रुप के कार्यकर्ताओं ने रक्षपालपुर तिराहा के पास ट्रैक्टर खड़ा करके जमीन में बैठकर धरना देने लगे जिससे लगभग दो घंटे तक आवागमन बाधित रहा जिससे प्रभावित होकर जगदीश सिंह तहसीलदार खागा मौके पर पहुंच कर किसानों की समस्यायो के संबंध में ज्ञापन लेकर संबंधित विभाग को भेजकर निराकरण का वादा किया।

मस्जिद के विरोध में बजरंग दल ने की हिंदू महापंचायत

फतेहपुर। मलवां में तालाबी नंबर पर बन रही मस्जिद को अवैध बताते हुए रविवार को बजरंगदल ने हिन्दू महापंचायत का आयोजन किया। महापंचायत में उमड़ी हजारों हिन्दुओ की भीड़ ने प्रशासन से अवैध मस्जिद को गिराने की मांग की। पंचायत को विश्व हिन्दू परिषद के प्रांत मंत्री राजू पोरवाल, प्रांत उपाध्यक्ष वीरेंद्र पांडेय, प्रांत संयोजक आचार्य अजित राज ने संबोधित किया। उन्होंने प्रशासन को एक माह का अल्टीमेटम दिया कि अगर सरकारी बंजर तालाबी नंबर से मस्जिद न हटी तो उसके बाद बजरंगी खुद हटाने का काम करेंगे। उधर प्रशासन और बजरंग दल के कार्यकर्ताओ के बीच नोक झोक भी हो गई। काफी देर हो-हल्ला होता रहा। सुरक्षा की दृष्टि से पीएसी के जवान, पुलिस अधिकारी और भारी पुलिस बल तैनात रहा।

सपा नेता राजू लोधी ने फिर थामा कांग्रेस का दामन

फतेहपुर। कांग्रेस प्रदेश कार्यालय में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय के समक्ष जिले के कद्दावर सपा नेता राजेंद्र सिंह उर्फराजू लोधी ने कांग्रेस पार्टी की सदस्यता ग्रहण कर ली। सदस्यता ग्रहण करने के उपरांत प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने उन्हें पार्टी के सिद्धांतो एवं रीतियों पर चलते हुए संगठन को मजबूत बनाने के निर्देश दिए। जिलाध्यक्ष बीरेंद्र सिंह चौहान ने श्री लोधी का पार्टी में स्वागत करते हुए कहा कि राजू लोधी के आने से निश्चित ही कांग्रेस को जिले में मजबूती मिलेगी एवं कांग्रेस हर उस व्यक्ति का स्वागत करती है जो कांग्रेस के निष्पक्ष सिद्धांतो पर अनुशासित ढंग से चलने को तैयार हो उन्होने आगे कहा कि झूठ और फरेब के जाल से निकल कर जनता अब कांग्रेस का रूख कर चुकी है। आने वाला समय पुनः सुखद होगा।

सीएम की अपील पर बाढ़ प्रभावितों की मदद को आगे आए व्यापारी और सामाजिक संगठन

संवाददाता। लखीमपुर खीरी

आपदा के वक्त सीएम योगी हमेशा सामाजिक और व्यापारिक संगठनों से आगे आकर सहयोग की अपील करते हैं। उनकी इस अपील का असर भी होता है। इसका उत्कृष्ट उदाहरण बाढ़ प्रभावित लखीमपुर खीरी में देखने को मिल रहा है। यहां सीएम योगी की मंशा के अनुरूप डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल ने बाढ़ प्रभावित परिवारों को मदद पहुंचाने के लिए अभिनव पहल की। उन्होंने कॉरपोरेट सेक्टर, उद्यमियों, स्वयंसेवी संस्थाओं के सहयोग से 10 हजार स्पेशल राहत किट तैयार की जा रही है,जिसकी कीमत करीब 45 लाख रुपए है।

इसका वितरण बाढ़ प्रभावित परिवारों के बीच किया जाएगा। मालूम हो कि मुश्किल समय में सरकारी एजेंसियां अपने दायित्वों के निर्वहन का हर संभव प्रयास करती हैं, बावजूद इसके कभी कभी कुछ कमियां रह जाती हैं। ऐसे में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सबका साथ, सबका विकास के मंत्र को आत्मसात करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सामाजिक उत्तरदायित्व से जुड़े प्रयासों में जनसहभागिता को बढ़ाने पर हमेशा बल दिया है। डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल ने बताया कि बाढ़ को लेकर सीएम योगी आदित्यनाथ की संवेदनशीलता को देखते हुए उन्होंने बाढ़ प्रभावित लोगों की मदद के लिए सभी सामाजिक और व्यापारिक संगठनों से अपील की। सभी संगठनों ने इसमें बढ़-चढ़कर योगदान दिया। इनसे प्राप्त होने वाली स्पेशल राहत किट में मच्छरदानी, छाता, बैटरी सहित टॉर्च, सेनेटरी पैड (2 पैकेट) और गर्म पानी रखने के लिए 2 लीटर की थर्मस शामिल है।

इसमें गणेश प्लाइवुड ने 300 किट, राइस मिलर्स एसोसिएशन लखीमपुर ने 125, राइस मिलर्स एसोसिएशन गोला ने 125, प्लाईवुड संगठन लखीमपुर ने 250, एनसीसी लिमिटेड हैदराबाद ने 1000, विभिन्न शुगर मिलों ने 1500, मैसर्स बृजमोहन कांट्रेक्टर अलीगढ, मैसर्स वैष्णो कंस्ट्रक्शन - आगरा, मेसर्स विंध्यवासिनी ट्रेडर्स-गोरखपुर ने 500 किट, जिले की विभिन्न स्वयंसेवी संस्थाओं द्वारा 6200 किट उपलब्ध कराई गई है। प्रत्येक स्पेशल राहत किट का मूल्य करीब 450 रुपए है।

जिलाधिकारी दुर्गा शक्ति नागपाल के अनुसार इन 10 हजार स्पेशल राहत किट के जरिए कॉरपोरेट सेक्टर, स्वयंसेवी संस्थाओं और उद्यमियों ने बाढ़ प्रभावितों को 45 लाख की मदद की है। इसके अलावा इंडियन मेडिकल एसोसिएशन लखीमपुर इकाई द्वारा करीब एक हजार तिरपाल भी बाढ़ पीड़ितों को वितरण के लिए उपलब्ध कराए हैं।

तीन अज्ञात हमलावरों द्वारा की गई फ़ायरिंग में एक की हालत गंभीर

संडीला, हरदोई। थाना बेनीगंज के अंतर्गत ग्राम जमुनिया के जंगल के पास बाइक पर सवार होकर जा रहे दो लोगों पर तीन अज्ञात हमलावरों पर ताबड़ तोड़ फायरिंग कर दी जिससे एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम करीमनगर थाना बेनीगंज निवासी गुरजीत सिंह अपने भांजे 30 वर्षीय निर्मल सिंह पुत्र अनूप सिंह के साथ बाइक से प्रतापनगर की ओर जा रहे थे। जब वे ग्राम जमुनिया के जंगल के पास पहुंचे तो 3 अज्ञात हमलावरों ने दोनों पर ताबड़ तोड़ फ़ायरिंग कर दी। इस फ़ायरिंग से निर्मल सिंह गंभीर रूप से घायल हो गए।

उनको तत्काल उनके परिजन लखनऊ ले गए। इस घटना की सूचना मिलने के बाद स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और अज्ञात हमलावरों के विरुद्ध अभियोग पंजीकृत किया। इस घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस अधीक्षक नीरज कुमार सिंह जादौन भी मौके पर पहुंचे और उन्होंनें घटना स्थल का बारीकी से निरीक्षण किया और इस घटना का तत्काल अनावरण करने के बेनीगंज पुलिस को निदेश दिए।

गुरु पूर्णिमा में शिष्यों ने गुरुजी से दीक्षा लेकर उनका पूजन किया

फर्रुखाबाद। महाकाल मन्दिर में महर्षि वेदव्यास के जन्म दिन पर गुरु पूर्णिमा महोत्सव धूमधाम से मनाया गया। महन्त सुश्री अर्चना दीक्षित ने मन्दिर में 108 विग्रह मूर्तियों का बारी बारी से मंतोचार से विधिवत पूजन किया। भंडारे में पहले कन्याओं,संतो को भोजन कराया गया। बाद में भक्तो ने प्रसाद ग्रहण किया। भक्तो में आलोक दीक्षित, अजय कटियार, राजू कटियार, मीना अमन, हरिओम म. प्र., पटना, कानपुर, गुड़गांवा, मैनपुरी, आगरा आदि कई स्थानों से भक्तगण इस मौके पर आए। संत श्री आशाराम बापू। आश्रम पांचाल घाट में गुरु पूर्णिमा मनाई गई। सुबह गुरुजी का पादुका पूजन हुआ। मानस पूजन करके जाप किया गया। भक्तों ने बापूजी के उत्तम स्वास्थ्य एवम् कारागार से मुक्ति हेतु हवन यज्ञ किया,आचार्य निर्दोष अघिनोत्री ने विधिवत हवन यज्ञ कराया।भक्तो को हवन का प्रसाद पंडितजी ने वितरित किया। सत्संग के बाद भक्तों ने भजन कीर्तन किया जो काफी देर तक चलता रहा। अन्त में आरती के साथ गुरु पूजन संपन्न हुआ। भक्तो ने भंडारे में प्रसाद ग्रहण किया।

मौनी बाबा एवं ईश्वर दासजी महाराज के समक्ष भक्तो ने पहुंचकर दीक्षा ली और गुरुजी का पूजन किया। सैकड़ो भक्तों ने बड़ी संख्या में पहुंचकर दोनो गुरुओं का आशीर्वाद लिया।इसके अलावा जगतगुरु शंकर भगवान,पार्वती,गणेश व नंदी का पूजन एवम् लंबे महाराज व त्यागीजी महाराज की प्रतिमाओं का भी विधिवत पूजन किया गया।इसके अलावा पहले हवन पूजन हुआ,आरती प्रसाद के साथ विशाल भंडारा हुआ। पांचाल घाट स्थित दुर्वासा ऋषि आश्रम में गुरु पूर्णिमा मनाई गई। पूरे दिन भक्तो का ताता लगा रहा। सबसे पहले दुर्वाशा ऋषि का पूजन किया गया। जो पूरे दिन भक्त पहुंचकर भंडारे का प्रसाद ग्रहण करते रहे।

जिला पुरुष चिकित्सालय में हुआ पौधरोपण 80 से अधिक लगाए गए पौधे

लखीमपुर खीरी। जिला पुरुष चिकित्सालय मोतीपुर ओयल में वन महोत्सव माह के अंतर्गत पौध रोपण कार्यक्रम किया गया। जिसमें सीएमएस डॉ आरके कोली और वरिष्ठ चिकित्सक बाल रोग विशेषज्ञ डॉ आरपी वर्मा द्वारा परिसर में पौधा रोपण किया गया। सीएमएस डॉ आरके कोली ने बताया कि वन महोत्सव माह के अंतर्गत जिला चिकित्सालय मोतीपुर एमसीएच विंग परिसर में इस माह के अंतर्गत 80 से अधिक पौधों का रोपण किया गया है और लगातार उनकी देखरेख भी की जा रही है। शुक्रवार को भी बीस से अधिक पौधों का रोपण अधिकारियों और कर्मचारियों द्वारा किया गया। परिसर को हरा भरा बनाने के साथ ही पर्यावरण में भी यह पौधे बहुत ही अहम भूमिका निभाते हैं इसे लेकर आम जनमानस में जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से स्वास्थ्य विभाग इस कार्यक्रम को वृहद स्तर पर मना रहा है। जिससे न सिर्फ अपनी धरती को सुंदर बनाए रखा जाए बल्कि जीवन के लिए जरूरी इन पेड़ों के महत्व को भी समझाया जा सके। इस दौरान देवनंदन श्रीवास्तव, अमरेंद्र सिंह, अखिलेश श्रीवास्तव, नीलेश गुप्ता, मनोज मौर्य, पंकज शुक्ला सहित अन्य अधिकारी कर्मचारियों द्वारा भी पौधा रोपण किया गया।

शैलेन्द्र साहित्य सरोवर की काव्य गोष्ठी में बही रसधार

फतेहपुर। मुराइन टोला स्थित हनुमान मंदिर में शैलेन्द्र साहित्य सरोवर के बैनर तले एक सरस काव्य गोष्ठी का आयोजन के0 पी0 सिंह कछवाह की अध्यक्षता एवं शैलेन्द्र कुमार द्विवेदी के संचालन में हुआ। मुख्य अतिथि महंत स्वामी रामदास उपस्थित रहे। गोष्ठी का शुभारंभ करते हुए के.पी. सिंह कछवाह ने वाणी वंदना मे अपने भाव प्रसून प्रस्तुत करते हुए कहा-वंदन माता शारदे, अर्पित चंदन-फूल। विमल कीजिए बुद्धि-मन, रहो सदा अनुकूल।।

कार्यक्रम को गति देते हुए कविता पढ़ी-है गुरु की महिमा अमित, कहते सारे ग्रंथ। वे भव-बंधन काटते, दिखलाते सद्पंथ।। डा. सत्य नारायण मिश्र ने अपने भावों को एक छंद के माध्यम से कुछ इस प्रकार प्रस्तुत किया-सदुरु अनंत, महिमा अनंत। फैला उनका यश दिग-दिगंत।। ज्यों धवल चंद्रमा का सुहास। अंतर्मन अंतरमन मे करते विलास।। दिनेश कुमार श्रीवास्तव ने अपने भावों को मुक्तक में कुछ इस प्रकार पिरोया-गोत्र वशिष्ठ, विश्व उपकारी। गिरधर मिश्र धर्म-ध्वज - धारी।। जय - जय तुलसी - पीठाधीश्वर। जगदुरू महिमा अविनश्वर।। शिव सागर साहू ने काव्य पाठ किया- गुरु- पद -रज की वंदना, करें दोऊ कर जोरि। भव -सागर से पार हों,माया-बंधन तोरि।। सुन्दरम सोनी ने काव्य पाठ किया- जीवन उत्तम चाहिए, तो लें गुरु से ज्ञान। नमन करें गुरुदेव को, दें उनको सम्मान।। प्रदीप कुमार गौड़ ने अपने क्रम में काव्य पाठ में कुछ इस प्रकार भाव प्रस्तुत किये -गुरु गुण - ज्ञान- प्रवीण हैं, गुरु से बढ़कर कौन। गुरु की वाणी ब्रह्म की, गुरु समक्ष सब मौन।। काव्य गोष्ठी के आयोजक एवं संचालक शैलेन्द्र कुमार द्विवेदी ने अपने भाव एक गीत के माध्यम से कुछ यों व्यक्त किये- व्यास देव को है नमन, दिया अपरिमित ज्ञान। वेद, महाभारत दिये, अट्ठारहों पुराण।। इस अवसर पर दिनेश श्रीवास्तव की काव्य कृति वीर जटायु चरित्र का विमोचन भी हुआ।

कांवड़ियों के लिए कड़ी सुरक्षा, सुगम दर्शन के लिए विशेष प्रबंध

भाषा। वाराणसी, मुजफ्फरनगर

उत्तर प्रदेश सरकार ने रविवार को कहा कि उसने सोमवार से सावन के महीने की शुरुआत होने पर श्रद्धालुओं के लिए कड़ी सुरक्षा और सुगम दर्शन सुनिश्चित करने के लिए विशेष इंतजाम किए हैं। आगामी 22 जुलाई से 19 अगस्त तक महादेव की पूजा के इस विशेष श्रावण मास में पांच सोमवार शामिल होंगे। सावन के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु भगवान शिव का जलाभिषेक करने के लिए कांवड़ लेकर विभिन्न स्थानों से यात्रा करते हैं। अधिकारियों ने वाराणसी में सुरक्षा व्यवस्था की जानकारी साझा करते हुए कहा कि सोमवार को वाराणसी में मैदागिन से गोदौलिया तक का इलाका वाहन प्रतिबंधित क्षेत्र रहेगा। दोनों स्थानों से बुजुर्गों और दिव्यांगों को ई-रिक्शा से मंदिर तक पहुंचाने की व्यवस्था की गई है।

एक आधिकारिक बयान के मुताबिक श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुविधा पर नजर रखने के लिए सीसीटीवी कैमरों का इस्तेमाल किया जाएगा। साथ ही श्रद्धालुओं को धूप और बारिश से बचाने के लिए भी इंतजाम किए गए हैं। इसके लिए पहली बार सिल्को गेट से प्रवेश की व्यवस्था की गई है। प्रयागराज से वाराणसी राष्ट्रीय राजमार्ग पर एक लेन कांवड़ियों के लिए आरक्षित की गई है। बयान में कहा गया है कि सोमवार को दैनिक पास रद्द कर दिए जाएंगे और बाबा विश्वनाथ के स्पर्श दर्शन पर प्रतिबंध रहेगा। बाबा विश्वनाथ के दर्शन के लिए काशी में कांवड़ियों का आना शुरू हो गया है। जलाभिषेक करने के लिए भगवान शिव के श्रद्धालुओं की लंबी कतारें देखी जा सकती हैं।

श्री काशी विश्वनाथ मंदिर ट्रस्ट के मुख्य कार्यकारी अधिकारी विश्व भूषण मिश्रा ने कहा कि मंदिर और जिला प्रशासन ने सावन के दौरान आगंतुकों की सुविधा और सुचारू दर्शन के लिए तैयारियां पूरी कर ली हैं।

उप्र सरकार की व्यवस्था

मिश्रा ने बताया कि मंदिर प्रशासन सोमवार को गोदौलिया और मैदागिन से मंदिर के गेट नंबर 4 तक वीआईपी, बुजुर्ग, दिव्यांग और बीमार श्रद्धालुओं के लिए निशुल्क ई-रिक्शा की व्यवस्था करेगा। पूरा मंदिर परिसर सीसीटीवी कैमरों से लैस है और श्रद्धालुओं की गतिविधियों पर कड़ी नजर रखने के लिए एक कंट्रोल रूम बनाया गया है। सड़कों पर भीड़ कम करने के लिए मंदिर परिसर में अवरोधक भी लगाए गए हैं। साथ ही श्रद्धालुओं को बारिश, धूप और गर्मी से बचाने के लिए अतिरिक्त शेड भी लगाए गए हैं। मिश्रा ने बताया कि श्रद्धालुओं के लिए पानी और ओआरएस की भी व्यवस्था की गई है। विश्वनाथ मंदिर के गर्भगृह के दर्शन और पूजा का सीधा प्रसारण किया जाएगा। मंदिर परिसर में विभिन्न स्थानों पर छह एलईडी स्क्रीन लगाई गई हैं। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए खोया-पाया केंद्र बनाया गया है, जहां बहुभाषी कर्मचारी तैनात रहेंगे। मिश्रा ने बताया कि किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए चिकित्साकर्मियों को तैनात किया गया है। उन्होंने कहा कि सोमवार को भारी भीड़ रहने के कारण मंदिर परिसर में लॉकर की सुविधा उपलब्ध नहीं होगी और श्रद्धालुओं से आग्रह किया कि वे दर्शन के लिए आते समय बैग, मोबाइल फोन, इलेक्ट्रॉनिक उपकरण या प्रतिबंधित वस्तुएं लाने से बचें।

इस बीच, मुजफ्फरनगर जिले की पुलिस ने कहा कि इस साल की कांवड़ यात्रा को सुरक्षित बनाने के प्रयास जारी हैं। मुजफ्फरनगर के अपर पुलिस अधीक्षक (एएसपी) सत्यनारायण प्रजापत ने संवाददाताओं से कहा कि इस साल की कांवड़ यात्रा में जिला पुलिस की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने कहा, हमारी तैयारियां पूरी हैं। हमने पहले ही विभिन्न विभागों के साथ बैठकें की हैं। अंतर-राज्यीय और अंतर-जिला बैठकें भी हो चुकी हैं। उत्तराखंड के साथ हमारा समन्वय भी जारी है। प्रजापत ने कहा, मुजफ्फरनगर में 260 किलोमीटर लंबे कांवड़ यात्रा मार्ग को 5 सुपर-सुपर जोन, 16 सुपर जोन और 80 सेक्टर्स में बांटा गया है। पुलिस अधीक्षक स्तर के अधिकारी से लेकर कांस्टेबल तक के पुलिसकर्मी तैनात किए जाएंगे। कांवड़ यात्रियों की सुरक्षा के लिए पीएसी की छह कंपनियां और आरएएफ (रैपिड एक्शन फोर्स) की एक कंपनी तैनात की जाएगी। उन्होंने कहा कि गोताखोर और नागरिक सुरक्षा स्वयंसेवक भी तैनात किए जाएंगे। करीब 1,800 सीसीटीवी लगाए गए हैं। यात्रा की निगरानी ड्रोन से भी की जाएगी। मुजफ्फरनगर पुलिस ने पिछले सप्ताह कांवड़ यात्रा मार्ग पर स्थित सभी होटलों, रेस्टोरेंट और ढाबों को अपने मालिकों के नाम, पता और मोबाइल नंबर के साथ साइनबोर्ड लगाने के आदेश जारी किए थे।

अग्निवीरों को सरकारी विभागों में आरक्षण देने पर विचार कर रही उत्तराखंड सरकार

भाषा। देहरादून

उत्तराखंड सरकार सेना में चार साल का कार्यकाल पूरा कर लौटने वाले अग्निवीरों को पुलिस तथा अन्य सरकारी विभागों में समायोजित करने के लिए आरक्षण देने पर विचार कर रही है। यहां जारी एक सरकारी विज्ञप्ति के अनुसार, मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देश पर इस संबंध में एक ठोस कार्यक्रम को अंतिम रूप दिया जा रहा है जिसमें पुलिस व अन्य सरकारी विभागों में अग्निवीरों को आरक्षण देने का प्रस्ताव शामिल है।

इसके अलावा, देश सेवा कर लौटने वाले अग्निवीरों के सुरक्षित भविष्य के लिए उन्हें कई क्षेत्रों में रोजगार संबंधित प्रशिक्षण देने के वास्ते कौशल विकास योजना भी तैयार की जा रही है। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को इस संबंध में जल्द से जल्द प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने

कहा कि उत्तराखंड ऐसा प्रदेश है जहां के युवा बड़े पैमाने पर भारतीय सेना में भर्ती होते हैं, लिहाजा, सेना में चार साल की सेवा पूरी करने के बाद अग्निवीरों को नियोजित करने में राज्य सरकार अपनी तरफ से कोई कसर बाकी नहीं रखेगी।

मुख्यमंत्री ने कहा, सरकार चाहती है कि सेना में चार साल पूरे होने के बाद भी अग्निवीरों को राज्य में नौकरी व रोजगार के भरपूर अवसर मिलें। सेवानिवृत्त अग्निवीरों का राज्य की सेवा में भरपूर उपयोग किया जाएगा ताकि वे भी राज्य के विकास में सहभागी बन सकें। इससे पहले, दिन में एक कार्यक्रम के दौरान धामी ने कहा कि देश सेवा कर लौटने वाले प्रदेश के अग्निवीरों को राज्य के विभिन्न विभागों में समायोजित किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि अग्निवीर योजना लाए, जाने के बाद उन्होंने सेना के अधिकारियों, पूर्व अधिकारियों, जवानों तथा अन्य लोगों के साथ बैठक की थी और 15 जून 2022 को सोशल मीडिया मंच एक्स पर घोषणा की थी कि उनकी सरकार पुलिस समेत राज्य के अन्य विभागों में देश सेवा करके आने वाले अग्निवीरों को समायोजित करेगी और उन्हें प्राथमिकता देगी। उन्होंने कहा कि अग्निवीरों के लिए आरक्षण का भी प्रावधान किया जाएगा। धामी ने कहा कि इसके लिए अगर कोई अधिनियम बनाना जरूरी होगा तो उसका एक प्रस्ताव मंत्रिमंडल में लाकर उसे विधानसभा में भी रखा जाएगा।

बांग्लादेश में अशांति के बीच हाई अलर्ट पर है बीएसएफ

अगरतला (भाषा)। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) पड़ोसी देश बांग्लादेश में मौजूदा अशांति के कारण उत्पन्न होने वाली किसी भी स्थिति से निपटने के लिए हाई अलर्ट पर है। एक शीर्ष अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी। पड़ोसी देश में आरक्षण विरोधी आंदोलन में 100 से अधिक लोग मारे गए हैं, जिसके कारण सरकार को अस्थिर स्थिति से निपटने के लिए कर्फ्यू लगाना पड़ा है। बीएसएफ, त्रिपुरा फ्रंटियर के महानिरीक्षक पटेल पीयूष पुरुषोत्तम दास ने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, बांग्लादेश में मौजूदा कानून-व्यवस्था की स्थिति बीएसएफ के लिए भी सुरक्षा संबंधी चिंता का विषय है, क्योंकि हमें अंतरराष्ट्रीय सीमा की सुरक्षा का दायित्व सौंपा गया है। हम स्थिति से पूरी तरह अवगत हैं और हमने सुरक्षा बढ़ा दी है, ताकि सीमा पार से आपराधिक तत्व मौजूदा स्थिति का फायदा न उठा सकें। उन्होंने कहा कि उच्च स्तर की तैयारियां सुनिश्चित करने के लिए बड़ी संख्या में जवानों और सभी वरिष्ठ कमांडरों को सीमा पर भेजा गया है। दास ने कहा कि वर्तमान में प्रमुख चिंताओं में से एक बांग्लादेश में पढ़ रहे भारतीय छात्रों की सुरक्षित वापसी है। उन्होंने कहा, बांग्लादेश में भारतीय छात्रों की संख्या करीब 8,000 है और उनमें से अधिकतर मेडिकल कॉलेजों में नामांकित हैं। अधिकतर छात्र कोमिला, ब्राह्मणबारिया और ढाका के मेडिकल कॉलेजों में पढ़ रहे हैं तथा अनेक छात्रों ने त्रिपुरा के रास्ते भारत में प्रवेश करने का विकल्प चुना है। बांग्लादेश में अध्ययनरत 66 नेपाली छात्रों सहित कुल 314 छात्र रविवार को पूर्वोत्तर राज्य की सीमा के माध्यम से भारत आए, जबकि 19 और 20 जुलाई को 379 छात्र पड़ोसी देश से भारत आए थे। हिंसा प्रभावित बांग्लादेश से अब तक कुल 693 छात्रों को सुरक्षित निकाला जा चुका है। महानिरीक्षक ने छात्रों को निकालने में सहयोग देने के लिए बीजीबी (बॉर्डर गार्ड्स बांग्लादेश) को भी धन्यवाद दिया।

खाद्य प्रतिष्ठानों पर नाम प्रदर्शित करने के आदेश से छोटे कामगारों का रोजगार प्रभावित

मुजफ्फरनगर (भाषा)। उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर जिला पुलिस द्वारा हाल ही में कांवड़ यात्रा मार्ग पर खाने-पीने की सभी दुकानों पर मालिकों का नाम प्रदर्शित करने का आदेश जारी किए जाने के बाद इन स्थानों पर नौकरी करने वाले छोटे कामगारों का रोजगार प्रभावित हो गया है और उन्हें अस्थाई रूप से निकाल दिया गया है। मुस्लिम समुदाय के लोगों के स्वामित्व वाले कई भोजनालयों में, अतिरिक्त कर्मचारियों को अस्थाई रूप से निकाल दिया गया है, जबकि हिंदू भोजनालय के मालिकों ने भी कम से कम कांवड़ यात्रा की अवधि तक के लिए मुस्लिम कर्मचारियों को अस्थाई रूप से हटा दिया है।

दिहाड़ी मजदूरी करने वाले बृजेश पाल पिछले सात वर्षों से सावन माह से कुछ हफ्ते पहले मुजफ्फरनगर जिले के खतौली क्षेत्र में सड़क किनारे भोजनालय (ढाबा) में हेल्पर के रूप में काम करते थे। उसके ढाबे का मुस्लिम मालिक कांवड़ियों की बढ़ती संख्या को संभालने के लिए पाल को करीब दो माह की अवधि के लिए अपने यहां नौकरी पर रखता था। पाल रेस्तरां में अतिरिक्त ग्राहकों का प्रबंधन करने में मदद करता और बदले में उसे प्रतिदिन 400-600 रुपए और कम से कम दो वक्त का भोजन मिलता था।

पाल ने अपनी परेशानियों के बारे में पीटीआई-भाषा को बताया, यह आय का एक अच्छा स्रोत था क्योंकि इस मौसम में अन्य काम मिलना बहुत मुश्किल है। चूंकि मानसून के समय में निर्माण और कृषि कार्य ज्यादा नहीं होते, इसलिए ढाबे के अलावा अन्य काम मिलना मुश्किल है। बृजेश पाल ने बताया, मैंने एक सप्ताह पहले ढाबे पर नौकरी के लिए गया था, लेकिन अब मालिक ने मुझे किसी अन्य स्थान पर काम की तलाश करने के लिए कहा है। दूसरी ओर, पाल के नियोक्ता मोहम्मद अर्सलान ने हाल ही में पुलिस के उस आदेश के बारे में शिकायत की, जिसमें कांवड़ मार्ग पर भोजनालयों और ठेलों के मालिकों से अपने आउटलेट के बाहर नाम लिखने के लिए कहा गया है।

अर्सलान ने बताया, मेरे ढाबे का नाम इस मार्ग पर हर तीसरे ढाबे की तरह बाबा का ढाबा है, मेरे आधे से ज्यादा कर्मचारी हिंदू हैं। हम यहां सिर्फ़ शाकाहारी खाना परोसते हैं और श्रावण में लहसुन और प्याज तक का इस्तेमाल नहीं करते। उन्होंने कहा, फिर भी, मुझे मालिक के तौर पर अपना नाम बताना पड़ा और ढाबे का नाम भी बदलने का फ़ैसला किया। मुझे डर है कि मुस्लिम नाम देखकर कांवड़िए मेरे यहां आकर खाना नहीं खाएंगे। इतने सीमित कारोबार में मैं इस साल अतिरिक्त कर्मचारी नहीं रख सकता। इस आदेश से न सिर्फ़ मुस्लिम ढाबे के मालिकों और उनके कर्मचारियों की आय में बाधा आई है, बल्कि हिंदू मालिकों के स्वामित्व वाले ढाबों में काम करने वाले मुस्लिम कर्मचारियों पर भी बुरा असर पड़ा है। खतौली के मुख्य बाजार के बाहर सड़क किनारे ढाबे के मालिक अनिमेष त्यागी ने कहा, मेरे रेस्त्रां में एक मुस्लिम व्यक्ति तंदूर पर काम करता था। लेकिन नाम के इस मुद्दे के कारण मैंने उसे जाने के लिए कहा। क्योंकि लोग इस पर विवाद कर सकते हैं। हम यहां ऐसी परेशानी नहीं चाहते। त्यागी ने बताया कि उन्होंने अपने समुदाय के एक अन्य व्यक्ति को तंदूर पर काम करने के लिए बुलाया है। कुछ अन्य ढाबा मालिकों ने भी हाल के आदेश के बारे में विस्तृत जानकारी न होने की शिकायत की। जिले में कांवड़ मार्ग पर चाय की दुकान चलाने वाले दीपक पंडित ने कहा, "प्रशासन ने आदेश तो जारी कर दिया है, लेकिन कुछ भी स्पष्ट नहीं किया है। मालिक का नाम किस आकार और फ़ॉन्ट में लिखा जाना है, इस बारे में कोई दिशा-निर्देश नहीं हैं।

हम बांग्लादेश में संकट में फंसे लोगों के लिए अपने दरवाजे खुले रखेंगे : ममता बनर्जी

कोलकाता(भाषा)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने रविवार को कहा कि बांग्लादेश में बढ़ती हिंसा के मद्देनजर वह पड़ोसी देश में संकट में फंसे लोगों के लिए अपने राज्य के दरवाजे खुले रखेंगी और उन्हें शरण दी जाएगी। बनर्जी ने संभावित मानवीय संकट पर अपने रुख को न्यायोचित ठहराने के लिए शरणार्थियों पर संयुक्त राष्ट्र के संकल्प का हवाला दिया। उन्होंने कोलकाता में तृणमूल कांग्रेस की शहीद दिवस रैली में कहा, मुझे बांग्लादेश के मामलों पर नहीं बोलना चाहिए क्योंकि वह एक संप्रभु राष्ट्र है और इस मुद्दे पर जो कुछ भी कहा जाना चाहिए वह केंद्र का विषय है। लेकिन मैं आपको यह बता सकती हूं कि यदि संकट में फंसे लोग बंगाल के दरवाजे खटखटाएंगे तो हम उन्हें शरण जरूर देंगे। बनर्जी ने कहा, ऐसा इसलिए है क्योंकि अशांत क्षेत्रों के आसपास के क्षेत्रों में शरणार्थियों को समायोजित करने के लिए संयुक्त राष्ट्र का एक संकल्प है। उन्होंने बंगाल के उन निवासियों को हरसंभव सहयोग का आश्वासन दिया जिनके रिश्तेदार अंतरराष्ट्रीय सीमा से पूर्व की ओर हो रही हिंसा के कारण फंस गए हैं। उन्होंने उन बांग्लादेशियों को भी सहायता प्रदान करने की बात कही जो बंगाल आए थे, लेकिन घर लौटने में कठिनाई का सामना कर रहे हैं। बनर्जी ने पश्चिम बंगाल के लोगों से बांग्लादेश की मौजूदा स्थिति से संबंधित मामलों पर उकसावे में न आने की भी अपील की। उन्होंने कहा, हमें संयम बरतना चाहिए और इस मुद्दे पर किसी भी उकसावे में नहीं आना चाहिए। तृणमूल कांग्रेस की प्रमुख ने पड़ोसी देश में जारी हिंसा प्रभावित लोगों के साथ अपनी एकजुटता भी व्यक्त की।

बांग्लादेश के लोगों को शरण देने की पेशकश पर भाजपा ने ममता पर साधा निशाना

नई दिल्ली(भाषा)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने हिंसा प्रभावित बांग्लादेश से आने वाले किसी भी व्यक्ति को शरण देने की पेशकश करने के लिए पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की रविवार को आलोचना की और इसे चुनाव जीतने के लिए पड़ोसी देश से झारखंड में अवैध प्रवासियों को बसाने की इंडिया गठबंधन की नापाक योजना करार दिया। पश्चिम बंगाल के लिए भाजपा के सह-प्रभारी अमित मालवीय ने दूसरे देश से आने वाले किसी भी व्यक्ति को आश्रय देने के बनर्जी के अधिकार पर सवाल उठाया और कहा कि आव्रजन और नागरिकता विशेष रूप से केंद्र के अधिकार क्षेत्र में है। उन्होंने स्पष्ट किया कि राज्यों के पास ऐसे मामलों में कोई अधिकार नहीं है। बनर्जी की टिप्पणी पर तीखी प्रतिक्रिया देते हुए मालवीय ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, ममता बनर्जी को भारत में किसी का भी स्वागत करने का अधिकार किसने दिया? आव्रजन और नागरिकता विशेष रूप से केंद्र के अधिकार क्षेत्र में हैं। राज्यों का कोई अधिकार क्षेत्र नहीं है। भाजपा नेता ने आरोप लगाया, यह बंगाल से झारखंड तक अवैध बांग्लादेशियों को बसाने के लिए इंडी गठबंधन की नापाक योजना का हिस्सा है, ताकि वे चुनाव जीत सकें। ममता पर निशाना साधते हुए मालवीय ने कहा कि कभी वह कहती हैं कि वह उन हिंदू शरणार्थियों को नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) के तहत नागरिकता के लिए आवेदन करने और उनके वैध अधिकार प्राप्त करने की अनुमति नहीं देंगी, जो धार्मिक उत्पीड़न से बचने के लिए भारत आए थे।उन्होंने आरोप लगाया, अगर वे जोर देंगे तो वह तृणमूल कांग्रेस को वोट देने वाले अवैध रोहिंग्याओं से ट्रेनें जलाने, सड़कें जाम करने और लोगों की हत्या करने को कहेंगी। दूसरी ओर पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी द्वारा बांग्लादेश में संकट में फंसे लोगों को आश्रय देने की पेशकश के कुछ ही घंटे बाद केंद्र सरकार के सूत्रों ने कहा कि राज्य प्रशासन को इस मुद्दे पर हस्तक्षेप करने का कोई अधिकार नहीं है। सूत्रों ने कहा कि ये मामले केंद्र सरकार द्वारा देखे जाते हैं और टिप्पणियां पूरी तरह से अनुचित हैं। केंद्र सरकार के एक सूत्र ने कहा, "ए ऐसे मामले हैं जिन्हें केंद्र सरकार देखती है। सूत्र ने कहा, इस मुद्दे पर राज्य सरकार का कोई अधिकार नहीं है और इसलिए उनकी टिप्पणियां पूरी तरह से गलत हैं।

बरेली में मंदिर में मूर्तियों को तोड़ने के आरोप में तीन हुए गिरफ्तार

बरेली (भाषा)। बरेली के इज्जतनगर थाना क्षेत्र में गोपेश्वर नाथ मंदिर में घुसने, वहां हंगामा करने और मूर्तियों को नुकसान पहुंचाने के आरोप में रविवार को तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया। पुलिस के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। पुलिस अधीक्षक (शहर) राहुल भाटी ने बताया कि आरोपियों की पहचान शाहरुख, अरशद और अकरम के तौर पर हुई है। भाटी ने बताया कि घटना सुबह की है जब तीनों वहां पहुंचे और हंगामा करने लगे तथा देवी-देवताओं की मूर्तियों को नुकसान पहुंचाने लगे। उन्होंने बताया कि बाद में दो लोग मौके से भागने में सफल रहे जबकि अकरम को लोगों ने पकड़ लिया और उसकी पिटाई कर पुलिस को सौंप दिया। भाटी ने बताया कि कुछ देर बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने फरार अन्य दोनों को भी पकड़ लिया। उन्होंने बताया कि अकरम को इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। भाटी के मुताबिक, मामले की विस्तृत जांच की जा रही है।

विरासत सिर्फ इतिहास नहीं, बल्कि मानवता की साझा चेतना है : प्रधानमंत्री

नई दिल्ली (भाषा)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को लोगों को विश्व की भलाई और दिलों को जोड़ने के लिए विरासत की क्षमता का उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित करते हुए कहा कि विरासत सिर्फ इतिहास नहीं, बल्कि मानवता की साझा चेतना है। यहां भारत मंडपम में विश्व धरोहर समिति (डब्ल्यूएचसी) के 46वें सत्र के उद्घाटन समारोह में मोदी ने अपने संबोधन में विरासत की सार्वभौमिकता को भी रेखांकित किया और कहा कि जब भी कोई ऐतिहासिक स्थलों को देखता है, तो हमारा मन वर्तमान भू-राजनीतिक कारकों से ऊपर उठ जाता है। भारत पहली बार 21 जुलाई से 31 जुलाई तक यूनेस्को के प्रमुख कार्यक्रम की मेजबानी कर रहा है।

मोदी के साथ मंच पर यूनेस्को की महानिदेशक ऑड्रे अज़ोले, विदेश मंत्री एस जयशंकर और केंद्रीय संस्कृति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत सहित अन्य लोग मौजूद थे। उद्घाटन से पहले, प्रधानमंत्री ने भारत मंडपम में एक प्रदर्शनी का दौरा किया जिसमें देश में वापस लाई गईं कुछ कलाकृतियों को प्रदर्शित किया गया है। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) ने शनिवार को एक बयान में कहा कि अब तक 350 से अधिक कलाकृतियां देश में वापस लाई जा चुकी हैं। प्रदर्शनी देखने के दौरान मोदी के साथ यूनेस्को की महानिदेशक भी मौजूद थीं जिन्होंने साड़ी पहन रखी थी। प्रधानमंत्री ने उद्घाटन समारोह में अपने संबोधन में प्रदर्शनी के बारे में बात की और कहा कि प्राचीन कलाकृतियों की वापसी वैश्विक उदारवाद एवं इतिहास के प्रति सम्मान की भावना को दर्शाती है। उन्होंने कहा कि 46वां डब्ल्यूएचसी सत्र विश्व की सबसे प्राचीन जीवित सभ्यताओं में से एक में हो रहा है। मोदी ने उन अभियांत्रिकी उपलब्धियों की भी सराहना की जो प्राचीन विरासत स्थलों में दिखाई देती हैं। उन्होंने उत्तराखंड के केदारनाथ मंदिर और तमिलनाडु में चोल शासकों द्वारा निर्मित बृहदीश्वर मंदिर का हवाला दिया।

2050 तक दोगुनी होगी भारत में बुजुर्ग आबादी!

भाषा। नई दिल्ली

संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष की भारत इकाई यूएनएफपीए- इंडिया की प्रमुख एंड्रिया वोजनार ने कहा है कि भारत की बुजुर्ग आबादी 2050 तक दोगुनी हो जाने की संभावना है और देश में खासकर उन बुजुर्ग महिलाओं के लिए स्वास्थ्य सेवा, आवास और पेंशन में अधिक निवेश किए जाने की जरूरत है, जिनके अकेले रह जाने और गरीबी का सामना करने की अधिक आशंका है।

यूएनएफपीए-इंडिया की रेजिडेंट प्रतिनिधि वोजनार ने विश्व जनसंख्या दिवस (11 जुलाई) के कुछ दिनों बाद पीटीआई-भाषा से एक साक्षात्कार में जनसंख्या के उन प्रमुख रुझानों को रेखांकित किया, जिन्हें भारत सतत विकास में तेजी लाने के लिए प्राथमिकता दे रहा है। इनमें युवा आबादी, वृद्ध जनसंख्या, शहरीकरण, प्रवासन और जलवायु के अनुसार बदलाव करना शामिल हैं। ए कारक सभी देश के लिए अनूठी चुनौतियां और अवसर पेश करते हैं।वोजनार ने कहा कि 60 वर्ष या उससे अधिक उम्र के व्यक्तियों की संख्या 2050 तक दोगुनी होकर 34 करोड़ 60 लाख हो जाने का अनुमान है, इसलिए स्वास्थ्य सेवा, आवास और पेंशन योजनाओं में निवेश बढ़ाने की सख्त जरूरत है। उन्होंने कहा, ...खासकर वृद्ध महिलाओं के लिए ऐसा करना आवश्यक है, जिनके अकेले रहने और गरीबी का सामना करने की अधिक आशंका है।

यूएनएफपीए-इंडिया प्रमुख ने कहा कि भारत में युवा आबादी काफी है और 10 से 19 वर्ष की आयु के 25 करोड़ 20 लाख लोग हैं। उन्होंने जिक्र किया कि लैंगिक समानता को बढ़ावा देने के साथ-साथ स्वास्थ्य, शिक्षा, नौकरी के लिए प्रशिक्षण और रोजगार सृजन में निवेश करने से इस जनसांख्यिकीय क्षमता को भुनाया जा सकता है और देश को सतत प्रगति की ओर अग्रसर किया जा सकता है। वोजनार ने कहा, भारत में 2050 तक 50 प्रतिशत शहरी आबादी होने का अनुमान है, इसलिए झुग्गी बस्तियों की वृद्धि, वायु प्रदूषण और पर्यावरणीय समस्याओं से निपटने के लिए स्मार्ट शहरों, मजबूत बुनियादी ढांचे और किफायती आवास का निर्माण महत्वपूर्ण है।

उन्होंने कहा, शहरी योजनाओं में महिलाओं की सुरक्षा संबंधी जरूरतों, स्वास्थ्य देखभाल और शिक्षा एवं नौकरियों तक पहुंच को भी ध्यान में रखा जाना चाहिए, ताकि लैंगिक समानता को बढ़ावा दिया जा सके और जीवन की समग्र गुणवत्ता में सुधार हो सके। वोजनार ने यह भी कहा कि आंतरिक और बाहरी प्रवासन को प्रबंधित करने के लिए अच्छे से सोच-विचार कर योजना बनाने, कौशल विकास करने और आर्थिक अवसर वितरण की आवश्यकता होती है। उन्होंने कहा कि जलवायु परिवर्तन के अनुसार बदलाव को विकास योजनाओं में शामिल करना और नवीकरणीय ऊर्जा में निवेश करना भारत के लिए महत्वपूर्ण है।

पेज 1 का शेष

हंगामेदार...

कांग्रेस, डीएमके और आप समेत कई विपक्षी दलों के रुख से यह लगभग तय हो गया है कि उत्तर प्रदेश सरकार के उस आदेश से पैदा हुई राजनीतिक गर्मी संसद तक पहुंचेगी, जिसमें कांवड़ियों के मार्ग पर खाने-पीने की चीजें बेचने वाले ठेलों और दुकानों पर उनके मालिकों के नाम प्रदर्शित करने को कहा गया है। यह आदेश सोमवार से शुरू हो रहे संसद सत्र में लागू होगा। समाजवादी पार्टी के राम गोपाल यादव ने आरोप लगाया कि यह कदम स्पष्ट रूप से मुसलमानों को निशाना बनाकर उठाया गया है और राज्य की भाजपा सरकार पर सांप्रदायिक रूप बंटवारा करने की राजनीति का आरोप लगाया। सरकार ने अपनी ओर से विपक्षी दलों से लोकसभा और राज्यसभा की कार्यवाही बाधित नहीं करने को कहा और संसद को सुचारू रूप से चलाने में उनका सहयोग मांगा। रिजिजू ने कहा कि राजनाथ सिंह ने पिछले सत्र के दौरान राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लोकसभा में जवाब के दौरान विपक्ष के लगातार विरोध को याद दिलाया और कहा कि इस तरह के व्यवधान नहीं होने चाहिए। करीब चार घंटे तक चली बैठक में राज्यसभा में सदन के नेता और भाजपा अध्यक्ष जे पी नड्डा, कांग्रेस के जयराम रमेश, केंद्रीय मंत्री और लोजपा नेता चिराग पासवान समेत 55 नेता शामिल हुए। बैठक में टीएमसी का सांसाद नहीं नहीं थे क्योंकि पार्टी रविवार को कोलकाता में अपनी वार्षिक शहीद दिवस रैली में व्यस्त थी।

मानसून सत्र...

को शामिल करना), सूत्रों ने कहा कि न्यायाधीशों और पूर्व चुनाव आयुक्तों जैसे संवैधानिक पदों से सेवानिवृत्त होने वाले लोगों को सेवानिवृत्ति के बाद राजनीतिक दलों में शामिल होने से रोकने की मांग करता है। यह विधेयक हाल के विवादों की पृष्ठभूमि में आया है, जैसे कि कलकत्ता उच्च न्यायालय के न्यायाधीश अभिजीत गंगोपाध्याय से जुड़ा एक विवाद, जिन्होंने 5 मार्च को अपने न्यायिक पद से इस्तीफा दे दिया और दो दिनों के भीतर भारतीय जनता पार्टी में शामिल हो गए। जुलाई में मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश रोहित आर्य सेवानिवृत्ति के तीन महीने बाद भाजपा में शामिल हो गए थे। तृणमूल कांग्रेस की सांसद मौसम नूर ने भी दो विधेयक सूचीबद्ध किए हैं, एक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से कर्मचारियों के अधिकारों की रक्षा करने पर और दूसरा डीपफेक के अपराधीकरण की मांग करता है। डीपफेक में किसी के चेहरे या शरीर की अन्य विशेषताओं को डिजिटल रूप से बदल कर उसे किसी और जैसा दिखाना शामिल है, आमतौर पर दुर्भावनापूर्ण उद्देश्यों के लिए किया जाता है। हाल ही में संपन्न हुए लोकसभा चुनावों के दौरान, गलत सूचना फैलाने के लिए डीपफेक वीडियो के इस्तेमाल पर चिंता व्यक्त की गई थी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह इसके पीड़ितों में से एक थे, जबकि सीपीआई के पी संदोष कुमार ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस टेक्नोलॉजी रेगुलेटरी अथॉरिटी बनाने के लिए एक विधेयक सूचीबद्ध किया है। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) के सांसद वी. शिवदासन ने दो विधेयकों को सूचीबद्ध किया है। इनमें एक सार्वभौमिक बुनियादी आय की मांग और दूसरा वृद्धावस्था देखभाल के अधिकार का अधिनियम शामिल है। वहीं, तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) सांसद मौसम बेनजीर नूर ने दो विधेयकों को सूचीबद्ध किया है। इनमें एक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से कर्मचारियों के अधिकारों की रक्षा और दूसरा डीपफेक के अपराधीकरण से संबंधित है।

जयंत ....

सरकार के फैसले का विरोध करते हुए चौधरी ने कहा कि उप्र सरकार ने यह फैसला बहुत सोच समझकर नहीं लिया है। उन्होंने कहा कि इस मामले को धर्म और जाति से नहीं जोड़ा जाना चाहिए। राज्य सरकार के फैसले पर सवाल उठाते हुए कहा, सब अपनी दुकानों पर नाम लिख रहे हैं, मैकडॉनल्ड और बर्गर किंग क्या लिखेगा। उन्होंने कहा, कहां-कहां नाम लिखें, क्या अब कुर्ते पर भी नाम लिखना शुरू कर दें, ताकि देख कर ए तय किया जा सके कि हाथ मिलाना है या गले लगाना है। इससे पहले, जयंत चौधरी ने जिले के यूसुफपुर गांव में शहीद लोकेश सहरावत की प्रतिमा का अनावरण किया। मुजफ्फरनगर पुलिस द्वारा कांवड़ यात्रा मार्ग पर सभी भोजनालयों को अपने मालिकों के नाम प्रदर्शित करने के लिए कहने के कुछ दिनों बाद, उत्तर प्रदेश सरकार ने गत शुक्रवार को पूरे राज्य में विवादास्पद आदेश लागू कर दिया। विपक्षी दलों और सत्तारूढ़ गठबंधन के सदस्यों ने इस आदेश की आलोचना की है, उनका कहना है कि यह मुस्लिम व्यापारियों को निशाना बनाता है।

कभी भी...

भी हमला करने का मौका नहीं छोड़ा। उन्होंने कहाकि, हमने तीन पार्टियों के खिलाफ लड़ाई लड़ी। मैं इस राज्य के लोगों को सलाम करती हूं। हम जितना जीतेंगे, हमें उतना ही नरम होना होगा। टीएमसी की 'शहीद दिवस' रैली में अखिलेश यादव को विशेष रूप से आमंत्रित किया गया था। ममता ने कहा, केंद्र की यह सरकार लंबे समय तक नहीं चलेगी और जल्द ही गिर जाएगी।

केरल में...

संक्रमण के संदिग्ध लोगों को अलग रखने की सलाह दी गई है। संपर्क में आए लोगों और संदिग्ध मामलों के नमूने प्रयोगशाला परीक्षण के लिए भेजे हैं।

बढ़ती कीमतों...

फूलगोभी और पत्तागोभी जैसी सब्ज़ियाँ शामिल हैं। उपभोक्ता मामलों के विभाग की शुक्रवार को दैनिक खुदरा रिपोर्ट के अनुसार, आलू की कीमत करीब 40 रुपये प्रति किलोग्राम, प्याज अधिकतम 80 रुपये प्रति किलोग्राम और टमाटर अधिकतम 120 रुपये प्रति किलोग्राम और औसतन 73 रुपये प्रति किलोग्राम पर बिक रहा है। महंगाई ने रेस्तरां और खानपान सेवाओं को भी प्रभावित किया है जो फिलहाल अपने उत्पादन लागत में मूल्य वृद्धि को समाहित करने की कोशिश कर रहे हैं। आईटीओ में उडुपी रेस्तरां के प्रबंधक हर्ष सिसोदिया ने बताया कि ये कीमतें उनके मुनाफे को कैसे प्रभावित करती हैं, जबकि वे हर साल जनवरी में केवल एक बार अपने व्यंजनों की कीमत बढ़ाते हैं। उन्होंने कहा, हम हर साल जनवरी में केवल एक बार अपनी कीमतें बढ़ाते हैं। हालांकि, ये मूल्य वृद्धि होती रहती है और विशेष रूप से इस बार यह काफी अधिक है। आप देखिए कि हम अपने भोजन की गुणवत्ता से समझौता नहीं करते हैं, इसलिए कीमतें चाहे जो भी हों, हम व्यंजनों को वही रखते हैं। हमारे उत्तपम में प्याज और टमाटर सहित बहुत सारी सब्जियां होती हैं। उन्होंने दावा किया कि इन सब्जियों की कीमतों में दो गुना वृद्धि के बावजूद इसकी कीमत और गुणवत्ता वही है। उन्होंने कहा कि रेस्तरां के लिए सब्जियां खरीदने की साप्ताहिक लागत छह-सात हजार से बढ़कर 14,000-15,000 हो गई है। दादा के साथ मशहूर सरदारजी पराठे वाले के यहां काम करने वाले 26 वर्षीय हरदीप सिंह कहते हैं कि फूलगोभी जो 20 रुपए किलो थी, अब 110 रुपए किलो हो गई है, जबकि प्याज भी महंगा हो गया है। उन्होंने कहा, इससे हमारे रोजमर्रा के कारोबार पर असर पड़ रहा है। लेकिन हम क्या कर सकते हैं। हम इन सब्जियों की कम स्टफिंग वाले पराठे नहीं परोस सकते और गुणवत्ता से समझौता नहीं कर सकते। यही हमारी पहचान है, इसलिए हमें कम मुनाफे से संतुष्ट होना पड़ता है। इस बीच, महंगाई के दौरान घर के मालिक अपने खाने में इन मुख्य सब्जियों से परहेज कर रहे हैं। गृहिणी 48 वर्षीय मोनिका सिंघल ने कहा कि उन्हें लगता है कि वे इन महंगी सब्जियों की बजाय दाल और अनाज खाना ज्यादा पसंद करेंगी। मैं हर हफ्ते शुक्रवार को सब्जी खरीदने जाती हूं। हालांकि, पिछले तीन हफ्तों से मैंने जरूरी सब्जियों के दामों में काफी बढ़ोतरी देखी है। हमें अपने बजट के हिसाब से काम करना पड़ता है। इसलिए मैं फिलहाल इन्हें खरीदने से बचती हूं और इसकी जगह दाल बनाकर खर्च पूरा करती हूं।

इतनी खूबसूरत...

कि हम तब सामग्री तैयार करें जब हम वास्तव में तैयार हों और ऐसा करने के लिए सही मानसिक स्थिति में हों। यह सावधानी हमें उन उच्च मानकों को बनाए रखने में मदद करती है जिनकी हमारे दर्शक अपेक्षा करते हैं। रातों-रात मशहूर हो जाने का यह भ्रम उपयोगकर्ताओं को उनकी सुरक्षा और सेहत के लिए जोखिम को अनदेखा करते हुए, तेजी से खतरनाक सामग्री बनाने के लिए प्रेरित करता है। अपनी जान जोखिम में डालकर दुनिया के अछूते हिस्सों पर वीडियो बनाना, फॉलोअर्स बढ़ाने के लिए अनसुनी और झूठी जानकारी देने की कोशिश करना पूरी तरह से एक अलग खेल बन गया है। यह जानकर दुख होता है कि यह सब कुछ बंद नहीं होने वाला है क्योंकि रील लाइफ़ आराम और बढ़ते प्रशंसकों की संख्या की जिंदगी की तरह दिखती है, जबकि वास्तविक जीवन इससे अलग है।

शरद पवार भ्रष्टाचार के सरगना, उद्धव औरंगजेब फैन क्लब के प्रमुख: शाह

भाषा। पुणे

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को विपक्षी नेता और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एसपी) के प्रमुख शरद पवार पर तीखा हमला किया और उन्हें देश में भ्रष्टाचार का सरगना करार दिया। पुणे में भाजपा के राज्य सम्मेलन को संबोधित करते हुए शाह ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर 2024 के लोकसभा चुनाव में हार के बावजूद अहंकार प्रदर्शित करने का आरोप लगाया। उन्होंने शिवसेना (यूबीटी) अध्यक्ष उद्धव ठाकरे को औरंगजेब फैन क्लब का प्रमुख करार दिया और कहा कि वह 1993 के मुंबई श्रृंखलाबद्ध बम धमाकों के दोषी याकूब मेमन के लिए क्षमादान मांगने वाले लोगों के साथ बैठे हैं। शाह ने कहा, महाराष्ट्र, झारखंड और हरियाणा में आगामी विधानसभा चुनाव में हमारी जीत के बाद राहुल गांधी का अहंकार चूर-चूर हो जाएगा। उन्होंने कहा, भारतीय राजनीति में भ्रष्टाचार का कोई सबसे बड़ा सरगना है, तो शरद पवार हैं। मेरे दिमाग में इस बारे में कोई संशय नहीं है। मैं खुलकर कह रहा हूं कि पवार ने देश में भ्रष्टाचार को संस्थागत बनाया। शाह ने पवार पर सत्ता में रहते हुए देश तथा महाराष्ट्र के कल्याण के लिए कुछ नहीं करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि भाजपा जब महाराष्ट्र में सत्ता में थी, तो उसने मराठाओं को आरक्षण दिया, लेकिन जब शरद पवार की सरकार सत्ता में आई तो मराठा आरक्षण गायब हो गया। उन्होंने कहा कि मराठा आरक्षण बना रहे, इसके लिए महायुति सरकार को सत्ता में आना चाहिए।

हाल में लोकसभा चुनाव में भाजपा के खराब प्रदर्शन के बाद यह शाह की पहली महाराष्ट्र यात्रा है। महाराष्ट्र में भाजपा ने 2019 में लोकसभा की 23 सीट जीती थी, जो 2024 के चुनाव में घटकर नौ रह गई शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख पर निशाना साधते हुए शाह ने कहा, उद्धव ठाकरे उन लोगों के साथ बैठे हैं, जिन्होंने 1993 के मुंबई सिलसिलेवार बम धमाकों के दोषी याकूब मेमन के लिए क्षमादान मांगा था। उन्होंने कहा, औरंगजेब फैन क्लब क्या है? जो (26।11 आतंकी हमले के दोषी) कसाब को बिरयानी खिलाते हैं, जो याकूब मेमन के लिए क्षमादान मांगते हैं, जो (विवादित इस्लामी उपदेशक) जाकिर नाइक को शांति दूत पुरस्कार देते हैं और जो (प्रतिबंधित इस्लामी संगठन) पीएफआई का समर्थन करते हैं। उद्धव ठाकरे को इन लोगों के साथ बैठने में शर्म आनी चाहिए। शाह ने कांग्रेस को चुनौती दी कि अपने शासन वाले राज्यों में महिलाओं को 8500 रुपए महीने देने के अपने चुनावी वादे को पूरा करके दिखाए। उन्होंने कहा, मैं कर्नाटक, तेलंगाना, हिमाचल प्रदेश की महिलाओं से कहना चाहता हूं कि इसकी मांग करना शुरू करें। उन्होंने महाराष्ट्र में पार्टी कार्यकर्ताओं से आगामी विधानसभा चुनाव में अपनी स्थिति मजबूत करने के लिए प्रयास करने का आह्वान करते हुए कहा, मेरी बात लिखकर रख लीजिए, महाराष्ट्र में भाजपा नीत गठबंधन बड़ी जीत हासिल करेगा। भाजपा कार्यकर्ताओं की प्रशंसा करते हुए शाह ने कहा कि उन्हें महाराष्ट्र में लोकसभा चुनावों से परेशान नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा कि सरकार के अच्छे कामों और कल्याणकारी योजनाओं को जनता के बीच ले जाकर राज्य विधानसभा चुनाव में नई ऊर्जा का संचरण हो सकता है। शाह ने कहा, महाराष्ट्र के हर भाजपा कार्यकर्ता ने पार्टी की जीत में अपना योगदान दिया है। भाजपा के नेतृत्व वाला गठबंधन आगामी महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में 2019 और 2014 से भी बेहतर प्रदर्शन करेगा। हम और अधिक मेहनत करेंगे तथा अपने लिए नए लक्ष्य तय करेंगे। महाराष्ट्र में भगवा फिर से लहराना चाहिए। शाह ने लोकसभा चुनाव के परिणाम और नरेन्द्र मोदी के तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने का उल्लेख करते हुए कहा, यह छोटी जीत नहीं है। महाराष्ट्र में हम 2014 और 2019 के विधानसभा चुनाव से बेहतर प्रदर्शन करेंगे। भाजपा की अपनी विचारधारा के प्रति प्रतिबद्धता दोहराते हुए शाह ने अनुच्छेद 370 को समाप्त किए जाने, राम मंदिर निर्माण और उत्तराखंड में समान नागरिक संहिता के क्रियान्वयन का जिक्र किया। उन्होंने कहा, पूरा देश यूसीसी का इंतजार कर रहा है। शाह ने विपक्ष पर संविधान बदलने के संबंध में झूठा प्रचार करने का आरोप भी लगाया।

सरकार की दूध पाउडर आयात करने की कोई योजना नहीं, झूठा दावा कर रहा है विपक्ष

पुणे। केंद्रीय मंत्री अमित शाह ने रविवार को कहा कि केंद्र की दूध पाउडर आयात करने की कोई योजना नहीं है। उन्होंने साथ ही महाराष्ट्र में विपक्षी महा विकास अघाडी (एमवीए) पर गलत सूचना फैलाने का आरोप लगाया। शाह ने पुणे में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के महाराष्ट्र अधिवेशन में कहा कि एक पुरानी, बिना तारीख वाली अधिसूचना चर्चा में है और एमवीए ने इसका हवाला देते हुए दावा किया है कि सरकार दूध पाउडर आयात करने की योजना बना रही है। शाह के पास गृह और सहकारिता मंत्रालय का प्रभार भी है। उन्होंने कहा, "मैं भी भ्रमित हो गया और मैंने वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल को फोन किया, जिन्होंने मुझे बताया कि यह हमारा नहीं बल्कि शरद पवार का फैसला था। भ्रमित मत होइए, यह परिपत्र उनके द्वारा ही जारी किया गया था"। उन्होंने कहा कि ऐसी कोई योजना नहीं है। उन्होंने कहा, "पिछले दस सालों में एक किलो दूध पाउडर भी आयात नहीं किया गया। अगले पांच सालों में एक ग्राम दूध पाउडर भी आयात नहीं किया जाएगा। ए लोग चुनाव जीतने के लिए फर्जी विमर्श गढ़ना चाहते हैं"। शाह ने अपने संबोधन में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) प्रमुख पवार पर तीखा हमला किया और उन्हें देश में "भ्रष्टाचार का सरगनौ करार दिया।

नीट-यूजी के ग्यारह हजार से अधिक अभ्यर्थियों के शून्य, नकारात्मक अंक

नई दिल्ली (भाषा)। राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) द्वारा इस साल विवादों से घिरी मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट-यूजी के केंद्रवार घोषित परिणामों के अनुसार 11,000 से अधिक अभ्यर्थियों को शून्य या नकारात्मक अंक मिले हैं। इस महत्वपूर्ण परीक्षा में किसी भी उम्मीदवार द्वारा प्राप्त न्यूनतम अंक बिहार के एक केंद्र पर माइनस 180 हैं। एनटीए द्वारा शनिवार को जारी शहर और केंद्रवार परिणामों के विश्लेषण के अनुसार, 2,250 से अधिक अभ्यर्थियों को शून्य अंक मिले हैं, जबकि 9,400 से अधिक अभ्यर्थियों को नकारात्मक अंक मिले हैं। झारखंड के हजारीबाग में जांच के दायरे में आए केंद्र पर कई अभ्यर्थी ऐसे हैं, जिन्होंने शून्य से भी कम अंक प्राप्त किए हैं। कुछ केंद्रों पर कई अभ्यर्थी ऐसे हैं, जिन्होंने शून्य अंक प्राप्त किए हैं, लेकिन कोई बड़ा समूह नहीं देखा गया है, क्योंकि प्रत्एक केंद्र पर ऐसे अभ्यर्थियों की संख्या बहुत अधिक नहीं है। अधिकारियों के अनुसार, परीक्षा में शून्य अंक का मतलब यह नहीं है कि उत्तर पुस्तिकाएं खाली थीं या कोई प्रश्न हल नहीं किया गया था। उन्होंने कहा, यह संभव है कि अभ्यर्थी ने कुछ प्रश्नों को सही और कुछ को गलत हल किया हो, जिसके कारण अंक नकारात्मक हुए। राष्ट्रीय पात्रता व प्रवेश परीक्षा-स्नातक (नीट-यूजी) में प्रत्एक सही उत्तर के लिए चार अंक दिए जाते हैं और प्रत्एक गलत उत्तर के लिए एक अंक काटा जाता है। जिन प्रश्नों को हल नहीं किया गया, उनके लिए कोई अंक नहीं दिए जाते या काटे नहीं जाते। एनटीए ने शनिवार को मेडिकल प्रवेश परीक्षा के शहर और केंद्रवार परिणाम जारी किए। नीट परीक्षा पेपर लीक सहित कथित अनियमितताओं को लेकर जांच के दायरे में है। आंकड़ों के विश्लेषण से पता चला कि पेपर लीक और अन्य अनियमितताओं से कथित रूप से लाभान्वित होने वाले अभ्यर्थियों का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा है, लेकिन कुछ केंद्रों में अच्छा प्रदर्शन करने वाले छात्रों की संख्या अधिक है। सीकर के केंद्रों से 2,000 से अधिक नीट-यूजी अभ्यर्थियों ने 650 से अधिक अंक प्राप्त किए, जबकि 4,000 से अधिक ने 600 से अधिक अंक प्राप्त किए। उच्चतम न्यायालय पांच मई को विदेश के 14 शहरों समेत 571 शहरों के 4,750 केंद्रों पर आयोजित परीक्षा में कथित अनियमितताओं के बारे में कई याचिकाओं पर सुनवाई कर रहा है।

यूजीसी-नेट की दोबारा परीक्षा कराने पर रोक लगाने के लिए उच्चतम न्यायालय में याचिका

नई दिल्ली। यूजीसी-नेट परीक्षा रद्द करने के केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय के फैसले के खिलाफ उच्चतम न्यायालय में एक याचिका दायर की गई है। मंत्रालय ने परीक्षा की शुचिता से समझौता होने की जानकारी मिलने के बाद यह निर्णय लिया था। मंत्रालय ने 19 जून को यूजीसी-नेट परीक्षा रद्द करने का आदेश दिया था और मामले की जांच सीबीआई को सौंप दी थी। याचिका पर प्रधान न्यायाधीश डी.वाई. चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति जे.बी. पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ सुनवाई करने वाली है। अधिवक्ता उज्ज्वल गौर द्वारा दायर याचिका में यूजीसी-नेट परीक्षा की प्रस्तावित पुन: परीक्षा पर उस वक्त तक रोक लगाने का निर्देश देने का अनुरोध किया गया है, जब तक कि सीबीआई प्रश्नपत्र लीक के आरोपों की जांच पूरी नहीं कर लेती। याचिका में कहा गया है, याचिकाकर्ता का कहना है कि केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) के हालिया निष्कर्षों को ध्यान में रखते हुए (पुन:परीक्षा आयोजित करने का) यह निर्णय न केवल मनमाना है, बल्कि अन्यायपूर्ण भी है। सीबीआई की जांच से यह तथ्य सामने आया है कि प्रश्नपत्र लीक का दावा करने वाले सबूतों के साथ छेड़छाड़ की गई है। याचिकाकर्ता ने दलील दी है कि परीक्षा को अनावश्यक रद्द करने से उन अभ्यर्थियों को काफी परेशानी हुई, जिन्होंने इस महत्वपूर्ण परीक्षा के लिए कड़ी मेहनत की थी।

खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र अच्छे बजट का हकदार : चिराग

नई दिल्ली। (भाषा) केंद्रीय खाद्य प्रसंस्करण मंत्री चिराग पासवान का मानना है कि उनका मंत्रालय अच्छे बजट का हकदार है। उन्होंने कहा कि देशभर में प्रसंस्करण इकाइयां स्थापित करने से स्थानीय लोगों को रोजगार के अवसर देने और किसानों की आय बढ़ाने में मदद मिलेगी। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से अपने मंत्रालय के अनुरोध के बारे में बताए बिना पासवान ने कहा कि उनके मंत्रालय ने बजट की इच्छा सूची वित्त मंत्रालय को भेज दी है। पासवान ने कहा कि सरकार की सीमाओं को देखते हुए वह नहीं बता सकते कि इनमें से कितने अनुरोध स्वीकार किए जाएंगे। लेकिन साथ ही जोड़ा कि आने वाले वर्षों में उनसे अनुरोध स्वीकार कर लिए जाएंगे। उन्होंने पीटीआई-भाषा के साथ बातचीत में अपनी शीर्ष तीन प्राथमिकताओं के बारे में बताया। इनमें खाद्य प्रसंस्करण इकाइयां स्थापित करना, भारतीय ब्रांड को वैश्विक बाजारों में ले जाना और प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों के बारे में विभिन्न गलतफहमियों को दूर करना शामिल है। पासवान ने कहा कि प्रसंस्करण इकाइयां स्थापित करने के प्रस्ताव सभी राज्यों, विशेष रूप से कृषि आधारित प्रदेशों से आ रहे हैं।

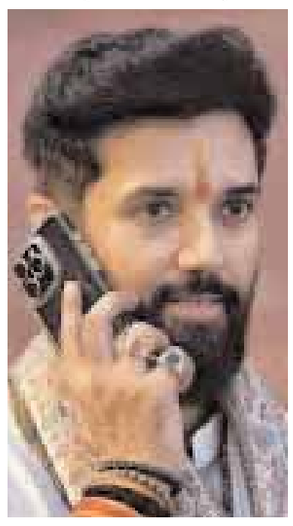

आगामी बजट के लिए अपनी इच्छा सूची के बारे में पूछे जाने पर पासवान ने कहा, मेरी इच्छा सूची वास्तव में बहुत लंबी है। लेकिन, मैं समझता हूं कि यह बाकी वित्त वर्ष के लिए बजट है। इसलिए, मैं समझता हूं कि इसमें बहुत सारी चिंताएं होंगी, बहुत सारी सीमाएं होंगी। उन्होंने आगे कहा, हालांकि, मैंने अपना प्रस्ताव भेजा है, लेकिन मुझे नहीं पता कि उसमें से कितने स्वीकार किए जाएंगे। मुझे लगता है कि अगले वित्त वर्ष तक इनपर विचार होगा। मुझे लगता है कि यह मंत्रालय एक अच्छे बजट का हकदार है, और हम इसकी मांग भी कर रहे हैं। पासवान ने कहा कि यह मंत्रालय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के बहुत करीब है और उन्होंने भरोसा जताया कि उनके मार्गदर्शन में यह क्षेत्र आने वाले वर्षों में तेजी से बढ़ेगा।

ग्रीनविच से पहले भारत की अपनी मध्यरेखा थी जो उज्जैन से होकर गुजरती थी: एनसीईआरटी की पाठ्यपुस्तक: नई दिल्ली।राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) की कक्षा-6 की सामाजिक विज्ञान की नई पाठ्यपुस्तक के अनुसार ग्रीनविच मध्यरेखा से काफी पहले भारत की अपनी प्रधान मध्यरेखा थी जिसे मध्यरेखा कहा जाता था और जो मध्य प्रदेश के उज्जैन शहर से गुजरती थी।नए पाठ्यक्रम के अनुसार विकसित पाठ्यपुस्तक में जो बदलाव किए गए हैं उनमें जाति-आधारित भेदभाव का कोई उल्लेख नहीं किया गया है, भेदभाव के बारे में बी आर आंबेडकर के अनुभव के संदर्भ में बदलाव किया गया है और हड़प्पा सभ्यता को सिंधु-सरस्वती सभ्यता के रूप में संदर्भित किया गया है।

बांग्लादेश में छात्रों के विरोध प्रदर्शन के कारण भारत से व्यापार हुआ ठप

कोलकाता (भाषा)। बांग्लादेश में आरक्षण के विरोध में जारी विरोध प्रदर्शनों के कारण मालवाहक ट्रकों की आवाजाही नहीं हो पा रही है। अधिकारियों का कहना है कि इस कारण भारत और बांग्लादेश के बीच भूमि बंदरगाहों के जरिए कारोबार रविवार को ठप हो गया।उन्होंने कहा कि पेट्रापोल भूमि बंदरगाह का बांग्लादेश वाला हिस्सा अभी भी बंद है। भारत और बांग्लादेश के बीच भूमि आधारित व्यापार का लगभग एक तिहाई हिस्सा पेट्रापोल के जरिए होता है।पश्चिम बंगाल निर्यातक समन्वय समिति के सचिव उज्ज्वल साहा ने कहा, अशांति के कारण सरकार द्वारा आवश्यक सेवाओं को छोड़कर अवकाश की घोषणा के बाद पेट्रापोल, गोजाडांगा, फुलबारी और महादिपुर सहित बांग्लादेश के अन्य स्थलीय बंदरगाहों से भी व्यापार ठप्प हो गया है, क्योंकि बांग्लादेशी सीमा शुल्क विभाग ने रविवार से दो दिन की छुट्टी की घोषणा की है।

उन्होंने कहा कि शनिवार को मालदा के महादीपुर बंदरगाह से बांग्लादेश पहुंचे मालवाहक ट्रक वापस नहीं लौटे हैं, लेकिन वे सुरक्षित हैं। लैंड पोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया (पेट्रापोल) के प्रबंधक कमलेश सैनी ने पीटीआई-भाषा से कहा, रविवार सुबह से पेट्रापोल सीमा पर ट्रकों (आयात और निर्यात) की आवाजाही नहीं हो रही है। हमारी जमीनी सीमा खुली हुई है, लेकिन बेनापोल के कारण व्यापार प्रभावित हुआ है। उन्होंने बताया कि शनिवार को 110 ट्रक बांग्लादेश से भारत आए, जबकि 48 ट्रक निर्यात के लिए बांग्लादेश गए। सैनी ने बताया कि सामान्य सामान से लदे करीब 700 ट्रक पार्किंग में फंसे हुए हैं और बांग्लादेश जाने का इंतजार कर रहे हैं

अधिकारियों ने बताया कि औसतन 400-450 ट्रक माल लेकर भारत से पेट्रापोल भूमि बंदरगाह से गुजरते हैं, जबकि 150-200 ट्रक प्रतिदिन बांग्लादेश से भारत आते हैं।हालांकि सैनी ने कहा कि यात्रियों की आवाजाही जारी है। इनमें से ज़्यादातर छात्र हैं जो सुरक्षा चिंताओं के कारण लौट रहे हैं। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के प्रवक्ता ने कहा कि हिंसा प्रभावित बांग्लादेश से भारतीयों को निकाला जा रहा है। बीएसएफ ने अब तक 572 भारतीय, 133 नेपाली और चार भूटानी छात्रों की वापसी में सहायता की है। दक्षिण एशिया का सबसे बड़ा भूमि बंदरगाह पेट्रापोल, कोलकाता से लगभग 82 किमी दूर, उत्तर 24 परगना जिले के बोनगांव में स्थित है।

भारी बारिश के कारण मुंबई हवाई अड्डे पर 36 उड़ानें रद्द

मुंबई। मुंबई में रविवार को भारी बारिश होने के कारण हवाई अड्डे पर दिनभर में 36 उड़ानें रद्द कर दी गईं। सूत्रों ने कहा कि इसके कारण हवाई अड्डा प्रशासन को लगभग एक घंटे के भीतर दो बार हवाई पट्टी संचालन को रोकना पड़ा, हालांकि यह थोड़े समय के लिए ही था।सूत्रों ने कहा कि छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर रद्द की गई उड़ानें किफायती एयरलाइन इंडिगो के साथ ही पूर्ण-सेवा वाहक एयर इंडिया और विस्तारा की थीं। सूत्रों ने कहा, शहर में लगातार हो रही भारी बारिश और कम दृश्यता के कारण रविवार को 18-18 आगमन और प्रस्थान वाली उड़ानें रद्द करनी पड़ीं। इन रद्दीकरणों में इंडिगो की 24 उड़ानें शामिल हैं, जिनमें 12 प्रस्थान वाली उड़ानें शामिल हैं, तथा एयर इंडिया की आठ उड़ानें शामिल हैं, जिनमें चार प्रस्थान वाली उड़ानें शामिल हैं।सूत्रों ने कहा कि विस्तारा ने भी मुंबई हवाई अड्डे पर अपनी चार उड़ानें रद्द कर दीं। इससे पहले एक सूत्र ने बताया था कि खराब मौसम और कम दृश्यता के कारण हवाई पट्टी पर परिचालन पहले दोपहर 12.12 बजे आठ मिनट के लिए तथा बाद में दोपहर एक बजे से 1.15 बजे तक के लिए स्थगित किया गया था। सूत्रों ने कहा कि एयर इंडिया, इंडिगो और अकासा सहित कम से कम 15 उड़ानों को शाम चार बजे तक नजदीकी हवाई अड्डों, मुख्य रूप से अहमदाबाद की ओर मोड़ दिया गया। बृहन्मुंबई नगर निगम के अनुसार, शाम चार बजे तक शहर में 82 मिमी, पूर्वी उपनगरों में 96 मिमी और पश्चिमी उपनगरों में 90 मिमी बारिश हुई। भारी बारिश के कारण मुंबई में विमान सेवा के अलावा सड़क और रेल सेवाएं भी प्रभावित हुईं।

भूटान के नरेश, प्रधानमंत्री गुजरात में स्टैच्यू ऑफ यूनिटी का करेंगे दौरा

अहमदाबाद। गुजरात सरकार ने रविवार को कहा कि भूटान के नरेश और प्रधानमंत्री सोमवार को दुनिया की सबसे ऊंची प्रतिमा स्टैच्यू ऑफ यूनिटी का दौरा करेंगे और उनके आगमन के लिए व्यापक इंतजाम किए गए हैं। सरदार वल्लभभाई पटेल की 182 मीटर ऊंची प्रतिमा राज्य के नर्मदा जिले के एकतानगर में नर्मदा नदी के तट और विशाल सरदार सरोवर बांध के पास स्थित है। राज्य सरकार ने रविवार को एक बयान में कहा कि भूटान के नरेश जिग्मे खेसर नामग्याल वांगचुक और प्रधानमंत्री शेरिंग तोबगे एक साथ स्टैच्यू ऑफ यूनिटी और उससे सटे सरदार सरोवर बांध को देखने जाएंगे।

निर्मला सीतारमण लगातार 7वें बजट के साथ इतिहास रचने को तैयार

नई दिल्ली (भाषा) वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण मंगलवार को वित्त वर्ष 2024-25 के लिए अपना लगातार सातवां बजट पेश करके इतिहास रचने वाली हैं। इस तरह वह पूर्व प्रधानमंत्री मोरारजी देसाई का रिकॉर्ड तोड़ देंगी। हालांकि, सबसे अधिक बार बजट पेश करने का रिकॉर्ड अब भी देसाई के पास ही है।

सीतारमण अगले महीने 65 वर्ष की हो जाएंगी। उन्हें 2019 में भारत की पहली पूर्णकालिक महिला वित्त मंत्री बनाया गया था। इसी साल प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने केंद्र में लगातार दूसरी बार सरकार बनाई थी। तब से सीतारमण ने इस साल फरवरी में एक अंतरिम सहित लगातार छह बजट पेश किए हैं। वित्त वर्ष 2024-25 (अप्रैल, 2024 से मार्च, 2025) का पूर्ण बजट उनका लगातार सातवां बजट होगा। वह देसाई के रिकॉर्ड से आगे निकल जाएंगी, जिन्होंने 1959

से 1964 के बीच लगातार पांच पूर्ण बजट और एक अंतरिम बजट पेश किया था। स्वतंत्र भारत में बजट पेश करने से जुड़े कुछ तथ्य इस प्रकार हैं। स्वतंत्र भारत का पहला आम बजट 26 नवंबर, 1947 को देश के पहले वित्त मंत्री आर के शनमुखम चेट्टी ने पेश किया था। पूर्व प्रधानमंत्री मोरारजी देसाई ने प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू और बाद में प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री के कार्यकाल में वित्त मंत्री के तौर पर कुल 10 बजट पेश किए हैं। पूर्व वित्त मंत्री पी चिदंबरम ने नौ मौकों पर बजट पेश किया। प्रणब मुखर्जी ने वित्त मंत्री के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान आठ बजट पेश किए। पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने 1991 से 1995 के बीच लगातार पांच बार बजट पेश किया, जब वह पी वी नरसिम्हा राव सरकार में वित्त मंत्री थे। सबसे लंबा बजट भाषण सीतारमण ने एक फरवरी, 2020 को दो घंटे 40 मिनट का दिया। वर्ष 1977 में हीरूभाई मुलजीभाई पटेल का अंतरिम बजट भाषण अबतक का सबसे छोटा भाषण है, जिसमें केवल 800 शब्द हैं। बजट पारंपरिक रूप से फरवरी के आखिरी दिन शाम पांच बजे पेश किया जाता है। वर्ष 1999 में समय बदला गया था और अटल बिहारी वाजपेई सरकार में तत्कालीन वित्त मंत्री यशवंत सिंह ने सुबह 11 बजे बजट पेश किया।

बजट में एनपीएस, आयुष्मान भारत पर हो सकती हैं कुछ घोषणाएं, आयकर में राहत की उम्मीद कम : अर्थशास्त्री

नई दिल्ली, (भाषा)। अर्थशास्त्रियों का मानना है कि इस सप्ताह पेश होने वाले आम बजट में नई पेंशन प्रणाली और आयुष्मान भारत जैसी सामाजिक सुरक्षा से जुड़ी योजनाओं को लेकर कुछ घोषणाएं हो सकती है। हालांकि, आयकर के मामले में राहत की उम्मीद कम है। उनका यह भी कहना है कि अर्थव्यवस्था को गति देने के लिए बुनियादी ढांचे पर जोर, ग्रामीण और कृषि संबंधी आवंटन बढ़ने और सूक्ष्म तथा लघु उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए कदम उठाए जाने की संभावना है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण 2024-25 के लिए लगातार सातवीं बार और नरेन्द्र मोदी की अगुवाई वाली राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार के तीसरे कार्यकाल का पहला बजट मंगलवार यानी 23 जुलाई को लोकसभा में पेश करेंगीं।

बजट में सामाजिक सुरक्षा योजनाओं को लेकर उम्मीद के बारे में पूछे जाने पर जाने-माने अर्थशास्त्री और राष्ट्रीय लोक वित्त एवं नीति संस्थान (एनआईपीएफपी) में प्रोफेसर एन आर भानुमूर्ति ने पीटीआई-भाषा से कहा, बजट में एनपीएस और आयुष्मान भारत पर कुछ घोषणाओं की उम्मीद है। पेंशन योजनाओं को लेकर राज्यों के स्तर पर काफी चर्चा हुई है। केंद्र सरकार ने एनपीएस (नई पेंशन प्रणाली) को लेकर समिति भी गठित की थी। प्रधानमंत्री ने आयुष्मान भारत के बारे में कुछ बातें कही हैं। ऐसे में दोनों योजनाओं में कुछ घोषणाओं की उम्मीद की जा सकती है। उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री मोदी ने लोकसभा चुनाव के लिए भारतीय जनता पार्टी का घोषणापत्र जारी करते हुए कहा था कि 70 साल से ऊपर के सभी नागरिकों को पांच लाख रुपए तक के मुफ्त इलाज के लिए आयुष्मान योजना के दायरे में लाया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा था कि पार्टी का ध्यान निवेश के जरिए लोगों के मान-सम्मान और बेहतर जीवन तथा रोजगार सुनिश्चित करने पर है। एनपीएस और आयुष्मान भारत के बारे में अर्थशास्त्री और शोध संस्थान आरआईएस (विकासशील देशों की अनुसंधान एवं सूचना प्रणाली) के महानिदेशक सचिन चतुर्वेदी ने कहा, यह काफी महत्वपूर्ण क्षेत्र है। प्रमुख कार्यक्रम पहले से ही पूर्ण लक्ष्य तक पहुंचने के करीब हैं... इस दिशा में नए उपायों की उम्मीद की जा सकती है।

इस संबंध में एनआईपीएफपी में प्रोफेसर लेखा चक्रवर्ती ने कहा, महामारी के बाद की राजकोषीय रणनीति में सामाजिक सुरक्षा योजनाएं महत्वपूर्ण हैं। हालांकि, स्वास्थ्य क्षेत्र में बीमा योजनाएं इस प्रणाली को और अधिक महंगा बनाती हैं। बीमा योजनाओं के बजाय हमें मजबूत स्वास्थ्य बुनियादी ढांचे और स्वास्थ्य कर्मियों की आवश्यकता है। लोकसभा चुनाव में भाजपा को पूर्ण बहुमत नहीं मिलने के बीच बजट में कर मोर्चे पर राहत के बारे में पूछे जाने पर भानुमूर्ति कहा, मुझे नहीं लगता कि चुनाव नतीजों का प्रत्यक्ष कर नीति पर असर पड़ेगा। चूंकि निजी खपत चिंता का विषय है, ऐसे में जीएसटी परिषद को अपनी दरों को कम करने पर विचार करना चाहिए, खासकर तब जब कर संग्रह रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच चुका है। चतुर्वेदी ने भी कहा, मुझे नहीं लगता कि बजट में इस संबंध में कुछ होगा। म्यूनिख स्थित इंटरनेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ पब्लिक फाइनेंस के संचालन प्रबंधन मंडल की सदस्य की भी जिम्मेदारी निभा रही चक्रवर्ती ने कहा, कर दरों में कमी से लोगों के हाथों में खर्च करने लायक आय में वृद्धि होगी और यह उपभोग को बढ़ावा दे सकता है। लेकिन हमें ध्यान रखना होगा कि देश की आबादी का केवल एक छोटा हिस्सा (लगभग चार प्रतिशत) ही आयकर अदा करता है। बजट में प्राथमिकता के बारे में आरबीआई निदेशक मंडल के सदस्य की भी जिम्मेदारी निभा रहे चतुर्वेदी ने कहा, बजट में पहले से चिन्हित सभी सात प्राथमिकताओं...समावेशी विकास, अंतिम छोर तक पहुंच, बुनियादी ढांचा और निवेश, क्षमता का उपयोग, हरित विकास, युवा शक्ति और वित्तीय क्षेत्र के विस्तार... पर ध्यान जारी रखा जाना चाहिए। उन्होंने कहा, इस संदर्भ में, बजट के लिए तीन प्राथमिकताएं महत्वपूर्ण हैं। पहला, पूंजीगत व्यय को संदर्भ बिंदु के रूप में रखते हुए बुनियादी ढांचे के विकास पर लगातार ध्यान देना। दूसरा, ग्रामीण और कृषि संबंधी आवंटन को बढ़ावा देना और अंत में, सूक्ष्म और लघु उद्यमों को अधिक प्रोत्साहन दिया जाना चाहिए।

ओली ने विश्वासमत हासिल किया

भाषा। काठमांडू

नेपाल के नवनियुक्त प्रधानमंत्री के. पी. शर्मा ओली ने रविवार को संसद में आसानी से विश्वास मत हासिल कर लिया। लगभग एक सप्ताह पहले ही उन्होंने देश में एक और गठबंधन सरकार का नेतृत्व करने के लिए पद की शपथ ली थी। ओली द्वारा पेश किए गए विश्वास प्रस्ताव के पक्ष में 188 मत पड़े, जबकि इसके खिलाफ 74 मत पड़े। प्रतिनिधि सभा के कुल 263 उपस्थित सदस्यों में से एक सदस्य ने मतदान में हिस्सा नहीं लिया। सरकार बनाने के लिए नेपाल की 275 सदस्यीय प्रतिनिधि सभा में कम से कम 138 सदस्यों का समर्थन आवश्यक होता है। प्रतिनिधि सभा के अध्यक्ष देव राज घिमिरे ने मतों की गिनती के बाद घोषणा की कि प्रधानमंत्री ओली (72) ने निचले सदन में विश्वास मत हासिल कर लिया है। संसद की कार्यवाही शुरू होते ही प्रधानमंत्री ओली ने सदन में विश्वास प्रस्ताव पेश किया।

अध्यक्ष घिमिरे ने सदन के सदस्यों और सत्तारूढ़ तथा विपक्षी दलों के प्रतिनिधियों को प्रस्ताव पर चर्चा के लिए लगभग दो घंटे का समय दिया। इसके बाद उन्होंने प्रधानमंत्री को सदन के सदस्यों द्वारा उठाए गए मुद्दों पर जवाब देने के लिए समय आवंटित किया। प्रधानमंत्री के संबोधन के बाद मतदान प्रक्रिया शुरू हुई। प्रतिनिधि सभा के सदस्यों द्वारा उठाए गए मुद्दों का जवाब देते हुए ओली ने कहा, मैं भ्रष्टाचार में शामिल नहीं था और न ही कभी होऊंगा और यदि कोई ऐसा करता है, तो मैं उसे बर्दाश्त नहीं क-रूंगा। उन्होंने कहा कि दो बड़ी पार्टियां नेपाली कांग्रेस और नेपाल की कम्युनिस्ट पार्टी-एकीकृत मार्क्सवादी लेनिनवादी (सीपीएन-यूएमएल) राजनीतिक स्थिरता बनाए रखने, भ्रष्टाचार पर रोक लगाने और सुशासन लाने के लिए एक साथ आईं। ओली ने कहा, यह गठबंधन सरकार स्थिरता, विकास और सुशासन के लिए एक भरोसेमंद पारिस्थितिकी तंत्र बनाएगी। सत्तारूढ़ गठबंधन नेपाली कांग्रेस, सीपीएन-यूएमएल, लोकतांत्रिक समाजवादी पार्टी और जनता समाजवादी पार्टी नेपाल के सदस्य उन लोगों में शामिल थे, जिन्होंने ओली के विश्वास प्रस्ताव के पक्ष में मतदान किया। विपक्षी दलों सीपीएन-माओवादी केंद्र, सीपीएन-यूनिफाइड सोशलिस्ट, राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी और राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी समेत अन्य ने विश्वास मत प्रस्ताव के दौरान ओली के खिलाफ मतदान किया। वरिष्ठ कम्युनिस्ट नेता ओली ने चौथी बार सोमवार को देश के प्रधानमंत्री के रूप में शपथ ली थी। ओली ने मंत्रिमंडल के 21 अन्य सदस्यों के साथ पद और गोपनीयता की शपथ ली थी। नेपाल के संविधान के अनुसार, ओली के लिए नियुक्ति के 30 दिन के भीतर संसद से विश्वास मत हासिल करना आवकरना आवश्यक था। नेपाल की सबसे बड़ी कम्युनिस्ट पार्टी सीपीएन-यूएमएल के अध्यक्ष को पिछले रविवार को राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल ने गठबंधन सरकार का नेतृत्व करने के लिए प्रधानमंत्री नियुक्त किया था। संसद में सबसे बड़ी पार्टी नेपाली कांग्रेस (एनसी) तथा अन्य छोटी पार्टियां भी गठबंधन सरकार में शामिल हैं। ओली ने पुष्प कमल दाहाल प्रचंड का स्थान लिया है, जो पिछले सप्ताह विश्वास मत हासिल नहीं कर पाए थे, जिसके परिणामस्वरूप नई सरकार का गठन हुआ नेपाल को लगातार राजनीतिक उथल-पुथल का सामना करना पड़ा है। पिछले 16 वर्षों में देश में 14 सरकारें बनी हैं।

बाइडन का शरीर दवाओं को अच्छी तरह झेल पा रहा है : व्हाइट हाउस

वाशिंगटन(भाष)। पिछले सप्ताह कोरोना वायरस से संक्रमित पाए गए अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन का शरीर कोविड-19 रोधी दवा को अच्छे से झेल पा रहा है और वह राष्ट्रपति के रूप में अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन कर रहे हैं। अमेरिका के राष्ट्रपति के आधिकारिक आवास एवं कार्यालय व्हाइट हाउस ने यह जानकारी दी। राष्ट्रपति के चिकित्सक डॉ. केविन सी. ओ कॉनर ने व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरीन ज्यां-पियरे को शनिवार को दिए एक ज्ञापन में कहा कि जीनोम अनुक्रमण से यह पता चला है कि बाइडन कोरोना वायरस के केपी.2.3 स्वरूप से पीड़ित हैं। अमेरिका में सामने आए कोविड-19 के हालिया मामलों में से 33.3 प्रतिशत मामले केपी.2.3 स्वरूप से संक्रमण के हैं। डॉ. ओ कॉनर ने कहा, राष्ट्रपति बाइडन ने आज सुबह पैक्सलोविड की छठी खुराक ली। उन्होंने कहा कि बाइडन को खांसी अब भी हो रही है, लेकिन उनकी तबीयत में लगातार सुधार दर्ज किया जा रहा है। डॉ. ओ कॉनर ने बताया कि बाइडन की नब्ज, रक्तचाप, श्वसन दर और तापमान बिल्कुल सामान्य हैं, कमरे की हवा में उनके शरीर में ऑक्सीजन का स्तर उत्कृष्ट बना हुआ है और उनके फेफड़े साफ हैं। उन्होंने कहा, राष्ट्रपति का शरीर उपचार को अच्छी तरह से झेल पा रहा है और वह योजना के अनुसार पैक्सलोविड (कोविड रोधी गोली) लेना जारी रखेंगे। वह राष्ट्रपति के रूप में अपने सभी कर्तव्यों का पालन करना जारी रखेंगे। बाइडन 17 जुलाई को कोरोना वायरस से संक्रमित पाए गए थे, जिसके कारण उनका चुनाव प्रचार अभियान ऐसे समय में बाधित हो गया, जब अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति एवं इस साल होने वाले राष्ट्रपति पद के चुनाव में रिपब्लिकन पार्टी के उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप के साथ पहली बहस में खराब प्रदर्शन और स्वास्थ्य संबंधी चिंताओं के कारण उन पर चुनावी दौड़ से पीछे हटने का दबाव बढ़ रहा है।

भारतीय-अमेरिकी समुदाय के नेता ने राष्ट्रपति बाइडन के समर्थन में डेमोक्रेट से एकजुट होने को कहा

वाशिंगटन। भारतीय-अमेरिकी समुदाय के एक प्रमुख नेता ने कहा है कि राष्ट्रपति जो बाइडन और उपराष्ट्रपति कमला हैरिस अमेरिका को आगे ले जा रहे हैं। उन्होंने डेमोक्रेटिक पार्टी के नेताओं से राष्ट्रपति चुनाव में बाइडन के प्रतिद्वंद्वी डोनाल्ड ट्रंप के विनाशकारी और देश को पीछे ले जाने वाले एजेंडे को हराने के लिए मौजूदा राष्ट्रपति के समर्थन में एकजुट होने का आह्वान किया। बाइडन के समर्थक एवं एशियाई अमेरिकियों पर व्हाइट हाउस सलाहकार परिषद के सदस्य अजय जैन भूटोरिया की टिप्पणी बाइडन के राष्ट्रपति पद के नामांकन को लेकर सत्तारूढ़ डेमोक्रेटिक पार्टी में मतभेद की खबरों के बीच आई है। शीर्ष स्तर पर कई डेमोक्रेट चाहते हैं कि बाइडन नवंबर में होने वाले राष्ट्रपति चुनाव की दौड़ से हट जाएं ताकि नए उम्मीदवार के लिए मार्ग प्रशस्त हो सके। भूटोरिया ने शनिवार को कहा, हम सिर्फ एक प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ प्रचार नहीं कर रहे, बल्कि हम अपने देश के लिए लड़ रहे हैं।

अमेरिका में भारतीय मूल के व्यक्ति की गोली मारकर हत्या

वाशिंगटन। अमेरिका के इंडियाना प्रांत में भारतीय मूल के एक व्यक्ति की उसकी पत्नी के सामने गोली मारकर हत्या कर दी गई। पुलिस और मीडिया रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है। यह घटना उस समय हुई जब गैविन दसौर अपनी पत्नी के साथ घर जा रहे थे। दसौर की पत्नी मेक्सिको की हैं और हाल में उनका विवाह हुआ था। इंडियानापोलिस पुलिस विभाग (आईएमपीडी) की अधिकारी अमांडा हिब्सचमैन ने बताया कि अधिकारियों को पिछले सप्ताह मंगलवार रात आठ बजे के बाद इंडी शहर के दक्षिण-पूर्वी हिस्से में एक चौराहे पर एक व्यक्ति को गोली मारे जाने की सूचना मिली। घटनास्थल पर पहुंचे अधिकारियों ने बताया कि वहां जमीन पर एक व्यक्ति पड़ा था और उसके शरीर पर गोली का निशान था। मृतक की पत्नी ने उसकी पहचान की। भारतीय मूल के व्यक्ति की पत्नी विवियाना जमोरा ने इंडियानापोलिस स्टार को बताया, वह खून से लथपथ थे, मैं उन्हें थामे हुए थी और एम्बुलेंस का इंतज़ार कर रही थी। कहा जा रहा है कि दसौर आगरा का रहने वाला था और उनका विवाह 29 जून को हुआ था। प्रत्यक्षदर्शियों ने पुलिस को बताया कि गोलीबारी की घटना एक वाहन चालक और दसौर के बीच सड़क पर झगड़े के कारण हुई। उन्होंने बताया कि संदिग्ध आरोपी को घटनास्थल पर ही हिरासत में ले लिया गया। पुलिस प्रवक्ता ने कहा, जांच के बाद और मैरियन काउंटी अभियोक्ता कार्यालय के साथ परामर्श के बाद उस व्यक्ति को रिहा कर दिया गया। आरोपी की रिहाई से ऐसे संकेत मिलते हैं कि हमलावर ने आत्मरक्षा में हमला किया होगा। दसौर की पत्नी ने अपने पति को गोली मारे जाने की घटना की निंदा की है। उन्होंने स्थानीय मीडिया से कहा, वह मेहनती इंसान थे और किसी की भी मदद करने में हमेशा आगे रहते थे....।

हिजबुल्ला ने इजराइल के ग्रामीण इलाके में रॉकेट से हमला किया

बेरूत। (एपी) लेबनान के चरमपंथी समूह हिजबुल्ला ने कहा है कि उसके लड़ाकों ने उत्तरी इजराइल में शनिवार को दर्जनों रॉकेट दागे। पिछले नौ महीने में यह पहला मौका है जब हिजबुल्ला ने इजराइल की ओर रॉकेट से हमला किया है। इससे पहले दिन में इजराइल ने ड्रोन से हमला किया था, जिसमें बच्चों समेत कई लोग घायल हो गए थे। हिजबुल्ला ने इसी हमले का बदला लेने के लिए यह हमला किया है। हालांकि, फलस्तीन के चरमपंथी समूह हमास ने शनिवार को दावा किया कि उसने गाजा पट्टी में जनसंहार के प्रतिशोध में इजराइल के उत्तर में स्थित शोमेरा गांव में सैन्य चौकी की तरफ लेबनान से रॉकेट दागे। सरकारी समाचार एजेंसी नेशनल न्यूज एजेंसी (एनएनए) ने अपनी एक रिपोर्ट में कहा कि शनिवार रात को दक्षिण तटीय गांव अदलून पर इजराइली हवाई हमले में हथियारों के एक केन्द्र को निशाना बनाया गया और इसके बाद कई विस्फोट हुए।

लोकतंत्र के लिए गोली खाई

भाषा। वाशिंगटन। पेनसिल्वेनिया में एक कार्यक्रम में हुए जानलेवा हमले में बाल-बाल बचने के बाद अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपनी पहली चुनाव प्रचार रैली में आलोचकों की इन चिंताओं को खारिज किया कि वह लोकतंत्र के लिए खतरा हैं और कहा कि उन्होंने लोकतंत्र के लिए गोली खाई। मिशिगन में शनिवार को हुई रैली में राष्ट्रपति चुनाव के लिए रिपब्लिकन पार्टी के उम्मीदवार ट्रंप के साथ उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार जे डी वेंस भी थे। ग्रैंड रैपिड्स के वैन एंडेल एरिना में ट्रंप और वेंस को देखने के लिए 12,000 से अधिक लोग इकट्ठे हुए। ट्रंप (78) ने डेमोक्रेटिक पार्टी के नेताओं का जिक्र करते हुए कहा, वे कहते रहते हैं कि वह (ट्रंप) लोकतंत्र के लिए खतरा हैं। मैं कहता हूं, मैंने लोकतंत्र के खिलाफ क्या किया है? मैंने पिछले सप्ताह लोकतंत्र के लिए गोली खाई। उन्होंने अपने हजारों समर्थकों की तालियों की गड़गड़ाहट के बीच कहा, मैंने लोकतंत्र के खिलाफ क्या किया? यह पागलपन है।

पेनसिल्वेनिया में एक चुनावी रैली के दौरान पूर्व राष्ट्रपति ट्रंप पर एक बंदूकधारी ने कई गोलियां चलाई थीं। इस हमले में एक गोली ट्रंप के दाहिने कान को छूकर निकल गई थी, जबकि रैली में शामिल एक व्यक्ति मारा गया था और दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए थे। पूर्व राष्ट्रपति ने ट्रंप के एजेंडे का समर्थन करने के लिए अमेरिकी संघीय सरकार को नया स्वरूप देने के लक्ष्य से बनाई गई रूढ़िवादी हेरिटेज फाउंडेशन की परियोजना 2025 पर भी बात की, जिसके बारे में उनके प्रतिद्वंद्वियों का दावा है कि यह पहल लोकतंत्र के लिए खतरा है। ट्रंप ने इस परियोजना से खुद को अलग करते हुए कहा, मैं इसके बारे में कुछ जानना नहीं चाहता, लेकिन वे गलत सूचना और भ्रामक जानकारी दे रहे हैं। कान पर पट्टी बांधकर आए ट्रंप ने करीब दो घंटे तक भाषण दिया और बटलर मेमोरियल अस्पताल के कर्मियों का आभार जताया, जहां उन्हें पेनसिल्वेनिया में उनकी रैली में गोलीबारी की घटना के बाद ले जाया गया था। ट्रंप ने कहा, मैं पिछले शनिवार की भयावह घटना के बाद अत्यंत प्यार और समर्थन के लिए देशभर के लोगों को विशेष धन्यवाद देना चाहता हूं। ट्रंप ने आरोप लगाया कि प्रतिद्वंद्वी डेमोक्रेटिक पार्टी मौजूदा राष्ट्रपति जो बाइडन को चुनावी दौड़ से बाहर करने के लिए अपने ही प्राइमरी नतीजों को पलटने की कोशिश कर रही है। उन्होंने कहा, जैसा कि आप देख रहे हैं, डेमोक्रेट पार्टी लोकतांत्रिक पार्टी नहीं है। वे वास्तव में लोकतंत्र के दुश्मन हैं। पूर्व राष्ट्रपति ने कहा, हमारे नेतृत्व में रिपब्लिकन पार्टी लोगों की पार्टी है। हम हर जाति, धर्म, रंग और पंथ के मेहनती अमेरिकियों की पार्टी हैं। हम एक बहुत बड़ी पार्टी बन गए हैं।

हत्या के प्रयास के दौरान लगी गोली के जख्म से उम्मीद के मुताबिक उबर रहे ट्रंप : चिकित्सक

वाशिंगटन। अमेरिका में नवंबर में प्रस्तावित राष्ट्रपति चुनाव के लिए रिपब्लिकन पार्टी के उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप 13 जुलाई को पेनसिल्वेनिया में हत्या के प्रयास के दौरान उन्हें लगी गोली के जख्म से उम्मीद के मुताबिक उबर रहे हैं। ट्रंप के एक पूर्व चिकित्सक ने एक ज्ञापन में यह जानकारी दी। पेनसिल्वेनिया में एक चुनावी रैली के दौरान पूर्व राष्ट्रपति ट्रंप (78) पर एक बंदूकधारी ने कई गोलियां चलाई थीं। इस हमले में एक गोली ट्रंप के दाहिने कान को छूकर निकल गई थी, जबकि रैली में शामिल एक व्यक्ति मारा गया था और दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए थे। खुफिया सेवा के एक सदस्य ने संदिग्ध हमलावर को घटनास्थल पर ही मार गिराया था। शनिवार को साथी अमेरिकियों को जारी एक ज्ञापन में डॉ. रॉनी एल जैक्सन ने कहा कि ट्रंप पर हुए जानलेवा हमले के बाद पूरी दुनिया की तरह वह भी उनकी सेहत को लेकर बहुत चिंतित था।

मेरी हत्या की कोशिश के बाद चीन के राष्ट्रपति शी ने मुझे प्यारा सा पत्र लिखा था: ट्रंप

वाशिंगटन। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि पेनसिल्वेनिया में एक रैली में उन पर किए गए जानलेवा हमले के बाद चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग ने उन्हें एक प्यारा सा पत्र लिखा था। पेनसिल्वेनिया में एक चुनावी रैली के दौरान पूर्व राष्ट्रपति ट्रंप पर एक बंदूकधारी ने कई गोलियां चलाई थीं। इस हमले में एक गोली ट्रंप के दाहिने कान को छूकर निकल गई थी, जबकि रैली में शामिल एक व्यक्ति मारा गया था और दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए थे। इस हमले के एक सप्ताह बाद ट्रंप ने मिशिगन के ग्रैंड रैपिड्स में शनिवार को एक चुनावी रैली में कहा, मेरा राष्ट्रपति शी चिनफिंग के साथ बहुत अच्छा रिश्ता रहा और वह एक बढ़िया इंसान हैं। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति ने बताया कि उन पर हुए हमले के बाद शी ने मुझे अगले दिन एक प्यारा सा पत्र लिखा। ट्रंप (78) ने कहा कि उन्हें अन्य नेताओं से भी इसी प्रकार के पत्र मिले हैं। पूर्व राष्ट्रपति ने यह नहीं बताया कि और किन नेताओं ने हमले के बाद उनसे संपर्क किया। उन्होंने हमले के बाद अपनी पहली चुनावी रैली में कहा, इनमें से बहुतों को वह पसंद नहीं था जो मैं उनके साथ कर रहा था, लेकिन वे यह भी जानते थे कि यह समय की मांग थी। अब खेल खत्म हो चुका था, है न? यह समय की मांग थी। लगभग सभी ने मुझे पत्र लिखे।... मेरे अब उन सभी के साथ अच्छे संबंध हैं। यह अच्छी बात है। ट्रंप, शी के साथ मधुर संबंध होने का लंबे समय से दावा करते रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन के साथ भी उनके अच्छे संबंध हैं। उन्होंने कहा, मीडिया संस्थान कई बार कहते थे कि उनके किम जोंग उन के साथ अच्छे संबंध हैं, उत्तर कोरिया के पास बहुत सारे परमाणु हथियार हैं। मेरे उनके साथ अच्छे संबंध थे। यह अच्छी बात है। मेरे राष्ट्रपति होने के कारण आपको कभी कोई खतरा नहीं था। किसी के साथ अच्छे संबंध होना अच्छी बात है, बुरी बात नहीं। ट्रंप ने कहा कि वह व्यापार में चीन के प्रति सख्ती बरतेंगे।

ब्रिटेन के विदेश मंत्री की भारत यात्रा के साथ एफटीए वार्ता के बहाल होने की उम्मीद

लंदन, (भाषा)। भारत-ब्रिटेन मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) वार्ता के नए मापदंड इस सप्ताह निर्धारित किए जाएंगे।ब्रिटेन के विदेश मंत्री डेविड लैमी मंगलवार को भारत आने वाले हैं। यह ब्रिटेन में नवनिर्वाचित लेबर सरकार के तहत पहला उच्चस्तरीय दौरा होगा।जनवरी, 2022 में तत्कालीन कंजर्वेटिव सरकार के तहत मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर वार्ता शुरू हुई थी। इसका लक्ष्य प्रतिवर्ष 38.1 अरब पाउंड की द्विपक्षीय व्यापार साझेदारी को बढ़ावा देना था। ....लेकिन दोनों देशों में आम चुनावों के कारण वार्ता के 14वें दौर में इसमें बाधा आ गई।रविवार को समाचार पत्र द डेली टेलीग्राफ में प्रकाशित एक रिपोर्ट में नई दिल्ली के एक सूत्र के हवाले से दावा किया गया है कि भारतीय पक्ष इस बात पर स्पष्टता चाहेगा कि क्या लेबर सरकार चीजों को वहीं से शुरू करना चाहती है, जहां से उन्हें छोड़ा गया था या किसी तरह से नए सिरे से शुरुआत करना चाहती है।सूत्र ने समाचार पत्र से कहा, भारत सकारात्मक रुख के साथ वार्ता बहाल करने का इच्छुक है, लेकिन तारीख पर स्पष्टता की जरूरत है। सूत्र ने कहा, पिछली सरकार में व्यापार समझौता अंतिम चरण में था, और हम देखना चाहते हैं कि क्या लेबर सरकार वहीं से शुरू करना चाहती है जहां मार्च में चुनाव से पहले इसे छोड़ा था, या फिर नए सिरे से शुरू करना चाहती है। पेशेवरों के लिए वीजा पर हमारा रुख नहीं बदला है। हम लेबर सरकार के तहत सकारात्मक परिणाम की उम्मीद कर रहे हैं। इसी महीने लेबर की भारी चुनावी जीत से कुछ दिन पहले भारत-ब्रिटेन संबंधों पर अपने अंतिम प्रमुख हस्तक्षेप के दौरान लैमी ने लंदन में इंडिया ग्लोबल फोरम (आईजीएफ) को बताया कि उनका इरादा जल्द से जल्द इस समझौते को पूरा करने का है। उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन द्वारा दिवाली, 2022 की समयसीमा चूक जाने पर दुख व्यक्त करते हुए कहा, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल को मेरा संदेश है कि लेबर पार्टी आगे बढ़ने के लिए तैयार है। आइए आखिरकार अपना मुक्त व्यापार समझौता करें और आगे बढ़ें।

राजदूत के पद पर क्वात्रा की नियुक्ति का स्वागत

वाशिंगटन। भारतीय-अमेरिकी संगठन और गैर-सरकारी एवं गैर लाभकारी संस्थाओं ने राजनयिक विनय क्वात्रा को अमेरिका में भारत का राजदूत नियुक्त किए जाने का स्वागत करते हुए कहा है कि द्विपक्षीय संबंधों को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए वे उनके साथ काम करने को उत्सुक हैं। पूर्व विदेश सचिव क्वात्रा को शुक्रवार को अमेरिका में भारत का राजदूत नियुक्त किया गया। जनवरी में तरनजीत संधू के सेवानिवृत्त होने के बाद अमेरिका में भारत के राजदूत का पद रिक्त हो गया था। गैर-सरकारी एवं गैर लाभकारी संस्था इंडियास्पोरा ने कहा, प्रवासी भारतीय समूह विनय मोहन क्वात्रा को अमेरिका में भारत के राजदूत के रूप में उनकी नियुक्ति पर बधाई देता है। इसने कहा कि राजदूत क्वात्रा निस्संदेह अमेरिका-भारत संबंधों को और मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे और इंडियास्पोरा राजदूत क्वात्रा के साथ काम करने के लिए उत्सुक है। यूएस-इंडिया स्ट्रैटेजिक एंड पार्टनरशिप फोरम (यूएसआईएसपीएफ) ने कहा, विदेश सचिव के रूप में, उन्होंने महत्वपूर्ण भू-राजनीतिक चुनौतियों से निपटते हुए भारत की विदेश नीति को कुशलतापूर्वक आगे बढ़ाया है। अमेरिका-भारत साझेदारी को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए साथ मिलकर काम करने की उम्मीद है। इसने कहा कि यूएसआईएसपीएफ अमेरिका-भारत रणनीतिक साझेदारी को मजबूत करने के लिए राजदूत क्वात्रा के साथ काम करने को उत्सुक है। यूएस इंडिया बिजनेस काउंसिल (यूएसआईबीसी) के प्रमुख अतुल कश्यप ने कहा, राजदूत क्वात्रा को वाशिंगटन डीसी लौटने पर उनके सफल कार्यकाल के लिए हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं। यह एक ऐसा शहर है जिससे वह बखूबी अवगत हैं और यहां उन्होंने पिछले कुछ वर्षों में द्विपक्षीय संबंधों के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

हिंसक प्रदर्शनों के बाद बांग्लादेश की शीर्ष अदालत ने नौकरियों में आरक्षण घटाया

ढाका,(एपी)। बांग्लादेश की शीर्ष अदालत ने देश में आरक्षण को लेकर मचे बवाल के बीच सरकारी नौकरियों में आरक्षण रविवार को घटा दिया। नौकरियों की कमी से गुस्साए प्रदर्शनकारी उस प्रणाली को समाप्त करने की मांग कर रहे थे, जिसके तहत 1971 में पाकिस्तान के खिलाफ बांग्लादेश के मुक्ति संग्राम में हिस्सा लेने वालों के परिजनों को सरकारी नौकरियों में 30 प्रतिशत तक आरक्षण दिया जाता था। सरकार ने बड़े पैमाने पर छात्रों के विरोध प्रदर्शनों के बाद 2018 में इस पर रोक लगा दी थी, लेकिन जून में बांग्लादेश के उच्च न्यायालय ने आरक्षण बहाल कर दिया था, जिसके बाद देश में फिर से विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए थे। उच्चतम न्यायालय ने रविवार के अपने फैसले में कहा कि 93 प्रतिशत सरकारी नौकरियां योग्यता आधारित प्रणाली के आधार पर आवंटित की जाएं, पांच प्रतिशत 1971 में बांग्लादेश मुक्ति संग्राम में भाग लेने वालों के परिजनों तथा अन्य श्रेणियों के लिए दो प्रतिशत सीटें आरक्षित रखी जाएं। बांग्लादेश में सरकारी नौकरियों में आरक्षण व्यवस्था में सुधार की मांग को लेकर कई दिन से प्रदर्शन हो रहे थे और हालात बिगड़ने पर शनिवार को पूरे देश में कठोर कर्फ्यू लगा दिया गया। सैन्य बलों ने राष्ट्रीय राजधानी ढाका के विभिन्न हिस्सों में गश्त की। बांग्लादेशी अधिकारियों ने मृतकों और घायलों की कोई आधिकारिक संख्या साझा नहीं की है लेकिन समाचार दैनिक प्रथम आलो में शनिवार को प्रकाशित एक खबर में बताया गया कि अब तक कम से कम 103 लोग मारे गए हैं। उच्चतम न्यायालय में सुनवाई से पहले सैनिकों ने इस दक्षिण एशियाई देश के शहरों में गश्त की। गृह मंत्री असदुज्जमां खान ने कहा कि रविवार अपराह्न तीन बजे से शाम पांच बजे तक कर्फ्यू में ढील दी जाएगी। इस बीच, सरकार ने रविवार और सोमवार को सार्वजनिक अवकाश घोषित कर दिया है तथा केवल आपातकालीन सेवाएं ही चालू रहेंगी।

अमेरिका ने बांग्लादेश की यात्रा न करने की सलाह दी

वाशिंगटन। अमेरिका ने बांग्लादेश में जारी हिंसा के मद्देनजर अपने नागरिकों को दक्षिण एशियाई देश की यात्रा न करने का परामर्श दिया है। उसने अपने गैर-आपातकालीन सरकारी कर्मचारियों और उनके परिवार के सदस्यों को स्वैच्छिक रूप से वहां से आने की अनुमति दे दी है। इससे एक दिन पहले, अमेरिका ने बांग्लादेश के लिए एक नया यात्रा परामर्श जारी कर अमेरिकी नागरिकों से हिंसा से जूझ रहे देश की यात्रा से पहले पुनर्विचार करने का आग्रह किया था।

पेरिस ओलंपिक में हिस्सा ले रहे भारतीय खिलाड़ियों के लिए

बीसीसीआई ने खोला खजाना 8.5 करोड़ रुपए देने की घोषणा

भाषा। नई दिल्ली

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने पेरिस ओलंपिक के लिए जाने वाले भारतीय खिलाड़ियों को रविवार को वित्तीय सहायता प्रदान करते हुए भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) को 8.5 करोड़ रुपए देने की घोषणा की। पेरिस ओलंपिक 26 जुलाई से शुरू होंगे।बीसीसीआई सचिव जय शाह ने अपने एक्स अकाउंट पर लिखा, मुझे यह घोषणा करते हुए गर्व हो रहा है कि बीसीसीआई 2024 पेरिस ओलंपिक में भारत का प्रतिनिधित्व करने वाले हमारे अविश्वसनीय एथलीटों का समर्थन करेगा। हम इस अभियान के लिए आईओए को 8.5 करोड़ रुपए प्रदान कर रहे हैं। उन्होंने कहा, हम पूरे दल को शुभकामनाएं देते हैं। भारत को गौरवान्वित करें। जय हिंद। पेरिस ओलंपिक में 117 खिलाड़ी भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे। खिलाड़ियों के साथ भारतीय दल में सहयोगी स्टाफ भी है।उन्होंने कहा, हम पूरे दल को शुभकामनाएं देते हैं। भारत को गौरवान्वित करें। जय हिंद। पेरिस ओलंपिक में 117 खिलाड़ी भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे। खिलाड़ियों के साथ भारतीय दल में सहयोगी स्टाफ भी है।

पेरिस में बड़ी संख्या में सुरक्षाकर्मी तैनात

ओलंपिक

भाषा। पेरिस

पेरिस ओलंपिक के आयोजन से जुड़े प्रमुख लोगों ने लगभग एक साल पहले आत्मविश्वास के साथ कहा था कि इन खेलों के दौरान फ्रांस की राजधानी दुनिया की सबसे सुरक्षित जगह होगी लेकिन अब परिस्थितियां बदल गई है और सुरक्षा व्यवस्था को चाक चौबंद बनाने के लिए पुलिस के साथ सेना और कृत्रिम मेधा (एआई) की मदद ली जा रही है। पेरिस में पुलिस दल सड़कों पर गश्त कर रहे हैं, आसमान में लड़ाकू जेट विमान उड़ रहे और सेना की टुकड़ी को इस तरह से तैयार किया गया कि वे आपात स्थिति में किसी भी खेल स्थल या खेल गांव में आधे घंटे में पहुंच जाए। उद्घाटन समारोह की मेजबानी करने वाले सीन नदी के किनारों को पहले खुला रखने की योजना थी लेकिन अब दोनों किनारों पर सुरक्षा अवरोध लगाए जा रहे हैं।

यूक्रेन तथा गाजा में चल रहे युद्ध और बढ़ते अंतरराष्ट्रीय तनाव के बीच फ्रांस के सामने 26 जुलाई से 11 अगस्त तक दुनिया भर के लगभग 10,500 खिलाड़ियों के साथ लाखों की संख्या में यहां आने वाले प्रशंसकों की सुरक्षा की सबसे बड़ी चुनौती होगी। इन खेलों पर साइबर हमलों का भी खतरा है।पेरिस खेलों के लिए 45,000 पुलिस के साथ लगभग 10,000 सेना के जवानों को तैनात किया गया है। यह द्वितीय विश्व युद्ध के बाद से पेरिस में सबसे बड़ा सैन्य शिविर है। पेरिस में 2015 के बाद अल-कायदा और इस्लामिक स्टेट के बंदूकधारियों और आत्मघाती हमलावरों ने कई बार हमले किए। इस तरह की स्थिति से निपटने के लिए फ्रांस में भीड़-भाड़ वाली जगहों पर वाहनों पर और पैदल सशस्त्र सैन्य गश्त आम हो गई है। सेंटिनेल नामक आतंकवाद विरोधी सैन्य बल के डिप्टी कमांडर जनरल एरिक चास्बोउफ ने कहा, शुरूआत में आम लोगों के लिए हमें देखना बहुत अजीब था लेकिन अब यह सामान्य हो गया है। सुरक्षा को दुरुस्त करने के लिए राफेल युद्धक विमान के साथ हवाई क्षेत्र की निगरानी करने वाली एडब्ल्यूएसीएस निगरानी उड़ानें, रीपर निगरानी ड्रोन, शार्पशूटर से लैस हेलीकॉप्टर और ड्रोन को निष्क्रिय करने वाले उपकरण पेरिस के आसमान की निगरानी करेंगे। उद्घाटन समारोह के दौरान सीन नदी के आसपास 150 किलोमीटर (93 मील) क्षेत्र को नो फ्लाई जोन करार दिया जाएगा। इसके साथ ही कृत्रिम मेधा सॉफ्टवेयर से लैस कैमरे भी किसी भी संभावित खतरे से निपटने में मदद करेंगे। इस मामले में फ्रांस को 40 से अधिक देशों से भी मदद मिल रही है, जिसने 1900 से अधिक पुलिस बल भेजे है। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर चुनाव प्रचार के दौरान हुए हुए हमले के बाद सुरक्षा की चिंता और बढ़ गई है। पेरिस के दक्षिण पूर्व में सेंटिनेल बल के 4,500 सैनिक के अस्थाई शिविर के निर्माण की देखरेख कर रहे जनरल फिलिप पोरक्वे ने कहा, कोई भी गारंटी नहीं दे सकता कि गलतियां नहीं होंगी।

चोटिल श्रेयंका पाटिल एशिया कप से बाहर उनकी जगह तनुजा को शामिल किया

दाम्बुला। युवा भारतीय स्पिनर श्रेयंका पाटिल बाएं हाथ की ऊंगली में फ्रैक्चर के कारण यहां चल रहे महिला एशिया कप टी20 टूर्नामेंट के बचे हुए मुकाबलों से बाहर हो गईं। एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) ने एक विज्ञप्ति में कहा कि श्रेयंका की जगह तनुजा कंवर को टीम में शामिल किया गया है। 21 वर्षीय श्रेयंका को पाकिस्तान के खिलाफ भारत के शुरुआती मैच के दौरान कैच लेने के प्रयास में चोट लगी थी। श्रेयंका ने पाकिस्तान के खिलाफ महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। उन्होंने 3.2 ओवर में 14 रन देकर दो विकेट लिए थे जिससे भारत को विपक्षी टीम को कम स्कोर पर आउट करने में मदद मिली। वहीं अनकैप्ड बाएं हाथ की स्पिनर 26 वर्षीय तनुजा इस साल महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) में गुजरात जायंट्स के लिए खेली थीं जिसमें उन्होंने 7.13 के इकोनोमी से आठ मैचों में 10 विकेट लिए थे। दिसंबर 2023 में पदार्पण करने के बाद श्रेयंका ने भारत के लिए 12 टी20 अंतरराष्ट्रीय और तीन वनडे खेले हैं। इस साल डब्ल्यूपीलए के दौरान उन्हें इसी हाथ में हेयरलाइन फ्रैक्चर हुआ था। इससे वह रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के लिए कुछ मैच में नहीं खेल पाई थीं। अक्टूबर में बांग्लादेश में होने वाले महिला टी20 विश्व कप के चलते श्रेयंका जल्द से जल्द फिटनेस हासिल करने की उम्मीद करेंगी।

कुश मैनी ने पहली एफ2 स्प्रिंट रेस जीती

बुडापेस्ट। (भाषा) भारत के कुश मैनी ने शुरू में विजेता बने रिचर्ड वरशूर के तकनीकी उल्लघंन के कारण डिस्क्वालीफाई किए जाने के बाद शनिवार को यहां अपनी पहली फॉर्मूला 2 स्प्रिंट रेस जीत ली। पोडियम में शीर्ष पर पहुंचने से 23 वर्षीय इनविक्टा रेसिंग ड्राइवर ने अपने सत्र में 10 अंक जोड़े। शनिवार को हंगरोरिंग में जीत के साथ मैनी फॉर्मूला 2 ड्राइवर्स तालिका में मर्सिडीज के जूनियर ड्राइवर किमी एंटोनेली को पीछे छोड़ते हुए 66 अंक से पी8 पर पहुंच गए।

ओडिशा ने पुरुष खिताब जीता, झारखंड बना महिला वर्ग का चैम्पियन

कोलकाता। ओडिशा हॉकी संघ और हॉकी झारखंड ने रविवार को यहां जूनियर पूर्वी क्षेत्र चैम्पियनशिप में क्रमश: पुरुष और महिला खिताब अपने नाम किए। हॉकी झारखंड ने महिला वर्ग के फाइनल में नियमित समय में।-। की बराबरी के बाद शूटआउट मेंहॉकी बंगाल को 4-3 से पराजित किया। हॉकी बंगाल को 4-3 से पराजित किया। ओडिशा हॉकी संघ ने पुरुष वर्ग की स्पर्धा के फाइनल में हॉकी झारखंड को 2-0 के अंतर से मात दी।

हरमनप्रीत और ऋचा का अर्धशतक भारत ने यूएई को 78 रन से हराया

भाषा। दाम्बुला

गत चैम्पियन भारतीय महिला टीम ने कप्तान हरमनप्रीत कौर (66 रन) और विकेटकीपर बल्लेबाज ऋचा घोष (नाबाद 64) के अर्धशतकों के बाद कसी गेंदबाजी से रविवार को यहां महिला एशिया कप टी20 क्रिकेट मैच में अपना रिकॉर्ड स्कोर बनाकर संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) को 78 रन से शिकस्त दी। सात बार की चैम्पियन भारत ने अपने पहले मैच में चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान को सात विकेट से हराया था और अब लगातार दूसरी जीत से सेमीफाइनल में पहुंचने से एक कदम दूर है। दो जीत से भारत ग्रुप ए में चार अंक से शीर्ष स्थान पर है जिसमें उसका नेट रन रेट 3.298 है। भारत अपने तीसरे और अंतिम ग्रुप मैच में मंगलवार को नेपाल से भिड़ेगा। भारत ने बल्लेबाजी का न्योता मिलने के बाद पांच विकेट पर 201 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया जो एशिया कप का रिकॉर्ड स्कोर भी है। भारतीय गेंदबाजों ने इसके बाद यूएई को 20 ओवर में सात विकेट पर 123 रन र रोक दिया। उसके लिए कप्तान ईशा ओझा (38 रन) ने अच्छी बल्लेबाजी की लेकिन दूसरे छोर पर उन्हें सहयोग नहीं मिला। कविशा एगोडगे ने नाबाद 40 रन बनाए। भारत ने पांच गेंदबाजों का इस्तेमाल किया जिसमें सभी ने कम से एक एक विकेट लिया। अनुभवी गेंदबाज दीप्ति शर्मा ने चार ओवर में 23 रन देकर दो विकेट झटके। रेणुका सिंह (30 रन देकर एक विकेट) और पूजा वस्त्रकार (27 रन देकर एक विकेट) की तेज गेंदबाज जोड़ी ने तीर्था सतीश (04) और ऋणीता रजीत (07) को आउट किया जिससे यूएई का स्कोर 5.2 ओवर में 2 विकेट पर 24 रन हो गया। इसके बाद दीप्ति ने अपनी तीसरी गेंद पर समायरा धरनीधरका (05) को आउट किया। लेकिन ओझा और कविशा एगोडगे ने कुछ मनोरंजक शॉट खेले और अगले तीन ओवर में 20 रन बनाए। चोटिल श्रेयंका पाटिल की जगह अंतिम एकादश में शामिल तनुजा कंवर (14 रन देकर एक विकेट) ने ओझा को स्टंप आउट कर दिया जबकि राधा यादव (29 रन देकर एक विकेट) ने खुशी शर्मा (10) को आउट किया जिससे 16वें ओवर में उनका स्कोर पांच विकेट 95 रन हो गया। इसके बाद हीना होतचंदानी (08) दीप्ति का दूसरा शिकार बनीं और ऋतिका रजीत आखिरी गेंद पर रन आउट हो गईं।

इससे पहले 35 वर्षीय हरमनप्रीत पूरी तरह से दबदबा बनाए थीं, उन्होंने 47 गेंद की पारी के दौरान सात चौके और एक छक्का जड़ा। हरमनप्रीत ने इस तरह टी20 अंतरराष्ट्रीय में 12वां अर्धशतक जड़ा जो कप्तान के तौर पर उनका 11वां पचासा है। ऋचा ने फिनिशर की भूमिका अच्छी तरह निभाते हुए 29 गेंद की पारी में 12 चौके और एक छक्का जड़ा। उन्होंने पारी के अंतिम ओवर में हीना होतचंदानी पर पांच चौके जमाए। ऋचा का यह टी20 में पहला अर्धशतक है।

नडाल नॉर्डिया ओपन के फाइनल में बोर्गेस से हारे

बस्ताड (स्वीडन)। दिग्गज राफेल नडाल का क्ले-कोर्ट पर खेले गए नॉर्डिया ओपन में विजई अभियान रविवार को फाइनल में नूनो बोर्गेस से 6-3, 6-2 से हारकर खत्म हो गया। सातवीं वरीयता प्राप्त पुर्तगाल खिलाड़ी ने स्पेन के अनुभवी खिलाड़ी की सर्विस को पांच बार तोड़कर एटीपी टूर पर अपनी पहली जीत दर्ज की। नडाल 2022 फ्रेंच ओपन के बाद पहली बार एटीपी टूर पर किसी प्रतियोगिता के फाइनल में पहुंचे थे। बोर्गेस ने इस एकतरफा जीत के बाद कहा, यह शानदार है, टेनिस में कभी-कभी ऐसा होता है जिसकी आप उम्मीद नहीं करते है। उन्होंने कहा, मुझे पता है कि यहां हम सभी चाहते थे कि राफा (नडाल) जीते, मेरे अंदर का एक हिस्सा भी यही चाहता था, लेकिन दूसरा हिस्सा मुझे कुछ बड़ा करने के लिए प्रेरित कर रहा था। नडाल ने स्वीडन में 2005 में 19 वर्ष की उम्र में खिताब जीता था जिसके बाद वह पहली बार यहां खेल रहे थे। वह पेरिस में रोलां गैरो पर ओलंपिक में खेलने की तैयारी में हैं। उन्होंने पहले दौर में स्वीडन के महान खिलाड़ी ब्योर्न बोर्ग के बेटे लियो बोर्ग को हराया। 38 वर्ष के नडाल ने विम्बलडन में भाग नहीं लिया था। वह पिछले डेढ़ साल से कूल्हे और पेट की चोटों से जूझ रहे हैं।

युकी भांबरी ने स्विस ओपन में पुरुष युगल का खिताब जीता

गस्टाड (स्विटजरलैंड)। भारत के युकी भांबरी और फ्रांस के उनके जोड़ीदार अल्बानो ओलिवेट ने रविवार को यहां तीन सेट तक चले फाइनल में उगो हम्बर्ट और फैब्रिस मार्टिन को हराकर हुए स्विस ओपन एटीपी टूर टेनिस टूर्नामेंट में पुरुष युगल का खिताब अपने नाम किया। भांबरी और ओलिवेट की तीसरी वरीयता प्राप्त जोड़ी ने इस एटीपी 250 क्ले कोर्ट टूर्नामेंट में अपने फ्रांसीसी प्रतिद्वंद्वियों को 3-6, 6-3, 10-6 से पराजित किया। फाइनल मैच एक घंटे छह मिनट तक चला जिसमें दोनों जोड़ियों ने एक-दूसरे को कड़ी टक्कर दी लेकिन आखिर में भांबरी और ओलिवेट की जोड़ी विजेता बनी। बत्तीस वर्षीय भांबरी का यह तीसरा एटीपी युगल खिताब है। इस भारतीय खिलाड़ी ने ओलिवेट के साथ मिलकर दूसरा खिताब जीता। उन्होंने लॉयड हैरिस के साथ 2023 मैलोर्का चैंपियनशिप में अपना पहला एटीपी खिताब जीता था। भांबरी ने ओलिवेट के साथ मिलकर इस साल अप्रैल में बीएमडब्ल्यू ओपन का खिताब जीता था। भांबरी 24 जून को युगल रैंकिंग में शीर्ष 50 में पहुंचे थे और इस जीत से विश्व रैंकिंग में उनकी स्थिति और बेहतर होगी।

वाणी, त्वेसा और रिद्धिमा डच लेडीज ओपन में कट से चूकीं, भारतीय चुनौती

हिलवर्सम (नीदरलैंड) (भाषा) वाणी कपूर, त्वेसा मलिक और रिद्धिमा दिलावड़ी पेरिस ओलंपिक से पहले अंतिम लेडीज यूरोपीय टूर टूर्नामेंट में 36 होल में कट बनाने से चूक गईं जिससे डच लेडीज ओपन में भारतीय चुनौती भी समाप्त हो गई। पहले दौर में दो अंडर 70 का कार्ड खेलकर अच्छी शुरूआत करने वाली वाणी ने दूसरे दौर में चार ओवर 76 का कार्ड बनाया जिससे वह एक शॉट से कट से चूक गईं। उनका कुल स्कोर दो ओवर रहा जबकि कट एक ओवर का था। त्वेसा (73-80) और रिद्धिमा (73-75) भी कट में जगह बनाने से चूक गईं।

नीरज चोपड़ा की एडक्टर ठीक है, अब कड़ी ट्रेनिंग कर रहे हैं: कोच बार्टोनिट्ज

नई दिल्ली। भारतीय स्टार नीरज चोपड़ा के जर्मन कोच क्लॉस बार्टोनिट्ज ने उनकी फिटनेस को लेकर सभी चिंताओं को खारिज करते हुए कहा कि पिछले कुछ महीने से इस भाला फेंक एथलीट को परेशान करने वाली जांघ (एडक्टर) की चोट अब है और यह ओलंपिक चैम्पियन पेरिस के लिए कड़ी तैयारियों में जुटा है। तोक्यो ओलंपिक में स्वर्ण जीतकर इतिहास रचने वाले 26 वर्षीय चोपड़ा 26 जुलाई से शुरू होने वाले पेरिस ओलंपिक में शीर्ष पोडियम स्थान के लिए एक बार फिर देश की सर्वश्रेष्ठ दावेदार हैं। लेकिन फिटनेस देखी जाए तो उनका सत्र बिल्कुल सही नहीं रहा है। हालांकि बार्टोनिट्ज ने कहा कि अब चीजें पटरी पर आ गई हैं। उन्होंने कहा, सब कुछ योजना के अनुसार है। फिलहाल जांघ की चोट की कोई समस्या नहीं है, यह ठीक है। उम्मीद है कि ओलंपिक तक ऐसा ही रहेगा। बार्टोनिट्ज करीब पांच साल से चोपड़ा से जुड़े हैं। उन्होंने तुर्किए के अंताल्या से एक विशेष साक्षात्कार में पीटीआई को बताया, ओलंपिक में अभी दो हफ्ते से अधिक समय बचा है इसलिए ट्रेनिंग का स्तर बढ़ा दिया गया है। वह पूरा थ्रोइंग सत्र कर रहे हैं।

भारतीय लड़के और लड़कियां विश्व जूनियर स्क्वाश टीम स्पर्धा के क्वार्टर फाइनल में

ह्यूस्टन (अमेरिका)। भारतीय लड़कों और लड़कियों ने यहां विश्व जूनियर स्क्वाश चैम्पियनशिप की टीम स्पर्धा के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया जिसमें उनका मुकाबला क्रमश: दक्षिण कोरिया और मलेशिया से होगा जो उनसे रैंकिंग में ऊपर हैं। लड़कों ने प्रीक्वार्टर फाइनल में कनाडा को 2-0 से हराया और अब उनका सामना चौथी वरीयता प्राप्त दक्षिण कोरिया से होगा। लड़कियों की टीम अपने अंतिम लीग मैच में हांगकांग से।-2 से हार गई जिससे ग्रुप डी में दूसरे स्थान पर रहने पर अब उसका सामना तीसरी वरीयता प्राप्त मलेशिया से होगा। निरूपमा दुबे को हेलेन टैंग से 4-11, 10-12, 2-11 से हार मिली।नाहत सिंह ने एना क्वॉंग को 11-8, 9-11, 11-5, 11-7 से शिकस्त दी लेकिन शमीना रियाज को ह्यून लेउंग से 4-11, 9-11, 10-12 से पराजय झेलनी पड़ी। व्यक्तिगत कांस्य पदक जीतने वाले शौर्य बावा ने पांच गेम के मुकाबले में यूसुफ सरहान को 12-14, 9-11, 11-7, 11-3, 11-। से हराया जबकि अरिहंत केएस ने 15-13, 12-10, 8-11, 11-2 की प्रभावशाली जीत के साथ इवान हैरिस से व्यक्तिगत स्पर्धा में मिली हार का बदला लिया।

बीजू पटनायक खेल पुरस्कार का नाम नहीं बदला जाएगा: ओडिशा के मुख्यमंत्री

भुवनेश्वर। ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने रविवार को घोषणा की कि राज्य सरकार के बीजू पटनायक खेल पुरस्कार का नाम नहीं बदला जाएगा। खेल और युवा सेवा विभाग ने शुक्रवार को इस वर्ष के पुरस्कार के लिए दिशानिर्देश जारी कर इसका नाम बदलकर राज्य क्रीड़ा सम्मान कर दिया गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस पुरस्कार का नाम बदलने के बारे में उन्हें प्रेस से ही पता चला।

शुरुआत में लाल गेंद की क्रिकेट पर ही ध्यान दें खिलाड़ी : नौशाद

लखनऊ। (भाषा) भारतीय बल्लेबाज सरफराज खान और उभरते हुए आलराउंडर मुशीर खान के पिता और कोच नौशाद खान ने युवा खिलाड़ियों को 15 साल की उम्र तक लाल गेंद से क्रिकेट यानी लंबी अवधि के प्रारूप पर ध्यान देने की जरूरत बताते हुए कहा कि अपने खेल की बुनियाद मजबूत करने के लिए ऐसा करना बेहद जरूरी है। लखनऊ स्थित एक क्रिकेट एकेडमी में उभरते हुए खिलाड़ियों को गुर सिखाने आए खान ने रविवार को पीटीआईभाषा से बातचीत में कहा कि फटाफट क्रिकेट के इस दौर में भी शुरुआत हमेशा लाल गेंद से ही होनी चाहिए। खासकर 15 साल तक की उम्र तक खिलाड़ियों को लाल गेंद से खेलने पर ही ध्यान लगाना चाहिए।

उन्होंने कहा, शुरू में लाल गेंद से खेलने में फायदा ही फायदा है, वरना नुकसान ही नुकसान है। पहले टेस्ट क्रिकेट पर ही फोकस किया जाए। उसके बाद ही वन डे और टी20 खिलाया जाए। लाल गेंद से खेलने से खिलाड़ी के बेसिक्स मजबूत होते हैं और वह तकनीकी तथा मानसिक रूप से भी सशक्त हो जाता है। लिहाजा 15 साल की उम्र तक खिलाड़ियों की बुनियाद को मजबूत करने पर ही ध्यान देना चाहिए। इस साल फरवरी में इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट श्रंखला में अपने अंतरराष्ट्रीय कैरियर की शुरुआत करने वाले प्रतिभाशाली बल्लेबाज सरफराज खान के पिता और कोच ने कहा कि वनडे और टी20 अगर सोना और चांदी हैं तो टेस्ट क्रिकेट हीरा है। हार में हीरा लगने से उसकी खूबसूरती बढ़ती है। खान ने कहा कि उन्होंने अपने बेटों सरफराज और मुशीर को ज्यादातर लाल गेंद से ही अभ्यास कराया है। उससे यह फायदा हुआ कि मुशीर ने पिछले अंडर19 विश्वकप टूर्नामेंट में दो शतक लगाए। सरफराज ने भी आईपीएल में कई तेज पारियां खेलीं। खान ने कहा कि लाल गेंद की क्रिकेट लम्बे सत्र तक गेंदबाजी और बल्लेबाजी करनी होती है। उससे खिलाड़ी की क्षमता निखरती है। टेस्ट क्रिकेट में पिच का व्यवहार रोजाना बदलता है। ऐसे में खिलाड़ी में खुद को परिस्थितियों में ढालने की बेहतर क्षमता विकसित होती है। इस क्षमता से ही कोई खिलाड़ी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर लम्बी पारी खेल सकता है।

खान ने कहा, बीसीसीआई ने भी अपना कार्यक्रम इसी तरह से बनाया है। आप देखिए उसने भी अंडर16 तक टी20 या वन डे का कोई भी प्रारूप नहीं रखा है। कौन सा काम कहां कब कैसे किया जाता है, यह सलीका हो तो और काम हो जाता है।

उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में क्रिकेट प्रतिभाओं की खान है।

पेस, अमृतराज को टेनिस हॉल ऑफ फेम में शामिल किया गया

न्यूपोर्ट (अमेरिका)। भारत के महान टेनिस खिलाड़ी लिएंडर पेस और विजय अमृतराज को रविवार को टेनिस हॉल ऑफ फेम में शामिल किया गया। यह दोनों इस सूची में जगह पाने वाले एशिया के पहले दो खिलाड़ी बन गए हैं। पेस की करियर की सबसे बड़ी उपलब्धि 1996 अटलांटा ओलंपिक खेलों के पुरुष एकल कांस्य पदक जीतना रहा है। यह 51 साल का पूर्व खिलाड़ी आठ पुरुष युगल और 10 मिश्रित युगल ग्रैंड स्लैम खिताब हासिल करने के साथ भारत की डेविस कप की कई यादगार जीत का हिस्सा रहा है। उन्हें हॉल ऑफ फेम के प्लेयर कैटेगरी में जगह दी गई है। अमृतराज विंबलडन और अमेरिका ओपन में दो-दो बार पुरुष एकल क्वार्टर फाइनल में पहुंचे। इस 70 साल के खिलाड़ी ने भारत को दो बार 1974 और 1987 में डेविस कप फाइनल में पहुंचाया है। वह अपने खेल के चरम पर एकल रैंकिंग में 18वें और युगल रैंकिंग में 23वें पायदान पर रहे हैं। उन्हें रिचर्ड इवांस के साथ कंट्रिब्यूटर्स श्रेणी में हॉल ऑफ फेम में शामिल किया गया था। अंतरराष्ट्रीय टेनिस हॉल ऑफ फेम जारी बयान के मुताबिक, पेस को खिलाड़ी श्रेणी में शामिल किया गया था, जबकि अमृतराज और इवांस को कंट्रिब्यूटर्स श्रेणी में जगह दी गई है। हॉल ऑफ फेम में इस खेल के दूरदर्शी नेतृत्वकर्ता, अग्रदूतों या ऐसे व्यक्तियों का सम्मान किया जाता है जिन्होंने खेल पर बड़ा प्रभाव डाला है। इन तीनों के हॉल ऑफ फेम में जगह बनाने के बाद इस सूची में अब 28 देशों के कुल 267 दिग्गज शामिल हो गए हैं। पेस ने युगल में विश्व रैंकिंग में नंबर एक पर 37 सप्ताह बिताए और 54 युगल खिताब जीते। वह टेनिस इतिहास में दोनों युगल वर्ग में करियर ग्रैंडस्लैम पर कब्जा करने वाले केवल तीन पुरुषों में से एक हैं। कोलकाता के रहने वाले पेस ने बार्सिलोना, 1992 से रियो, 2016 के बीच लगातार सात ओलंपिक खेलों में भाग लिया। यह टेनिस इतिहास का रिकॉर्ड है। पेस ने कहा, हममें से कुछ लोग भाग्यशाली है कि हमें यह सम्मान मिला। मैंने बचपन में कोलकाता में नंगे पांव क्रिकेट और फुटबॉल खेलते समय सपने में भी नहीं सोचा था कि अंतरराष्ट्रीय टेनिस हॉल ऑफ फेम में शामिल होउंगा।

उन्होंने कहा, मैं इसे आप सभी के साथ खबर साझा कर के बहुत उत्साहित हूं, मैं दुनिया भर के हर ऐसे युवा लड़के और लड़की का प्रतिनिधित्व करता हूं जिनके मन में कुछ हासिल करने का सपना और जुनून है। अमृतराज 1970 में एटीपी टूर पर आए थे। वह अगले कई वर्षों तक भारत की डेविस कप टीम के प्रमुख खिलाड़ी रहे। अमृतराज डेविस कप फाइनल के लिए क्वालीफाई करने वाली दो भारतीय टीमों के प्रमुख सदस्य थे।

सीएमवाईके प्रिंटेक के लिए तथा उसी की ओर से मुद्रक एवं प्रकाशक शोबोरी गाँगुली द्वारा टिन टिन प्रिंटेक प्रा.लि. सी-33 अमौसी इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज लखनऊ से मुद्रित एवं चौथी मंजिल, सहारा शापिंग सेंटर, फैजाबाद रोड, लखनऊ (फोन: 0522-4036600) से प्रकाशित। प्रधान सम्पादक: शोबोरी गाँगुली, स्थानीय सम्पादक: विजय प्रकाश सिंह। पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार के किसी भी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया करने से पहले पूरी तरह उसके बारे में दिए गए दावों, शर्तों और तथ्यों की जांच कर लें। पायनियर ग्रुप के मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद तथा सेवा हेतु किए गए किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन या उत्तरदायित्व नहीं लेता है। ऐसे विज्ञापनों के बाद किसी आर्थिक क्षति के लिए वे जिम्मेदार भी नहीं हैं।